हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शुक्रवार | 09 अगस्त 2024 | वर्ष : 02 | अंक :89 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ बोर्ड संशोधन का किया विरोध

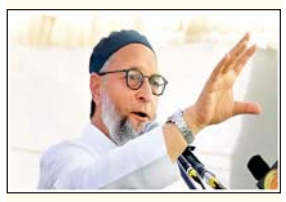

एजेंसी

नई दिल्ली: मोदी सरकार ने लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश कर दिया है. इस विधेयक का उद्देश्य राज्य वक्फ बोर्डों की शक्तियों, वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण और सर्वेक्षण तथा अतिक्रमणों को हटाने से संबंधित मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करना है. अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को गुरुवार को लोकसभा में पेश किए जाने के लिए सूचीबद्ध किया गया था.इस बिल पर असदुद्दीन ओवैसी ने विरोध जताया है. उन्होंने कहा है कि क्या ये सरकार दरगाह और वक्फ जैसी प्रॉपर्टी लेना चाहती है ?असदुद्दीन ओवैसी ने इस बिल का विरोध जताते हुए कहा, 'आप मुझे प्रार्थना से भी रोक रहे हैं. अगर कोई कल आकर बोलेगा कि मैं पांच साल से प्रैक्टिस नहीं कर रहा हूं या कोई न्यू कन्वर्ट है तो क्या उसे पांच साल इंतजार करना होगा. ऐसा कोई प्रावधान हिंदू एंडोमेंट या सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के लिए नहीं है. वक्फ प्रॉपर्टी पब्लिक प्रॉपर्टी नहीं है. क्या ये सरकार दरगाह, वक्फ जैसी प्रॉपर्टी लेना चाहती है ? सरकार कह रही है कि हम महिलाओं को दे रहे हैं, ।

वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन में नीतीश की पार्टी, ललन सिंह ने लगाई विपक्ष को फटकार, बोले-

यह मुसलमान विरोधी नहीं

सांसदकेंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि ये बिल मुसलमान विरोधी नहीं है । ये मंदिर की बात करते हैं, मंदिर की बात कहां से आ गई । उन्होंने कहा कि कोई भी संस्था जब निरंकुश होगी तो सरकार उस पर अंकुश लगाने के लिए, पारदर्शिता के लिए कानून बनाएगी ।

एजेंसी

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 पर सरकार का समर्थन किया है। यह पार्टी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की है। जेडीयू सांसद और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ??ललन सिंह ने वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 का समर्थन करते हुए कहा कि इससे वक्फ बोर्ड में पारदर्शिता आएगी। लोकसभा में विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि यह विधेयक मस्जिद या मंदिर के बारे में नहीं है, बल्कि एक संस्था में पारदर्शिता लाने का प्रयास है ।केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि ये बिल मुसलमान विरोधी नहीं है । ये मंदिर की बात करते हैं, मंदिर की बात कहां से आ गई । उन्होंने कहा कि कोई भी संस्था जब निरंकुश होगी तो सरकार उस पर अंकुश लगाने के लिए, पारदर्शिता के लिए कानून बनाएगी । ये उसका अधिकार है । उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पारदर्शिता होनी चाहिए और ये बिल पारदर्शिता के लिए है। कांग्रेस पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि ये अल्पसंख्यकों की बात करते हैं, सिखों का कत्लेआम किसने किया था। ललन सिंह ने कहा कि विपक्ष इसकी तुलना मंदिरों से कर रहा है, वे मुख्य मुद्दे से भटका रहे हैं। उन्होंने पूछा कि केसी वेणुगोपाल (कांग्रेस) को बताना चाहिए कि हजारों सिख कैसे मारे गए। किस टैक्सी ड्राइवर ने इंदिरा गांधी को मारा? अब वे अल्पसंख्यकों की बात कर रहे हैं। वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन करने के लिए पेश किए गए इस विधेयक में मौजूदा अधिनियम में दूरगामी बदलावों का प्रस्ताव है, जिसमें ऐसे निकायों में मुस्लिम महिलाओं और गैर-मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना शामिल है। वक्फ (संशोधन) विधेयक में वक्फ अधिनियम, 1995 का नाम बदलकर एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995 करने का भी प्रस्ताव है ।अपने उद्देश्यों और कारणों के अनुसार, विधेयक बोर्ड की शक्तियों से संबंधित मौजूदा कानून की धारा 40 को हटाने का प्रयास करता है, जो यह तय करने के लिए है कि कोई संपत्ति वक्फ संपत्ति है या नहीं। यह केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों की व्यापक संरचना का प्रावधान करता है और ऐसे निकायों में मुस्लिम महिलाओं और गैर-मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है ।विधेयक में बोहरा और अगाखानियों के लिए औकाफ के एक अलग बोर्ड की स्थापना का भी प्रस्ताव है ।मसौदा कानून मुस्लिम समुदायों में शिया, सुन्नी, बोहरा, अगाखानियों और अन्य पिछड़े वर्गों के प्रतिनिधित्व का प्रावधान करता है ।सांसदकेंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि ये बिल मुसलमान विरोधी नहीं है । ये मंदिर की बात करते हैं, मंदिर की बात कहां से आ गई । उन्होंने कहा कि कोई भी संस्था जब निरंकुश होगी तो सरकार उस पर अंकुश लगाने के लिए, पारदर्शिता के लिए कानून बनाएगी ।

वक्फ विधेयक, का विरोध करते हुए अखिलेश यादव ने ऐसा क्या बोला कि अमित शाह को आ गया गुस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली: भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र की एनडीए सरकार ने वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करने के लिए गुरुवार को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया। हालांकि, विपक्षी दलों ने इसका जमकर विरोध किया। बिल का विरोध करते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि यह बिल जो पेश किया जा रहा है वो बहुत सोची समझी राजनीति के लिए तैयार हो रहा है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष महोदय, मैंने लॉबी में सुना कि आपके कुछ अधिकार भी छीने जा रहे हैं और हमें आपके लिए लड़ना होगा। मैं इस बिल का विरोध करता हूं ।अखिलेश यादव के दावों पर गृहमंत्री अमित शाह ने सख्त आपत्ति दर्ज कराई। सपा नेता को जवाब देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अखिलेश जी, क्या इस तरह की गोलमोल बात आप नहीं कर सकते..आप स्पीकर के अधिकार संरक्षक नहीं हैं। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने इसका विरोध किया। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि ये संविधान की ओर से दिए धर्म और फंडामेंटल राइट्स पर हमला है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। उन्होंने सवाल किया कि क्या अयोध्या के मंदिर में कोई नॉन हिंदू है, क्या किसी मंदिर की कमेटी में किसी गैर हिंदू को रखा गया है। वेणुगोपाल ने कहा कि वक्फ भी एक धार्मिक संस्था है। ये समाज को बांटने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि हम हिंदू हैं लेकिन साथ ही हम दूसरे धर्मों की आस्था का भी सम्मान करते हैं। उन्होंने दावा किया कि यह बिल महाराष्ट्र, हरियाणा के चुनावों के लिए बनाया गया है। आप नहीं समझते कि पिछली बार भारत की जनता ने आपको साफ तौर पर सबक सिखाया था। यह संघीय व्यवस्था पर हमला है ।एनसीपी-एससीपी सांसद सुप्रिया सुले ने लोकसभा में कहा कि मैं सरकार से अनुरोध करती हूं कि या तो इस विधेयक को पूरी तरह से वापस ले या इसे स्थायी समिति को भेज दे... कृपया बिना परामर्श के एजेंडा आगे न बढ़ाएं। लोकसभा में आरएसपी सांसद एनके प्रेमचंद्रन ने कहा कि आप वक्फ बोर्ड और वक्फ परिषद को पूरी तरह से कमजोर कर रहे हैं।

बांग्लादेश में सभी भारतीय वीजा केंद्र अनिश्चित काल के लिए बंद,

अस्थिर स्थिति के कारण केंद्र सरकार का अहम फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली: बांग्लादेश में अशांतिः एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, भारतीय वीजा आवेदन केंद्र (क्रअउ) ने घोषणा की है कि सभी केंद्र 'अस्थिर स्थिति' के कारण अनिश्चित काल तक बंद रहेंगे, क्योंकि कई सप्ताह तक चले घातक विरोध प्रदर्शनों के परिणामस्वरूप पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से हटा दिया गया और अंतरिम सरकार का गठन हुआ, जो आज होने की संभावना है ।क्रअउ बांग्लादेश के ऑनलाइन पोर्टल पर एक बयान में कहा गया है, "अस्थिर स्थिति के कारण सभी क्रअउ अगली सूचना तक बंद रहेंगे। अगली आवेदन तिथि एसएमएस के माध्यम से सूचित की जाएगी और अनुरोध है कि पासपोर्ट अगले कार्य दिवस पर प्राप्त करें।

पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन

एजेंसी

पश्चिम बंगाल: पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का बृहस्पतिवार को कोलकाता स्थित उनके घर पर निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की राज्य इकाई के सचिव मोहम्मद सलीम ने यह जानकारी दी। बुद्धदेव भट्टाचार्य वृद्धावस्था से जुड़ी बीमारियों से पीड़ित थे। उनके परिवार में पत्नी मीरा और बेटी सुचेतना हैं। माकपा नेता भट्टाचार्य 2000 से 2011 तक राज्य के मुख्यमंत्री थे ।बुद्धदेव भट्टाचार्य वृद्धावस्था से जुड़ी बीमारियों से पीड़ित थे। उनके परिवार में पत्नी मीरा और बेटी सुचेतना हैं। माकपा नेता भट्टाचार्य 2000 से 2011 तक राज्य के मुख्यमंत्री थे।

अगर मुख्यमंत्री पद की पेशकश की जाती तो पूरी पार्टी साथ ले आता: अजित पवार

एजेंसी

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बुधवार को कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना ने उन्हें मुख्यमंत्री पद की पेशकश की होती तो वह पूरी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को अपने साथ ले आते ।पवार ने वर्तमान मुख्यमंत्री की जीवनी ह्ययोद्धा कर्मयोगी - एकनाथ संभाजी शिंदे के विमोचन के अवसर पर मजाकिया लहजे में कहा कि राजनीति में वह मुख्यमंत्री शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस दोनों से वरिष्ठ हैं ।इस कार्यक्रम में शिंदे और फडणवीस भी मौजूद थे। जुलाई 2023 में अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत कर दी थी और वह राकांपा को तोड़कर भाजपा-शिवसेना सरकार में शामिल हो गए थे ।अजित पवार ने कहा, सभी आगे निकल गए और मैं पीछे रह गया।

वक्फ बोर्ड बिल पर बोले भाजपा के मुस्लिम नेता, यही समय की मांग, विकास के रास्ते को करेगा मजबूत

एजेंसी

नई दिल्ली: नकवी ने अपने बयान में कहा कि ये बिल वक्फ बोर्ड व्यवस्था के नाम पर हो रहे उत्पीड़न का समाधान देने के लिए है। यही समय की मांग है। उन्होंने आगे कहा कि संविधान के दायरे में रहते हुए ये बिल लाया जा रहा है और ये विकास के रास्ते को मजबूत करेगा ।आज लोकसभा में पेश किए जाने वाले वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी का बड़ा बयान सामने आया है। नकवी ने अपने बयान में कहा कि ये बिल वक्फ बोर्ड व्यवस्था के नाम पर हो रहे उत्पीड़न का समाधान देने के लिए है। यही समय की मांग है। उन्होंने आगे कहा कि संविधान के दायरे में रहते हुए ये बिल लाया जा रहा है और ये विकास के रास्ते को मजबूत करेगा। इस पर उचित चर्चा होनी चाहिए लेकिन आप इसे रोक नहीं सकते, गुमराह नहीं कर सकते। इससे पहले भाजपा नेता ने सोमवार को कहा था कि जिसे उन्होंने मुझे छूने की नहीं बल्कि मुझे छूने की बात कही है, उसे खत्म करने के लिए सुधारों की जरूरत है। वक्फ की कार्यशैली को ह्यटच मी नॉटह्ल (अछूत) की सनक-सियासत से बाहर आना होगा।

पाकिस्तान से प्रॉक्सी वॉर, चीन से एलएसी पर टेंशन और अब, बांग्लादेश के हालात पर आया CDS अनिल चौहान का बयान

एजेंसी

नई दिल्ली: भारतीय सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने कहा है कि बांग्लादेश में अशांति चिंताजनक है। सीडीएस ने कहा कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के मद्देनजर अन्य देशों के साथ सीमाओं पर तनाव पहले से ही व्याप्त है। सीडीएस अनिल चौहान ने सैन्य गोला-बारूद पर एक सम्मेलन में बोलते हुए कहा कि भारत के पास सुरक्षा चुनौतियों का अपना हिस्सा है, हमारे पास जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा छेड़ा गया छद्म युद्ध है, जिसकी अचानक वृद्धि अब पीर पंजाल रेंज में देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि चीन के साथ लंबे समय से चला आ रहा सीमा विवाद अभी खत्म नहीं हुआ है। दो बड़ी सुरक्षा चुनौतियाँ हैं जिनका हम सामना कर रहे हैं, हमारे पड़ोस में अस्थिरता हमारे लिए चिंता का एक और कारण है। भारत जैसे बड़े देश के लिए, सुरक्षा समस्याओं की प्रचुरता के साथ, यह युद्ध लड़ने और आजीविका के लिए विदेशी आयात पर निर्भर नहीं रह सकता है सीडीएस ने कहा, खासकर ऐसे माहौल में जहां वैश्विक सुरक्षा और सरकार अस्थिर स्थिति में है। नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस गुरुवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ लेने के लिए तैयार हैं, क्योंकि उन्होंने सभी से शांत रहने और हमारी नई जीत का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए सभी प्रकार की हिंसा से बचने की जोरदार अपील की।

विनेश फोगाट मामले पर राज्यसभा में हंगामा, विपक्ष के आरोपों से आहत हुए सभापति, कुर्सी छोड़ चले गए

एजेंसी

नई दिल्ली: राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रायन को फटकार लगाई और उन्हें उसी के अनुसार व्यवहार करने को कहा। परेशान और गुस्से में दिख रहे धनखड़ ने ऊंची आवाज में चिल्लाते हुए कहा, "सदन में हर रोज मेरा अपमान किया जा रहा है।" इसके बाद सभापति अपना आसन छोड़कर चले गए। दरअसल, विनेश फोगाट के ओलंपिक से बाहर होने को लेकर आज राज्यसभा में जबरदस्त हंगामा हुआ है। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में इस मुद्दे को उठाने की कोशिश की। हालांकि, उन्हें अनुमति नहीं मिली। सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि वह कुछ समय के लिए आसन पर बैठने में खुद को सक्षम नहीं पा रहे हैं। ह्यमैं दुखी मन से....ह्लह्ल यह कहते हुए सभापति धनखड़ आसन से उठ कर चले गए और फिर उपसभापति हरिवंश से सदन की कार्यवाही का संचालन किया। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि वे (विपक्ष) सोचते हैं कि सिर्फ.उन्हीं का दिल दुख रहा है। पूरा देश उस लड़की की वजह से दुखी है। हर कोई इस स्थिति को साझा कर रहा है, लेकिन इसका मुद्रीकरण करना, इसका राजनीतिकरण करना, उस लड़की का सबसे बड़ा अपमान है। उस लड़की को अभी बहुत आगे जाना है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि पूरा देश विनेश फोगाट के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री ने कल उन्हें "चैंपियन ऑफ चैंपियंस" कहा और प्रधानमंत्री की आवाज 140 करोड़ लोगों की आवाज है। दुर्भाग्य से, हम इसे सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बांट रहे हैं। नड्डा ने आगे कहा कि दुर्भाग्य से, विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है जिस पर वे चर्चा करना चाहते हों और जिसके लिए सत्ता पक्ष तैयार हो।

Waqf (Amendment) Bill 2024: अखिलेश यादव का बीजेपी पर निशाना, बोले- वक्फ बोर्ड बहाना है, जमीन बेचना निशाना है

संवाददाता

नई दिल्ली: वक्फ अधिनियम संशोधन विधेयक को लेकर भाजपा नीत राजग सरकार पर निशाना साधते हुए समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को कहा कि संशोधन की आड़ में भाजपा वक्फ बोर्ड की जमीनों को बेचने की कोशिश कर रही है और भाजपा को इसमें 'जनता' की जगह 'जमीन' जोड़ देना चाहिए। सपा सांसदों के साथ एक फोटो शेयर करते हुए अखिलेश ने एक्स पर लिखा कि ह्यवक़्फ़ बोर्डह्ल का ये सब संशोधन भी बस एक बहाना है। रक्षा, रेल, नजूल लैंड की तरह जमीन बेचना निशाना हैसपा प्रमुख ने आगे लिखा कि वक़्फ़ बोर्ड की जमीनें, डिफेंस लैंड, रेल लैंड, नजूल लैंड के बाद ह्यभाजपाइयों के लाभार्थ योजना की शृंखला की एक और कड़ी मात्र हैं। भाजपा क्यों नहीं खुलकर लिख देतीः ह्यभाजपाई-हित में जारीह्ल। उन्होंने कहा कि इस बात की लिखकर गारंटी दी जाए कि वक़्फ़ बोर्ड की जमीनें बेची नहीं जाएंगी। उन्होंने तंज कसते हुए भाजपा रियल स्टेट कंपनी की तरह काम कर रही है। उसे अपने नाम में ह्यजनताह्ल के स्थान पर ह्यजमीनह्ल लिखकर नया नामकरण कर देना चाहिएः भारतीय जमीन पार्टी। इससे पहले दिन में कांग्रेस के लोकसभा सांसद केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किए जाने का विरोध करने के लिए एक नोटिस पेश किया। कांग्रेस सांसद हिबी ईडन ने भी विधेयक का विरोध करने के लिए नोटिस दिया। समाजवादी पार्टी भी संसद में वक्फ विधेयक का विरोध करेगी। गौरतलब है कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करने के लिए गुरुवार को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश करने वाली है। विधेयक में राज्य वक्फ बोर्डों की शक्तियों, वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण और सर्वेक्षण और अतिक्रमणों को हटाने से संबंधित "मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित" करने का प्रयास किया गया है। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा लोकसभा में पेश किए जाने के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

राज्यपाल पहुँचे समस्तीपुर

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में आयोजित मशरूम उत्पादन एवं प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम में किया शिरकत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/पूसा :- बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर गुरुवार को समस्तीपुर पहँचे।जहां उन्होंने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा स्थित विद्यापति सभागार में मशरूम उत्पादन एवं प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिरकत किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।इस दौरान केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी एस पांडेय ने शॉल एवं विश्वविद्यालय उत्पाद देकर सम्मानित किया।

बातातें चलें कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में गोवा से आये किसानों को मशरूम का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।इस मौके पर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि नेचुरल फॉर्मिंग आज के समय की मांग है। बिहार में नेचुरल फार्मिंग की असीम संभावनाएं हैं। हम चाहते हैं कि केमिकल फर्टिलाइजेशन की जगह प्राकृतिक खेती करने की जरूरत है।इससे खेतों की उर्वरकता बरकरार रहती है, और बढ़ती भी है।मुझे लगता है कि धीरे-धीरे बिहार के किसान भाइयों को इसे अपनाने की जरूरत है। और यह संभव भी है।उन्होंने कहा कि गोवा पर्यटक स्थल के रूप में जाना जाता है। लेकिन वह चाहते हैं कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय का जो ज्ञान है वह गोवा तक पहुंचे। गोवा के लोगों को इसका लाभ मिले। देश के दूसरे प्रदेशों की विशेषता भी गोवा तक पहुंचे।इसके लिए डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा काफी अच्छी पहल की गई है कि वह मशरूम की खेती को बढ़ावा देने के लिए वहां के किसानों को बुलाकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिससे गोवा मशरूम उत्पादन में आत्मनिर्भर बन सके। कार्यक्रम के बाद राज्यपाल गोवा से मशरूम का प्रशिक्षण प्राप्त करने आए प्रशिक्षु से मुलाकात की और उनसे प्रशिक्षण के बाद अपने प्रदेश में न सिर्फ मशरूम उत्पादन करने बल्कि वहां के अन्य किसानों को भी प्रशिक्षित कर उन्हें प्रेरित करने की सलाह दिया।

राज्यसभा के उपचुनावों में भाजपा को मिलेगा लाभ

संवाददाता

यह उपचुनाव तीन सितंबर को नौ राज्यों में होंगे। अगर सीटों की संख्या के बराबर ही प्रत्याशी रहे तो कई सीटों के निर्वाचन की घोषणा 26-27 अगस्त को नाम वापसी के दिन ही हो जाएगी।चुनाव आयोग ने बुधवार को राज्यसभा की रिक्त 12 सीटों के लिए चुनावों की घोषणा की है। इनमें दस सीट वह है, जो लोकसभा चुनाव जीतने के बाद राज्यसभा से इस्तीफे से रिक्त हुई हैं।

पटना:राज्यसभा के दस सांसदों के लोकसभा के लिए चुने जाने और दो सांसदों के इस्तीफों से रिक्त हुई 12 सीटों के लिए उपचुनाव में भाजपा लाभ की स्थिति में रहेगी। यह उपचुनाव तीन सितंबर को नौ राज्यों में होंगे। अगर सीटों की संख्या के बराबर ही प्रत्याशी रहे तो कई सीटों के निर्वाचन की घोषणा 26-27 अगस्त को नाम वापसी के दिन ही हो जाएगी।चुनाव आयोग ने बुधवार को राज्यसभा की रिक्त 12 सीटों के लिए चुनावों की घोषणा की है। इनमें दस सीट वह है, जो लोकसभा चुनाव जीतने के बाद राज्यसभा से इस्तीफे से रिक्त हुई हैं। इनमें केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, सबार्नंद सोनोवाल और ज्योतिरादित्य सिंधिया (सभी भाजपा) के साथ कामाख्या प्रसाद तासा (भाजपा), मीसा भारती (राजद), विवेक ठाकुर (भाजपा), दीपेंद्र सिंह हुड्डा (कांग्रेस), उदयनराजे भोसले (भाजपा), केसी वेणुगोपाल (कांग्रेस) और बिप्लब कुमार देब (भाजपा) शामिल हैं। अन्य दो सीट बीआरएस के केशव राव के कांग्रेस में शामिल होने से और बीजद की ममता मोहंता के भाजपा में शामिल होने से रिक्त हुई हैं। उपचुनाव में भाजपा की सात सीट खाली हुई है और उसके पास दस सीट आएंगी। जबकि कांग्रेस को उसकी खाली हुई दो सीट की जगह एक ही मिल पाएगी। राजद, बीजद और बीआरएस को एक-एक सीट का नुकसान होगा। असम से दोनों सीट भाजपा सांसदों की रिक्त हुई हैं और राज्य में भाजपा सरकार होने से दोनों सीट भाजपा को ही मिलेंगी। बिहार में राजद और भाजपा की एक-एक सीट रिक्त हुई है। राज्य में भाजपा गठबंधन के सत्ता में होने से दोनों सीट उसके पास आएंगी। हरियाणा में एक सीट कांग्रेस की रिक्त हुई है लेकिन राज्य की सत्ता में भाजपा के होने से इसे ही मिलेगी। मध्य प्रदेश में एक सीट भाजपा की रिक्त हुई है और वह सत्तारूढ़ भाजपा के पास ही रहेगी। महाराष्ट्र में दो सीट भाजपा की रिक्त हुई हैं, गठबंधन सरकार के बावजूद दोनों भाजपा के पास ही रहेंगी। राजस्थान में कांग्रेस की एक सीट खाली हुई है और वह सत्तारूढ़ भाजपा के खाते में जाएगी।

इनर व्हील क्लब छपरा ने निर्धन मेधावी छात्रा को दी साइकिल

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

महिला प्रधान समाज सेवी संस्था इनर व्हील क्लब छपरा की ओर आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद कन्या को साइकिल दिया गया। पीडीसी गायत्री आयार्नी ने कहा की हमारा इनर व्हील क्लब हमेशा जरूरतमंद एवं असहाय लोगों की सहायता हेतु तत्पर रहता है। अध्यक्ष वीणा शरण ने बताया कि शिक्षा अत्यंत आवश्यक है, किसी भी कारण से इसमें व्यवधान नहीं आना चाहिए हमारी संस्था वैश्विक स्तर पर सामाजिक कार्य करती है उसी के परिपेक्ष्य में इस बार संस्था ने साइकिल देने का निर्णय लिया। यह कन्या बहुत ही जरूरतमंद और इसका परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है।स्कूल दूर होने के कारण कन्या को स्कूल जाने में काफी दिक्कत हो रही थी, अब वह आसानी से घर से स्कूल जा सकती है। इससे पूर्व भी क्लब के द्वारा समय समय पर जरूरतमंद बच्चों को साईकिल, स्कूल बैग, यूनिफॉर्म, किताब आदि सामान दिया जाता रहता है। इस कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्ष वीणा शरण, मधुलिका तिवारी, किरण सहाय, अपर्णा मिश्रा, आइएसओ शशिप्रभा सिन्हा, एडीटर राखी सिंह एवं मंजू सिंह आदि उपस्थित थीं।

माह जुलाई 2024 के अपराध निरोध गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये दिशा-निर्देश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

आज दिं0-08.08.24 को सारण समाहरणालय स्थित सभागार कक्ष में माह जुलाई 2024 का अपराध निरोध गोष्ठी श्री कुमार आशीष, पुलिस अधीक्षक, सारण की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक (मु0), पुलिस उपाधीक्षक, अंचल पुलिस निरीक्षक, थानाध्यक्ष, सभी शाखा प्रभारी तथा अभियोजन पदाधिकारी शामिल रहे। गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक द्वारा विधि-व्यवस्था, अनुसंधान की गुणवता, कांडो के निष्पादन, मद्यनिषेध महासमकालीन अभियान, अवैध बालु खनन अभियान तथा लोक संवेदना अभियान के संदर्भ में विभिन्न दिशा- निर्देश दिये गये, जिसमें से कुछ प्रमुख निर्देश निम्नांकित है:-

अपराध नियंत्रणः-1. जिलान्तर्गत अपराध नियंत्रण के दृष्टिगत नियमित गश्ती के अलावा थानाध्यक्ष भी नियमित रूप से क्षेत्र में भ्रमणशील रहेगें तथा इस दौरान अंचल पुलिस निरीक्षक के साथ समन्वय स्थापित कर लंबित वारंट/सम्मन का निष्पादन कराने हेतु निर्देशित किया गया है।

2. अपने थानान्तर्गत वित्तिय संस्थान/बैंक/सी0एस0पी0 संचालकों के साथ बैठक आयोजित कर उनकी कार्यावधि के दौरान लगातार गश्ती कर सुरक्षा मुहैया करायेगें।3. चोरी वाले संवेदनशील इलाकों में निरंतर गश्ती एवं चौकसी बढायें। 4. वाहन चेकिंग के दौरान हाई स्पीड बाइकर्स, लफुआ आदि पर विशेष रूप से निगरानी व चेकिंग करेगें।5.अपने थानाक्षेत्र के अंतर्गत लगने वाले हाट/बाजार में बड़ा चाकू/तलवार आदि अन्य धारदार हथियार बेचने वाले दुकानदार को नोटिस देकर इन चीजो के बिक्री पर प्रतिबंध लगाना है।मद्यनिषेध महासमकालीन अभियानः-1मद्यनिषेध कानून के सफल क्रियान्वयन के दृष्टिगत जिलान्तर्गत दिनांक-04.08.2024 से 18.08.2024 तक 15 दिनों का महासमकालीन अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान सभी थानाध्यक्ष/अंचल पुलिस निरीक्षक/अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अधिक से अधिक सहभागिता दिखाकर इस अभियान को सफल बनायेंगे तथा अधिक से अधिक संख्या में गिरफ्तारी एवं बरामदगी करेंगें। इस अभियान में जिला/अंचल स्तरीय ए0एल0टी0एफ0 टीम का पूर्ण सहयोग करें। 2.जिलान्तर्गत मालखाना में पड़े शराब का शत-प्रतिशत विनष्टीकरण सुनिश्चित करें तथा जो जब्त मादक पदार्थ ट्रेसलेस है उन्हें भी इन्वेंटरी तैयार कर विनष्टीकरण हेतु उचित माध्यम से प्रस्ताव मद्यनिषेध कोषांग में समर्पित करेंगें।

3. स्ट्रीट कारोबारियों या पूर्व के हूच ट्रेजडी के अभियुक्तों के खिलाफ लगातार छापामारी अभियान चलायें।4.शराब सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए जन-जागरूकता अभियान चलायें।

?लोक संवेदना अभियानः-जन प्रतिनिधियों, वृद्ध, महिलायें, निःशक्त एवं समाज के वंचित वर्ग के व्यक्तियों एवं जन साधारण के प्रति संवेदनशीलता लाने तथा कार्यालयों में आने वाले आगंतुकों के लिए आवश्यक जनसुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु एक विशेष लोक संवेदना अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत थाना में स्वच्छ पीने का पानी, शौचालय की व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था, विद्युतीकरण की व्यवस्था, सुचना पट्ट/साइनेज आदि की व्यवस्था करें। थाना परिसर के सौदर्यीकरण, पौधारोपण पर विशेष ध्यान दें। 1.पुलिस अधीक्षक द्वारा शुरू किये गये उन्मुखी प्रोग्राम के तहत सभी थानाध्यक्ष तथा वरीय पुलिस पदाधिकारी अपने नजदीकी सरकारी स्कूलों में प्रत्येक शनिवार स्कूली बच्चों से सीधा वार्ता करेंगें।

बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन वामपंथ के एक स्तंभ का अंत- डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना 8 अगस्त,2024बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री एवंदिग्गज वामपंथी नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन हो जाने पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। अपने शोक संदेश में डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि बंगाल में वाममोर्चा के 34 वर्षो के शासन के दौरान ज्योति वसु के बाद मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के बुद्धदेव भट्टाचार्य दूसरे मुख्यमंत्री थे। जिन्होंने 2000-2011 तक बंगाल के मुख्यमंत्री रहे। इनके निधन से पश्चिम बंगाल हीं नहीं पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गयी है। डा0 सिंह ने मृत आत्मा के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए इस दुःख के घड़ी में उनके आश्रित परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

झमाझम बारिश के बाद किसानों के चेहरे खिल गये धान की रोपाई मे लगायी पूरी ताकत

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर में हो रहे झमाझम बारिश के बाद किसानों के चेहरे खिल गये हैं। लगातार जारी सुखाड़ के कारण किसान परेशान थे। जून में सामान्य वर्षपात से 77 प्रतिशत कम तथा जुलाई 44 प्रतिशत कम बारिश हुई थी। जिले में धान की खेती प्रभावित हो रही थी। बारिश के बाद किसानों ने राहत की सांस ली है। किसानों ने धान की रोपाई में अपनी ताकत झोंक दी है। विदित हो जुलाई तक जिले में महज 56 प्रतिशत ही धान की रोपाई हुई थी। वहीं वर्षा नहीं होने से किसानों के खेतों में लगी धान की फसल मुरझाने लगी थी। खेतों में पानी के अभाव में दरारें पड़ने लगी थी। बारिश होने से धान की फसल में जान जा गयी है। इधर बारिश को देखते हुये डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा केन्द्र ने किसानों को वर्षा जल का लाभ उठाते हुये किसानों को प्राथमिकता के आधार पर धान की रोपाई प्राथमिकता के आधार पर करने की सलाह दी है वहीं, रोपे गये धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता देने को कहा है। वहीं धान की खड़ी फसल में कीट व्याधि का निरीक्षण करते रहने की सलाह दी है। विदित हो कि जिले में इस बार कृषि विभाग के द्वारा 77376 हेक्टेयर में धान की खेती का लक्ष्य निर्धारित कर रखा है। किसानों के द्वारा इसके लिये 7737 हेक्टेयर में धान की बिचड़ा भी गिराया गया। लेकिन वर्षा के दगाबाजी के कारण किसान शत-प्रतिशत रोपाई नहीं पाये थे, अब मौसम ने साथ दिया तो किसान एक बार अपने खाली पड़े खेतों में धान की रोपाई में जुट गये हैं।

मुखिया बेबी देवी 15 अगस्त को दिल्ली के लाल किला मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में भाग लेंगी

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/विद्यापतिनगरसमस्तीपुर जिले के विद्यापतिनगर प्रखंड अंतर्गत मनियारपुर पंचायत की मुखिया बेबी देवी 15 अगस्त को दिल्ली के लाल किला मैदान में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में भाग लेंगी। पंचायती राज बिहार के अपर सचिव कल्पना कुमारी ने भारत सरकार के पंचायती राज के निर्देश पर उन्हें पत्र भेजा है। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बिहार से 9 महिला जनप्रतिनिधियों का चयन कर भारत सरकार को सूची भेजा है। जिसमें जिले की महिला मुखिया बेबी देवी शामिल है।बेबी देवी 12 अगस्त को पटना से दिल्ली के लिए रवाना होंगे, जहां स्वतंत्रता दिवस पर भारत सरकार द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के बाद पुनः 16 अगस्त को पटना लौटेंगे। मुखिया के साथ उनके पति दिनेश कुमार राय भी दिल्ली जाएंगे। इसके अलावा इनके साथ एक नोडल पदाधिकारी एवं दो समन्वयक भी होंगे। इन सभी के आने-जाने सहित सभी खर्च भारत सरकार वहन करेगी। मुखिया बेबी देवी को दिल्ली आमंत्रित किए जाने की खबर पर सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के अलावे प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। बताते चलें कि पंचायत में कई विकासीय जनहित कार्यों को इन्होंने मूर्त रूप दिया है। वहीं मनरेगा, जल संचय, जल निकासी सहित पल पुलिया निर्माण को लेकर पंचायत में मुखिया की सराहना की जाती रही है। पर्यावरण को लेकर यहां पौधरोपण का कार्य भी उत्कृष्ट कहा जाता है।

समस्तीपुर में जल-जमाव की समस्या को देखते हुए क्विक रिस्पांस टीम गठित, इस टॉल फ्री नंबर पर करें शिकायत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

मानसून में जल भराव की समस्या को देखते हुए निगम प्रशासन की ओर से क्विक रिस्पांस टीम गठित की गई है। साथ ही, नागरिकों के लिए टॉल फ्री नंबर भी जारी किया गया है।इस टाल फ्री नंबर के माध्यम से लोग निगम के विभिन्न वार्डों में जलभराव की समस्या या शिकायत निगम प्रशासन को बता सकते हैं। क्विक रिस्पांस टीम उसपर काम करेगी।यह बातें नगर आयुक्त केडी प्रज्ज्वल ने कही।

नगर आयुक्त ने निगम के प्रशासनिक भवन में अधीनस्थ पदाधिकारी व कर्मचारियों के साथ बैठक करते हुए जल जमाव, नाला उड़ाही और साफ सफाई से संबंधित कार्यों की समीक्षा की।इस दौरान कई आवश्यक निर्देश भी दिये। उन्होंने बताया कि जल भराव से संबंधित शिकायत और उसके निदान के लिए निगम कार्यालय में कंट्रोल रूम का संचालन किया जा रहा है।जिसके तहत टॉल फ्री नंबर 1800-345- 6431 पर अपना शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

डबल मर्डर मामले में बदमाशों की पहचान बताने पर समस्तीपुर पुलिस देगी 25 हजार रुपये का ईनाम

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/विभूतिपुर :- समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर थाना अंतर्गत महमदपुर सकड़ा गांव में बीते महीने डेयरी परिसर स्थित सीएसपी में लूट के बाद बदमाशों द्वारा महिला व एक कर्मी के डबल मर्डर मामले में समस्तीपुर पुलिस को अब तक कुछ खास सफलता हाथ नहीं लगी है। अब समस्तीपुर पुलिस ने अपराधियों की सूचना देने पर 25 हजार रुपये के ईनाम की घोषणा की है। समस्तीपुर पुलिस के अनुसार सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे अगर किसी भी बदमाश की पहचान आम लोगों के द्वारा किया जाता है और पुलिस को सूचना दी जाती है तो उसे 25 हजार रुपये के नगद राशि से पुरस्कृत किया जाएगा।अगर किसी भी बदमाश की सूचना देनी हो तो विभूतिपुर थानाध्यक्ष या रोसड़ा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को दी जा सकती है। बता दें कि की सीसीटीवी फुटेज में तीन बदमाश घटना को अंजाम देते हुए साफ-साफ दिखाई दिखाई दे रहे हैं। अब तक पुलिस को भी सीसीटीवी फुटेज के अलावा कुछ खास साक्ष्य नहीं मिल सका है। एसपी विनय तिवारी के निर्देश पर रोसड़ा एसडीपीओ सोनम कुमारी खुद मामले के जांच की मानिटरिंग कर रही है। समस्तीपुर पुलिस द्वारा जल्द ही मामले के खुलासे की भी बात कही जा रही है।बता दें कि 30 जून की शाम हुए इस घटना की सीएसपी संचालक व रोटगन्ना वार्ड संख्या-12 निवासी अकलू यादव के पुत्र रजनीश कुमार के बयान पर पुराने कानून के तहत ही प्राथमिकी दर्ज हुई है, क्योंकि 30 जून तक पुराना नियम ही लागू था। बयान में सीएसपी संचालक ने कहा है कि वह डेयरी कैंपस में सीएसपी चलाता है। प्रत्येक दिन की भांति 30 जून को भी सीएसपी में ग्राहकों के साथ लेन-देन कर रहा था।इस दौरान करीब 3.45 बजे एक बाइक पर तीन युवक आये। जिसमें से एक बाइक के साथ मेन गेट पर ही रुक गया। वहीं दो युवक सीएसपी में आया और उसकी कनपटी में पिस्टल सटाकर गल्ले से 8 हजार रुपए नकद और उसके गले से सोने का चेन छीन लिया। उसके बाद दोनों युवक भागने लगा। इस क्रम में सीएसपी में मौजूद उसके परिवार के सदस्य और ग्राहक ने हल्ला किया। तब दोनों युवक लौट कर आया और गोली चलानी शुरू कर दी। जिससे उसके ममेरे भाई उजियारपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रामचंद्रपुर अंधैल निवासी स्वर्गीय जोगी राय के पुत्र अजय यादव (28 वर्ष) और ग्राहक विभूतिपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत महमदपुर सकड़ा निवासी मंजय सहनी की पत्नी सुशीला देवी (25 वर्ष) की मौत हो गई। सीएसपी संचालक के अनुसार, बाइक सवार तीनों बदमाशों की उम्र 20-25 वर्ष के बीच होगी

वोटबैंक की राजनीति और तुष्टिकरण के लिए विपक्ष कर रहा है वक्फ संशोधन बिल का विरोध- सम्राट चौधरी

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर वक्फ एक्ट में किया गया है बदलाव
- पहली बार वक्फ एक्ट में नहीं किया जा रहा है संशोधन, 2013 में भी हुआ था बदलाव
- वक्फ संशोधन बिल को लेकर विपक्ष कर रहा है मुस्लिमों को गुमराह

पटना, 08.08.2024उपमुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी ने कहा है कि वोटबैंक की राजनीति और तुष्टिकरण की नीति के तहत कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी पार्टियां वक्फ संशोधन बिल का विरोध कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके दल को वक्फ संशोधन बिल का समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया है। उन्होंने जदयू के इस बयान का स्वागत किया है कि यह बिल मुस्लिम विरोधी नहीं बल्कि एक निरंकुश संस्था को कानून में बांधने के लिए लाया गया है।श्री चौधरी ने कहा कि वक्फ एक्ट में संशोधन सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर किया गया हैं। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में बताया गया था कि वक्फ बोर्ड की जितनी भी परिसम्पत्तियां हैं उससे सिर्फ 163 करोड़ की ही आमदनी होती है। यदि वक्फ परिसम्पत्तियों का उचित तरीके से रखरखाव किया गया होता तो इससे 12 हजार करोड़ रुपये सलाना आय अर्जित हुई होती।श्री चौधरी ने कहा कि वक्फ एक्ट में बदलाव के लिए वर्ष 2024 में अचानक बिल नहीं पेश किया गया है बल्कि वर्ष 2015 से ही सुझाव लिए जा रहे थे। इसके लिए कश्मीर से लेकर लखनऊ तक बैठकें आयोजित की गई। रहमान खान की अध्यक्षता वाली जेपीसी ने भी कहा कि वक्फ बोर्ड की व्यवस्था ठीक तरीके से नहीं चल रही है। मैनपॉवर अपर्याप्त है और फंड बहुत ही कम है। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में भी कहा गया था कि वक्फ बोर्ड में महिला सदस्यों व बच्चों को भी जगह दी जाए। वक्फ एक्ट की अनेक खामियों को दूर करने के लिए ही संशोधन का बिल लाया गया है। श्री चौधरी ने कहा कि कोई पहली बार वक्फ एक्ट में संशोधन नहीं किया जा रहा है, वर्ष 2013 में भी वक्फ एक्ट में बदलाव किया गया था। वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन बिल पास होने के बाद वक्फ बोर्ड किसी भी सम्पत्ति को अपना नहीं बता सकेगा। अभी वक्फ के पास किसी भी जमीन को अपनी सम्पत्ति घोषित करने की शक्ति है। जमीन पर दावे से पहले उसका वेरिफिकेशन करना होगा। इससे बोर्ड की मनमानी और मुट्ठी भर लोगों की दलाली पर रोक लगेगी। श्री चौधरी ने कहा कि विपक्ष निहीत स्वार्थ में मुस्लिमों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। हकीकत यह है कि देश में जितना भी वक्फ बोर्ड है, उसपर माफिया लोगों का कब्जा हो गया है। वक्फ एक्ट में संशोधन बिल के पास होने के बाद वक्फ बोर्ड को सुचारू करने व उसकी परिसम्पत्तियों की उचित देखभाल में सहूलियत होगी तथा उसकी अकूत सम्पत्तियों का लाभ आम और जरूरतमंद मुस्लमानों, महिलाओं व बच्चों को भी मिल पायेगा।

वक्फ संशोधन बिल गरीबों, वंचितों को देगा अधिकार : डॉ दिलीप जायसवाल

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- विपक्ष अल्पसंख्यकों को डराना चाहती है : डॉ दिलीप जायसवाल
- कांग्रेस और उसके सहयोगी दल तुष्टिकरण की राजनीति में उलझे हुए हैं : डॉ दिलीप जायसवाल

पटना, 8 अगस्त । भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार सरकार के भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री डॉ दिलीप जायसवाल ने कहा कि वक्फ संशोधन बिल गरीबों, वंचितों और शोषितों को अधिकार देगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस बिल का विरोध कर अल्पसंख्यकों को डराने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि बिल में किया जा रहा संशोधन अल्पसंख्यक विरोधी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस संशोधन बिल से पारदर्शिता आएगी लेकिन ये लोग भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड में सुधार कर पारदर्शी व्यवस्था लाना सरकार की जिम्मेदारी है।उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार 2015 से वक्फ कानून में संशोधन लाने के लिए विभिन्न स्तरों पर लाखों लोगों से विचार विमर्श कर चुकी है। उन्होंने आज के दिन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि आज का दिन भारत के लिए ऐतिहासिक है। माननीय नरेंद्र मोदी जी सरकार ने वक्फ संशोधन बिल पेश कर दिया है। विपक्ष इस संशोधन बिल का विरोध कर भ्रम पैदा करना चाहती है। श्री जायसवाल ने कहा कि वर्तमान समय में वक्फ बोर्ड से जुड़ी कई समस्याएँ और विवाद सामने आ चुके हैं, जिनका समाधान इस संशोधन बिल के माध्यम से संभव होगा। यह बिल न केवल वर्तमान की मांग है बल्कि भविष्य के लिए भी अत्यावश्यक है। इसके माध्यम से वक्फ बोर्डों के कामकाज में पारदर्शिता आएगी और भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी। लेकिन दुख की बात यह है कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने इस महत्वपूर्ण बिल का विरोध करने के लिए तुष्टिकरण की राजनीति का सहारा लिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस समेत पूरा इंडी गठबंधन, देश को विकास की दिशा में आगे बढ़ाने के बजाय, कांग्रेस और उसके सहयोगी दल तुष्टिकरण की राजनीति में उलझे हुए हैं।

ब्रह्माकुमारियों द्वारा चलाया जा रहा है अनोखा रक्षा बंधन अभियान

संवाददाता

नरकटियागंज ,पश्चिम चंपारण 8 अगस्त, कफील एकबाल ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा मनाए जाने वाले मुख्य त्योहारों में रक्षाबंधन पर्व का महत्वपूर्ण स्थान है। ब्रह्माकुमारीज के तमाम सेवाकेंद्रो एवं पाठशालाओ मे एक माह तक पवित्रता का यह त्योहार भव्य रूप से मनाया जाता है। इस वर्ष बिहार के नरकटियागंज सेवा केंद्र द्वारा 1 अगस्त से रक्षाबंधन त्योहार मनाना आरंभ हो गया है।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस वर्ष सेवा केंद्र ने अपने कार्यक्रमों में एक अनोखा कार्यक्रम जोड़ा है। बहने खेत खलिहानों में जाकर मजदूर किसानों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांध रही है।सेवा केंद्र प्रभारी बीके अबिता बहन अपने सहयोगी बहन भाइयों के साथ नरकटियागंज के आसपास के गांव में सीधे खेत में मजदूरों के बीच पहुंचकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनका मुंह मीठा करा रही है एवं सुखमय तथा मंगलमय जीवन की शुभकामनाये भी दे रही हैं। इस बाबत सेवा केंद्र प्रभारी ने बताया कि वास्तव में रक्षाबंधन का त्योहार पवित्रता का त्यौहार है तथा शिवरात्रि के बाद मनाए जाने वाले इस त्यौहार का मुख्य संदेश बुराइयों एवं तमाम बिकारो को छोड पवित्रता धारण करना है।

जिलाधिकारी ने भूमि सर्वेक्षण कार्यक्रम को लेकर बंदोबस्त कार्यालय के पदाधिकारियों के साथ की बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

- सभी अंचलों में सर्वे शिविर कार्यालय हेतु स्थल एवं भवन चिन्हित
- सारण, छपरा/रोजनामा इंडो गल्फ, वरिष्ठ संवाददाता , 8 अगस्त, 2024
- विशेष भूमि सर्वेक्षण के तीसरे चरण के तहत अन्य जिलों के साथ सारण जिला में भी 1 अगस्त से भूमि सर्वे की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

इस प्रक्रिया के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी श्री अमन समीर ने आज बंदोबस्त कार्यालय के सभी पदाधिकारियों के साथ बैठक किया। बताया गया कि जिला के सभी 20 अंचलों में सर्वे शिविर कार्यालय के लिये स्थल एवं भवन चिन्हित किया जा रहा है। मकेर अंचल को छोड़कर शेष सभी अंचलों में सर्वे शिविर भवन को चिन्हित किया जा चुका है। मकेर में भी शीघ्र ही चिन्हित कर लिया जायेगा। छपरा सदर में प्रखंड कार्यालय परिसर में, गड़खा में आधुनिक अभिलेखागार के भूतल में, परसा में आधुनिक अभिलेखागार के भूतल में, दिघवारा में आधुनिक अभिलेखागार के भूतल में, दरियापुर में आधुनिक अभिलेखागार के भूतल में, सोनपुर में आधुनिक अभिलेखागार भवन में, इसुआपुर में पंचायत सरकार भवन छपिया में, लहलादपुर में पंचायत सरकार भवन मिजार्पुर में,मशरख में पंचायत भवन गंगोली में, मढ़ौरा में आधुनिक अभिलेखागार के भूतल में, तरैया में आधुनिक अभिलेखागार भवन में, पानापुर में पंचायत सरकार भवन सतजोरा में, एकमा में अभिलेखागार भवन में, मांझी में आधुनिक अभिलेखागार भवन में , रिविलगंज में सामुदायिक भवन रिविलगंज में, अमनौर में आधुनिक अभिलेखागार भवन में, नगरा में आधुनिक अभिलेखागार भवन के भूतल में, बनियापुर में पंचायत सरकार भवन बनियापुर में तथा जलालपुर में आधुनिक अभिलेखागार भवन में सर्वे शिविर का संचालन किया जायेगा।

जिलाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों को पूरी पारदर्शिता एवं निर्धारित प्रक्रिया का विधिवत अनुपालन करते हुये सर्वे कार्य को अंजाम देने का स्पष्ट निदेश दिया। इस प्रक्रिया के तहत धरातल पर उत्पन्न होने वाली संभावित कठिनाइयों एवं इनके समाधान की प्रद्धति पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में बंदोबस्त पदाधिकारी श्री संजय कुमार, सभी सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, कानूनगो आदि उपस्थित थे

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जागरूकता अभियान चलेगा--कविता कुमारी

बाल विवाह रोकने के लिए किशोर किशोरियों को सशक्त सशक्त बनाना है

संवाददाता
कफील एकबाल

मोतिहारी 8 अगस्त समाहरणालय स्थित राधाकृष्णन भवन में जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में महिला एवं बाल विकास निगम के नोडल पदाधिकारी सह जिला प्रोग्राम पदाधिकारी के द्वारा 2024-25 के लिए प्रस्तावित कार्य योजना को प्रस्तुत किया गया।इस अवसर पर जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस कविता कुमारी ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्ययोजना अंतर्गत आगामी अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जिला में सभी बोर्डो से दसवीं एवं बारहवीं टॉप करने वाले बालिकाओं को टैब दिया जाएगा और इस अवसर पर उनके माता पिता को भी सम्मानित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आत्म सुरक्षा के लिए सभी बालिका विद्यालयों में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर भ्रूण हत्या को रोकने के लिए धावादल का गठन किया जाना है। तथा संस्थागत प्रसव कराने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चार प्रखंडों के 20 पंचायतों के महादलित टोलों में किशोर किशोरियों के सशक्तिकरण के लिए जिला कल्याण पदाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर कई कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। उन्होंने कहा कि पंचायती राज विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर बाल विवाह को रोकने के लिए पंचायत, प्रखंड व अनुमंडल स्तर पर बाल विवाह,, दहेज प्रथा, पोक्सो एक्ट, पीएनडीटी सहित अन्य मुद्दों पर कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

सहरसा-अमृतसर के बीच चलने वाली गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन अब एलएचबी कोच के साथ चलेगी.

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर के, रास्ते चलने वाली 12203/04 गरीब रथ अब नए लुक में दिखेगी. अब इस ट्रेन में आपको ग्रीन बोगी दिखाई नहीं देगी. आज से यह ट्रेन एलएचबी कोच के साथ चलेगी. एलएचबी कोच (छल्इ उडअउल्) भारतीय रेलवे में आधुनिक तकनीक से डिजाइन किया गया लाइटवेट ट्रेन होता है. यह स्विट्जरलैंड के स्लिरियन कंपनी के डिजाइन पर आधारित होता है.इस ट्रेन में अब कोई पेनफुल साइड मिडिल बर्थ नहीं रहेंगे. आधुनिक एलएचबी कोचों से गरीब रथ की सुंदरता बढ़ जाएगी. यह कोच यात्रियों के लिए अधिक आरामदायक यात्रा प्रदान करता है. ट्रेन में एलएचबी कोच लगाए जाने से यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं में भी विस्तार किया गया है. इसके कोचों की संख्या में भी विस्तार किया गया है, 4 कोच बढ़ा दी गई है. प्रत्येक कोच में सीट भी 72 से 80 कर दिया गया है ट्रेन के कोचों की संख्या में हुआ विस्तारसमस्तीपुर रेल मंडल के डीआरएम विनय श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए कहा कि रेलवे ने गरीब रथ एक्सप्रेस की संरचना में बदलाव की है. संशोधित संरचना के अनुसार, इस ट्रेन में अब 13 एयर कंडीशन-तृतीय श्रेणी (ळँ१अउ), 4 चेयर कार कोच और दो जनरेटर वैन होंगे. ट्रेन में सबसे उल्लेखनीय परिवर्तन साइड मिडल बर्थ को हटाना है. डीआरएम ने कहा कि किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है. यात्री पहले की तरह ही किराया देंगे.ट्रेन में पहले 13 कोच हुआ करते थे जिसमें 4 कोच बढ़ा दी गई है. इसके अलावा प्रत्येक कोच में बर्थ यानी सीट की संख्या में भी बढ़ोतरी की गई है. बर्थ की संख्या 72 से बढ़ाकर 80 कर दी गई है. अब यात्री एलएचबी कोच का फायदा उठाएंगे.यह ट्रेन 200 में शुरू हुई थी, और अभी तक चलाई जा रही है. इसके बर्थ की संरचना से यात्री थोड़ा असंतुष्ट रहा करते थे. जिसको देखते हुए बदलाव किया गया है. अब एलएचबी कोच लाया गया है. जिसमें यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधा मिलेगी.।

कार्य संस्कृति में सुधार लाएं।डीएम

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी:ऑफिस का डेकोरम मेंटेन रखें। आगुंतको के साथ अच्छा व्यवहार रहे। कार्यालय में अनुशासन बना रहे समय पर कार्यालय आना सुनिश्चित करें।कार्यालय की साफझसफाई पर ध्यान दें।

उक्त बातें डीएम रिची पांडेय ने परिचर्चा भवन में आहूत प्रधान सहायकों की मासिक बैठक में कही। उन्होंने कहा कि नियमानुसार एवं समयबद्ध होकर कार्यों का निष्पादन करें।

बैठक में डीएम ने निर्देश दिया कि आयुक्त कार्यालय, सीपीग्राम, ई कंप्लायंस झ्र डैश बोर्ड, मुख्यमंत्री जनता दरबार, जिला जनता दरबार इत्यादि से संबंधित अलग पंजी का संधारण करें और उक्त विषय से संबंधित आवेदनों का निष्पादन गंभीरता के साथ करें।बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा सी.डब्ल्यू. जे.सी. / एम.जे.सी., डी.सी. विपत्र उपयोगिता प्रमाण पत्र, लोकायुक्त से संबंधित मामला, जिला आपदा प्रबंधन से संबंधित मामला,लोक शिकायत, लोकसभा एवं विधान सभा से संबंधित प्रश्न, पेंशन एवं सेवांत लाभ, सामाजिक सुरक्षा एवं आर.टी.पी. एस. सहित अन्य मामलों की समीक्षा की गयी। समीक्षा के क्रम में जिला पदाधिकारी महोदय के द्वारा सभी प्रधान सहायकों को दिशा निर्देश दिया गया कि सी.डब्ल्यू. जे.सी. / एम.जे.सी. के मामले को निष्पादन हेतु विधि शाखा के प्रधान सहायक से समन्वय स्थापित कर मामले को यथाशीघ्र निष्पादित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि न्यायलय से संबंधित मामलों के निष्पादन की दिशा में पूरी गंभीरता के साथ कार्य करें।निर्देश दिया गया कि सभी शाखा में क्लर्क लॉग बुक होना चाहिए। पत्रों का स समय निष्पादन हो,पत्रों का निष्पादन लंबित न रहे। कहा कि नियमानुसार एवं समयबद्ध कार्यो का निष्पादन करें। टॉप आउटपुट देने वाले कर्मियों को सम्मानित भी किया जायेगा।जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि आगे से सभी प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के प्रधान सहायक कैश बुक लेकर आएंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सारे कार्यालय का निरीक्षण किया जाएगा। नियम विरुद्ध कार्य करने वाले पर कारवाई भी की जाएगी। बैठक में इसके अतिरिक्त कार्यालय के सभी पंजी यथा क्रम पुस्तिका, इंडेक्स रजिस्टर, प्राप्त पत्र पंजी ,रोकड बही, निर्गत पंजी इत्यादि को संघारीत करने एवं लंबित पत्रों को यथाशीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया गया।उक्त बैठक में स्थापना उप समाहर्ता अभिराम द्विवेदी,जिला जन संपर्क पदाधिकारी कमल सिंह एवं सभी विभाग के प्रधान सहायक मौजूद थे।

जिला पार्षद के निधन पर विधायक ने शोक जताया

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल 8 अगस्त बृहस्पतिवार। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सह महाराजगंज के वर्तमान विधायक श्री विजय शंकर दुबे ने जिला पार्षद सदस्य सह पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष चंद्रिका राम के मृत्यु पर शोक संवेदना प्रकट की और कहा की उनकी मृत्यु मेरे लिए अपूर्ण क्षति है। तथा तथा चंद्रिका राम की समाज मे कमी की भरपाई नहीं हो सकती है। श्री राम एक जुझारू, कर्मठ और सघर्षशील, कदम से कदम मिलाकर चलने वाले व्यक्ती थे। इस शोक की घरी मे मै उनके परिवार और उनको चाहने वालो को इस विपदा को सहल्लन करने की भगवान क्षमता प्रदान करें। इस मौके पर कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष सह पूर्व प्रमुख इम्तियाज अहमद, अनील मिश्रा मुन्ना बाबा, रमेश उपध्याय, ईत्यादि ने शोक व्यक्त की

महाराजगंज मे ग्रामीण क्षेत्रों मे स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य शुरू।

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल मुख्यालय,8अगस्त बृहस्पतिवार। महाराजगंज ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत उपवोक्ताओ के घर के परिसर मे स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य बुधवार से शुरू हो गया। इस सम्बंध में महाराजगंज के विद्युत कार्यपालक अभियंता प्रशांत कुमार ने बताया की महाराजगंज विद्युत सब डिवीजन के पोखरा पंचायत के रतनपुरा गांव में अडानी ग्रुप के द्वारा स्मार्ट मीटर लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया की सब डीविजन के सभी गावो मे विद्युत उपवोक्ताओ के घर स्मार्ट मीटर लगाया जाएगा। स्मार्ट मीटर लगाने का जो उपवोक्ता विरोध करेंगे उनका कनेक्शन काट दिया जायेगा। उन्होंने बताया की इस स्मार्ट मीटर का अनेकों फायदा है।

ब्रीफ न्यूज

जीवन की यात्रा को अपनाएं: सामाजिक कार्यकर्ता और वरिष्ठ कॉर्पोरेट प्रोफेशनल रियाज आलम के विचारशील विचार

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- पटना, बिहार झ्र 8 अगस्त 2024 झ्र प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और वरिष्ठ कॉर्पोरेट प्रोफेशनल, रियाज आलम ने अपने नवीनतम चिंतनशील लेख ₹बुधवार की फुसफुसाहट₹ के माध्यम से एक बार फिर दिलों और दिमागों को छू लिया है। यह गहरा संदेश जीवन की दैनिक लय की भावना को पकड़ता है और हर दिन के अनुभवों में छिपे हुए सबकों पर जोर देता है।
- अपने विचारों में, आलम ने खूबसूरती से तुलना की है कि हर सुबह क्या परिस्थितियाँ लाती हैं और हर शाम क्या अनुभव छोड़ जाती है। उन्होंने बड़ी खूबसूरती से यह स्पष्ट किया है कि जीवन निरंतर सीखने, विकास करने और आत्मज्ञान की यात्रा है। आलम लिखते हैं, ₹जीवन की हर सुबह कुछ शर्तें लेकर आती है, और जीवन की हर शाम कुछ अनुभव देकर जाती है।₹ यह एक काव्यात्मक लेकिन व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रदान करता है जो मानव अनुभव को और अधिक समझने में मदद करता है।
- आलम का यह संदेश हमें याद दिलाता है कि हर दिन को खुले दिल और दिमाग से अपनाना चाहिए, और यह समझना चाहिए कि हम जिन चुनौतियों और सफलताओं का सामना करते हैं, वे हमारी व्यक्तिगत विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह संदेश पाठकों को जीवन की रोजमर्रा की घटनाओं की सतह से आगे देखने के लिए प्रेरित करता है, और उन्हें हर क्षण में मूल्य और अर्थ खोजने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- यह विचारशील लेख सभी क्षेत्रों के पाठकों को आकर्षित करने के लिए तैयार है, और उन्हें अपनी रोजमर्रा की ज़िन्दगी को अधिक जागरूकता और प्रशंसा के साथ देखने के लिए प्रेरित करेगा। रियाज आलम के शब्द हमें याद दिलाते हैं कि जीवन की यात्रा केवल मंज़िल तक पहुँचने के बारे में नहीं है, बल्कि हर कदम का आनंद लेने, हर मुलाकात से सीखने और हर अनुभव के माध्यम से विकसित होने के बारे में है।
- एक सम्मानित सामाजिक कार्यकर्ता और कॉर्पोरेट दुनिया की प्रतिष्ठित हस्ती के रूप में, रियाज आलम अपने लेखन, सामुदायिक कार्यों और पेशेवर प्रयासों के माध्यम से प्रेरित और ऊंचा करते रहते हैं। उनका नवीनतम लेख ₹बुधवार की फुसफुसाहट₹ उनके इस संकल्प का प्रमाण है कि वे दूसरों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं।
- मीडिया से संबंधित सवालों के लिए या रियाज आलम के साथ साक्षात्कार के लिए, कृपया संपर्क करें :

रियाज आलम
सामाजिक कार्यकर्ता और वरिष्ठ कॉर्पोरेट प्रोफेशनल
एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (AMP)

लोगों की जागरूकता से ही खत्म होगा फाइलेरिया :मधुबनी सिविल सर्जन

संवाददाता
अबू बकर

- लोगों की जागरूकता से ही खत्म होगा फाइलेरिया :मधुबनी सिविल सर्जन
- ड्डफाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के लिए स्वास्थ्य समिति द्वारा सीफार के सहयोग से हुआ मीडिया कार्यशाला का आयोजन
- फाइलेरिया को रोकने के लिए 10 अगस्त से 27 अगस्त तक चलेगा सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम
- मधुबनी शहरी क्षेत्र सहित रहिका प्रखंड में लोगों को खिलाई जाएगी डीईसी व अल्बेंडाजोल की दवा
- फाइलेरिया उन्मूलन की दवा का कोई साइड इफेक्ट नहीं. अफवाहों से बचें और पूरे परिवार को दवा का सेवन करवाएं : सिविल सर्जन

जिले के मॉडल सदर अस्पताल सभागार में लोगों को फाइलेरिया से सुरक्षित रखने और बचाव के प्रति जागरूक करने के लिए जिले में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. सर्वजन दवा सेवन के तहत जिले में 10 अगस्त से 27 अगस्त दवा सेवन अभियान आयोजन किया जा रहा है. उक्त कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा सेंटर फॉर एडवोकेसी एण्ड रिसर्च (सीफार) के सहयोग से मॉडल अस्पताल के परिसर में एकदिवसीय मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया. सिविल सर्जन की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में सभी मीडिया कर्मियों से मीडिया के माध्यम से लोगों को फाइलेरिया के प्रति जागरूक करने और सरकार द्वारा चलाए जा रहे सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई.कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. नरेश कुमार भीमसारिया ने बताया फाइलेरिया क्यूलेक्स मच्छर के काटने से होने वाला एक गंभीर संक्रामक बीमारी है जिसे आमतौर पर हाथी पांव भी कहा जाता है. कोई भी व्यक्ति किसी भी उम्र में फाइलेरिया से संक्रमित हो सकता है. फाइलेरिया के प्रमुख लक्षण हाथ और पैर या हाइड्रोसिल (अण्डकोष) में सूजन का होना होता है. प्रारंभिक अवस्था में इसकी पुष्टि होने के बाद जरूरी दवा सेवन से इसे रोका जा सकता है. इसके लिए लोगों में जागरूकता की आवश्यकता है. लोगों को फाइलेरिया के लिए जागरूक करने में मीडिया की सशक्त भूमिका होती है. 10 अगस्त से सरकार द्वारा फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसमें आशा व आंगनबाड़ी सेविकाओं द्वारा घर-घर जाकर मुफ्त दवा खिलायी जाएगी.डीईसी व अल्बेंडाजोल की जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. डी.एस. सिंह ने बताया कि लोगों को फाइलेरिया संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए आशा व आंगनबाड़ी सेविका द्वारा लोगों को बूथ स्तर पर तथा घर-घर जाकर अपनी उपस्थिति।

भागलपुर में वाइफ शादीशुदा मामी से अफेयर का करती थी विरोध, लाश की तलाश में पुलिस

भागलपुर। में 4 अगस्त को हुए शबनम हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने शबनम के पति मो. फैयाद (25) और उसकी प्रेमिका रीना खातून (30) को अरेस्ट किया है। रीना खातून रिश्ते में मो. फैयाद की मामी है। दोनों के बीच अवैध संबंध था, जिसका शबनम विरोध करती थी। इसको लेकर ही दोनों ने शबनम को जबरन एसिड पिलाकर उसकी गला घोंट कर हत्या कर दी और लाश कोसी नदी में फेंक दिया। मामला रंगरा थाना के जहांगीरपुर बैसी का है। इस संबंध में SDPO ओम प्रकाश ने बताया कि शबनम खातून की शादी जहांगीरपुर बैसी में मो.फैयाज(25) के साथ 2 साल पहले हुई थी। फैयाज का अवैध संबंध अपनी शादीशुदा मामी रीना खातून के साथ था। शबनम खातून पति के अवैध संबंधों का विरोध करने लगी। इस बात को लेकर पति और रीना खातून उसके साथ अक्सर मारपीट होती थी। 4 अगस्त को मृतक की मां समीमा खातून को जानकारी मिली कि उनकी बेटी शबनम खातून की दामाद और उसकी मामी ने मिलकर हत्या कर दी है। शव को गंगा नदी में फेंक दिया। इसके बाद समीमा खातून ने रंगरा थाना में केस दर्ज किया कराया। घटना की सूचना मिलने पर रंगरा थाना पुलिस टीम ने कार्रवाई में जुट गई। तकनीकी अनुसंधान और साक्ष्यों के आधार पर घटना में शामिल मो.फैयाज और रीना खातून को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों ने पूछताछ में अपना गुनाह कबूल कर लिया। आरोपी पति ने बताया कि शबनम खातून को 4 अगस्त की रात टॉयलेट के पास ले जाया गया। फिर दोनों ने मिलकर जबरदस्ती उसे पटक कर पहले टॉयलेट साफ करनेवाला एसिड पिलाया। इससे वह छटपटाने लगी, तो उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। फिर लाश को ठिकाने लगाने के लिए उसे कोसी नदी में फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी के घर से एसिड का बोतल बरामद कर लिया है। वहीं शबनम खातून के शव की बरामदगी की कोशिश की जा रही है।

बेतिया में पत्नी के बयान पर पुलिस ने शुरू की छापेमारी, डीएसपी ने दी जानकारी

बेतिया। पूर्व मुखिया सह ठेकेदार जितेंद्र सिंह हत्याकांड मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। एसडीपीओ वन विवेक दीप ने बताया कि मृतक की पत्नी सीमा सिंह के शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि सीमा सिंह ने अभिषेक राय समेत सात लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया है। पुलिस ने मामले में कांड दर्ज कर अनुसंधान तेज कर दी है। नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। डीएसपी ने बताया कि सीमा सिंह ने पुलिस को दिये बयान में बताया कि 5 अगस्त को उनके पति जितेंद्र सिंह देवनगर स्थित घर से अपने दोस्त कामेश्वर पांडेय के कृश्चयन क्वार्टर गये थे। वहां से लौट कर देवनगर स्थित घर आ रहे थे। जैसे ही वह रेलवे स्टेशन के पूरबी गुमटी से पहले पुरानी भट्टी के पास पहुंचे। वहां पहले से घात लगाकर बैठे अभिषेक राय, आशुतोष राय, भवानी सिंह, कमलेश्वर प्रसाद सिंह उर्फ केपी, अमित तिवारी उर्फ बाबा, विकास ठाकुर, संदीप पटेल ने मिलकर गोली चलाना शुरू कर दिया। उन्होंने आगे बताया कि उनके पति जितेंद्र सिंह का अभिषेक राय से पुराना विवाद चल रहा है। साल 2002 में एक केश में उनके पति ने गवाही दी थी। इसमें अभिषेक राय के भाई आलिंद राय अभियुक्त थे। इसके बाद साल 2021 में इनके बेटे अभिजीत उर्फ रिशु को भी ठेकेदारी के विवाद में अभिषेक राय ने चाकू मारकर घायल कर दिया था। इस केस को लेकर अभिषेक राय सुलह करने को कह रहे थे। सुलह करने के साथ ही अभिषेक राय रंगदारी भी मांग रहे थे। रंगदार नहीं देने के कारण जान से मार दिया।

जमुई पुलिस की सॉल्वर गैंग गिरोह के बदमाश से पूछताछ जारी, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त

जमुई। में बिहार पुलिस भर्ती परीक्षा के पहले दिन टाउन थाने की पुलिस ने शहर के केकेएम कॉलेज परीक्षा केंद्र के बाहर से दो सॉल्वर गैंग गिरोह के संदिग्ध सदस्य को हिरासत में लिया है। इसके पास से पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस सहित अन्य सामग्री बरामद किया है। बताया जाता है कि बुधवार को बिहार पुलिस भर्ती परीक्षा जिले के आठ केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच आयोजित हुई थी। वहीं, पहली पाली की परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र के बाहर ड्यूटी पर तैनात टाउन थाने की पुलिस जवानों को दो सॉल्वर गैंग के सदस्यों पर शक हुआ और जब दोनों युवक से पूछताछ की गई तो उसके पास एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस सहित अन्य सामग्री बरामद किया गया। बरामद सामान के आधार पर पुलिस ने दोनों को पकड़ा है। टाउन थाने लाकर दोनों संदिग्ध से पूछताछ की जा रही है। बताया जाता है कि गिरफ्तार दोनों सॉल्वर गैंग गिरोह के सदस्य नवादा जिले के बताए जाते हैं। जानकारी के अनुसार बीपीएससी परीक्षा में भी सॉल्वर गैंग गिरोह के सदस्यों ने प्रश्न पत्र लीक किया था। इसके बाद पूरे देश में काफी बवाल हुआ था। इसके बाद राज्य व केंद्र सरकार ने प्रवेश परीक्षा को सख्त करने का निर्देश दिया था। जिसको लेकर जिले में परीक्षा के दो दिन पहले ही एसडीओ और एसडीपीओ ने शहर के निजी कोचिंग सेंटर व होटल में छापेमारी अभियान चलाया गया था। उस दौरान किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। परीक्षा के पहले दिन दो संदिग्ध सॉल्वर गैंग के सदस्य की गिरफ्तारी ने सवाल खड़े कर दिए है। बताया कि दो युवक को हिरासत में लिया गया है। फिलहाल, दोनों से पूछताछ किया जा रहा है, मामले की जांच कर जानकारी दी जाएगी।

बक्सर में 145 फर्जी प्रवेश पत्र बरामद, गुप्त सूचना पर पुलिस ने की कार्रवाई

बक्सर। में सिपाही भर्ती लिखित परीक्षा से पहले पुलिस ने गुप्त सूचना पर डुमरांव अनुमंडल के विभिन्न होटलों में छापेमारी कर 145 प्रवेश पत्र के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एसपी मनीष कुमार ने बुधवार को प्रेस कान्फ्रेंस कर बताया कि लड़कों का परीक्षा प्रवेश पत्र से फोटो का मिलान किया गया जो गलत पाया गया। इसके पास से जो प्रवेश पत्र बरामद किए गए है, उसमें सभी जानकारी गलत है। यह लोग इस प्रवेश पत्र से परीक्षा केंद्र में प्रवेश कर कुछ अभ्यर्थियों की मदद करने के फिराक में थे। इसको लेकर 6 अगस्त की शाम में गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई। कई होटलों में तालाशी करने पर इन दो लड़कों को पकड़ा गया। इन लोगों में एक ने अपना नाम छोटे लाल चौरसिया उर्फ छोटू बताया है। वह कैमूर के रूइया गांव का रहने वाला है। दूसरे ने रौशन चौरसिया नाम बताया है। वह कैमूर जिले के मनिहारी गांव का निवासी है। पकड़े गए दोनों लोग आपस में मामा भांजा है। इनके पास से बक्सर में होने वाली पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर 7 अगस्त और 11 अगस्त का कुल 145 प्रवेश पत्र, मोबाइल, 3200 रुपए, एक पैन कार्ड, डेबिट कार्ड, आयुष्मान कार्ड और पहचान पत्र आदि बरामद किया गया है। इन दोनों के वॉट्सऐप से आगामी परीक्षा में धांधली करने के साक्ष्य मिले है।

पूर्व नक्सली आजाद पासवान को मारी गोली अस्पताल में भर्ती

बक्सर। में बुधवार की दोपहर गोली चलने का मामला सामने आया है। परसागंडा गांव के पास बाइक पर सवार चार बदमाशों ने हार्ड कोर नक्सली रह चुके आजाद पासवान को गोली मार दी और मौके से फरार हो गए। आजाद पासवान मौके पर गिर कर छटपटाने लगा। स्थानीय लोगों ने इस घटना की सूचना पुलिस को दी। जख्मी को डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। जिसका इलाज जारी है। घायल आजाद पासवान ने चार लोगों का नाम पुलिस को बताया है। जिनके आधार पर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास में पुलिस जुट गई है। बताया गया कि आजाद पासवान (45 वर्ष) अपनी बाइक से गांव से बाहर किसी काम के लिए जा रहा था। जैसे ही वह परसागंडा गांव के बाहर पहुंचा, वहां पहले से घात लगाए हुए बदमाशों ने उस पर गोलियां चला दी। जिसमें उसके सिर और सीने में दो गोली लगी। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। वहीं, मामले में डुमरांव एसडीपीओ अफाक अंसारी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पीड़ित ने चार लोगों का नाम बता दिया है। जिसके बाद उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई। जल्द ही चारों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बता दें कि आजाद पासवान हार्ड कोर नक्सली के साथ पूर्व में एरिया कमांडर रह चुका था। जिसके ऊपर पूर्व में कई आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने का आरोप था।उसके ऊपर बक्सर में नौ हत्या और लूट के संगीन मामले दर्ज है। आजाद पासवान ने 23 जनवरी 2007 को इटाढ़ी में पुलिस पिकेट पर हमला कर दस रायफल लूट लिया था। साथ ही एक सिपाही की हत्या का इस पर आरोप है। वहीं, 12 जून 2006 को आथार गांव के समीप लक्ष्मण तिवारी की हत्या में मुख्य आरोपी था। चौधरी की हत्या में शामिल रहा था। जिसके बाद साल 2016 में एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था।

मुजफ्फरपुर में पटाखा बनाने के दौरान ब्लास्ट पांच बच्चे घायल

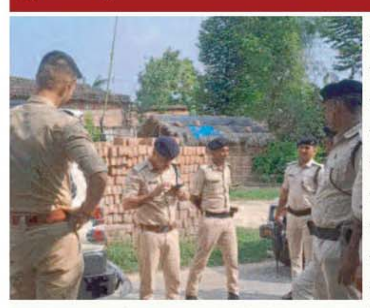

मुजफ्फरपुर। में पटाखा बनाने के दौरान ब्लास्ट में पांच बच्चे घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए गायघाट PHC लाया गया है। घटना गायघाट थान क्षेत्र का है, जहां कुछ बच्चे यूट्यूब पर वीडियो देखकर टॉर्च में माचिस और पटाखे का बारूद भरकर नया पटाखा बनाने का प्रयास कर रहे थे। इस दौरान विस्फोट हुआ है। दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज चला चल रहा है। विस्फोट हो गया, जिसमे पांच बच्चे घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में बच्चों को इलाज के लिए गायघाट लाया, जहां इलाज जारी है। घटना की सूचना पर प्रशिक्षु डीएसपी थाना प्रभारी पूजा कुमारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई है। SSP राकेश कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। पांच बच्चे यूट्यूब पर विडियो देखकर नया पटाखा बना रहे थे। इस दौरान विस्फोट हुआ है। दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज चला चल रहा है।

रूपेश सिंह हत्याकांड तेजस्वी ने पुलिस जांच पर उठाए सवाल

पटना। इंडिगो के स्टेशन मैनेजर रुपेश सिंह हत्याकांड में कोर्ट ने सबूतों के अभाव में चारों आरोपियों को बरी दिया है। इस मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पुलिस की जांच पर सवाल उठाए हैं। आरजेडी ऑफिस में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस ठीक से अनुसंधान नहीं कर पाई है। अपराधियों के मन से भय खत्म हो गया है। अपराधियों को नीतीश राज में संरक्षण मिल रहा है। सरकार का इकबाल खत्म हो गया है। वहीं, लैंड फॉर जॉब केस में सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर तेजस्वी यादव ने कहा कि यह रूटीन वर्क है। कोर्ट पर हमें विश्वास है। हमारा पक्ष काफी मजबूत है। इस मामले में कोई दम नहीं है। सब लोग जानते हैं इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। कुछ मिला ही नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि 15 अगस्त के बाद बिहार की यात्रा पर निकल रहे हैं। इस यात्रा का स्वरूप क्या होगा, इस पर पार्टी मंथन कर रही है। हम कहां से कहां तक यात्रा करेंगे। यह सब तय किया जाएगा और उसके बाद जानकारी दी जाएगी।

सिपाही भर्ती परीक्षा से पहले फर्जी आंसर शीट मिली

बिहार। में आज 38 जिलों में 545 सेंटर्स पर पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा ली गई। करीब 2.44 लाख कैंडिडेट्स इस परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा 7 अगस्त से 28 अगस्त तक चलेगी। परीक्षा से पहले खगड़िया में फर्जी आंसर शीट और प्रश्न पत्र मिले हैं। अब तक इस मामले में कुल 14 लोगों को पकड़ा गया है। इनमें खगड़िया से 7, जमुई से दो, बक्सर से दो और छपरा से तीन लोगों को पकड़ा गया है। मंगलवार की देर रात खगड़िया पुलिस ने छापेमारी कर सॉल्वर गैंग के मास्टरमाइंड सहित 7 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस को जानकारी मिली थी कि सॉल्वर गैंग 90 कैंडिडेट्स को एक मैरिज हॉल में इकट्ठा कर ओएमआर शीट पर प्रश्न सॉल्व करवा रहा है। मास्टरमाइंड परबत्ता प्रखंड के नयागांव का रहने वाला है। आरोपी दिवाकर कुमार ने परीक्षार्थियों से एक-एक लाख रुपए लिए थे। सभी कैंडिडेट्स को प्रश्नपत्र देने की बात कही गई थी। पुलिस ने मैरिज हॉल से पकड़े गए सभी परीक्षार्थियों का सत्यापन कर परीक्षा में शामिल होने के लिए छोड़ दिया है। इधर, पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। परबत्ता पुलिस को मौके पर से परीक्षा से जुड़े फर्जी ओएमआर सीट सहित कई प्रश्नपत्र भी मिले हैं। पटना के टीपीएस कॉलेज के पास गली में कुछ अभ्यर्थी मोबाइल से देखकर पर्ची पर कुछ नोट करते दिखाई दिए। हालांकि, टीपीएस कॉलेज में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था देखी गई। सदर एएसपी स्वीटी सहरावत खुद केंद्र पर पहुंचकर जायजा लेती नजर आईं। वहीं, एएन कॉलेज परीक्षा केंद्र के पास भी एक महिला अभ्यर्थी मोबाइल से कुछ नोट करती हुई दिखी। वहीं, जमुई में सेंटर से दो फर्जी परीक्षार्थी को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से ब्लूटूथ इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस भी बरामद किया गया है। पुलिस इनसे पूछताछ में जुटी है। बक्सर में भी सिपाही भर्ती परीक्षा से पहले दो सॉल्वर को गिरफ्तार किया गया है। गुप्त सूचना पर होटल में छापेमारी के दौरान ने दोनों को पकड़ा। इनके पास से मोबाइल हेड फोन बरामद किया गया है। छपरा में सॉल्वर गैंग के तीन सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से भारी मात्रा में अभ्यर्थियों के डाक्यूमेंट्स, ब्लैक चेक, लैपटॉप और मोबाइल बरामद किया गया है। एसडीपीओ ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी। केंद्रीय चयन पर्षद के मुताबिक, नकल करने के आरोप में 10 अभ्यर्थी संलिप्त मिले हैं। इसमें 8 अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें पटना से 4, बक्सर और जमुई से 2 अभ्यर्थी शामिल हैं। भागलपुर से 2 अभ्यर्थियों को निष्कासित किया गया है। लिखित परीक्षा के लिए कुल 2 लाख 98 हजार 020 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किया गया था। इसमें 2 लाख 44 हजार 788 अभ्यर्थियों ने ई-प्रवेश-पत्र डाउनलोड किया था। बता दें कि परीक्षा 7 अगस्त से 28 अगस्त के बीच होगी। इसके लिए 38 जिलों में 545 सेंटर बनाए गए हैं। पटना के परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थी पहुंचने लगे हैं। टीपीएस कॉलेज के बाहर बड़ी संख्या में परीक्षा देने के लिए अभ्यर्थी आ गए हैं। इस सेंटर पर पुरुष अभ्यर्थियों के साथ महिला अभ्यर्थियों की भी संख्या काफी है। केंद्र पर सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। भारी संख्या में फोर्स की तैनाती की गई है। लॉज आदि की निगरानी पहले से ही की जा रही है। सिपाही भर्ती परीक्षा को लेकर ईओयू अलर्ट मोड में हैं।

संक्षिप्त डायरी

सीवान में 2 दिन पहले मां ने पढ़ाई के लिए लगाई थी फटकार, स्कूल के लिए निकला था

सीवान। में बुधवार को एक कुंआ के पास से 11 साल के बच्चे का शव मिला है। मामला जीबीनगर तरवारा थाना क्षेत्र के नथनपुरा का है। मृतक की पहचान गोरेयाकोठी थाना क्षेत्र के जलपुरवा गांव निवासी स्वर्गीय रतन मांझी का 11 वर्षीय बेटा रिंकू कुमार के रूप में हुई है। रिंकू अपनी मां के साथ अपने मामा के घर उखई गांव में रह रहा था। उसकी मां एक निजी हॉस्पिटल में काम करती है। रिंकू के मामा ने बताया कि दो दिन पहले रिंकू की मां ने पढ़ाई के लिए उसे डांट दिया था। उसके बाद वह घर से स्कूल के लिया निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। बच्चे के परिजन परसों से ही उसकी खोजबीन कर रहे थे। लेकिन, उसका पता कुछ पता नहीं चल पाया था। काफी खोजबीन करने के बाद भी पता नहीं चला। उसके मामा के घर से लगभग 12 किमी की दूरी पर नथनपूरा गांव में एक कुआं के पास उसका शव मिला है। रिंकू के ही शर्ट से बने फंदे से लटकता हुआ उसका शव मिला है। वहीं, शव मिलने की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंचकर पूरे मामले की जांच कर रही है। इधर, मृतक के घर वालों का कहना है कि उसकी हत्या कर दी गई है और हत्या करके आत्महत्या का रूप देने के लिए उसे फंदे से लटका दिया गया है। मौके पर पुलिस पहुंच चुकी है और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीवान के सदर अस्पताल में भेज दिया है। जहां शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिजनों का फर्द बयान लिया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

पूर्णिया सिविल कोर्ट में राहुल यादव का आत्मसमर्पण, घर के बाहर बुलाकर मारी थी गोली

पूर्णिया। के कसबा नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन अवधेश यादव की हत्या के मुख्य आरोपी राहुल यादव ने पूर्णिया सिविल कोर्ट में सरेंडर किया है। राहुल इस वारदात को अंजाम देने के बाद से ही फरार था। परिजनों ने इस मामले में मुख्य आरोपी राहुल यादव समेत 8 लोगों के खिलाफ नामजद FIR दर्ज कराया था। वहीं पुलिस ने इनमें से एक गोलू झा नाम के युवक को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस की पूछताछ में गोलू ने बताया था कि पैसे की लेनदेन को लेकर हुए विवाद में पूर्व चेयरमैन की हत्या की गई। पूर्व चेयरमैन अवधेश यादव और राहुल यादव के बीच डेढ़ लाख रुपए को लेकर कहासुनी हुई, जिसके बाद राहुल ने इस वारदात को अंजाम दिया था। वहीं वारदात की रात घर के बाहर लगे CCTV कैमरे में कैद तस्वीरों के आधार पर परिजनों ने वारदात को अंजाम देने वाले युवक की पहचान की थी। पूर्व चेयरमैन की हत्या पड़ोस में ही रहने वाले राहुल यादव नाम के युवक ने की थी। वारदात को अंजाम देकर राहुल घर छोड़कर फरार हो गया। वारदात के बाद लोग जब वहां पहुंचे, तो राहुल के घर पर ताला लटका मिला। पुलिस राहुल की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही थी। इसी बीच राहुल ने आज सीजीएम-2 कोर्ट के समक्ष सरेंडर किया है। घटना की जानकारी देते हुए राहुल यादव के वकील पीएस पराग ने बताया कि राहुल को कसबा नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष अवधेश यादव हत्याकांड का मुख्य आरोपी बनाया गया है। इसी मामले में राहुल यादव ने सीजेएम कोर्ट 2 में आत्म समर्पण किया है। इसके बाद उसे 14 दिनों के न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

रोहतास से औरंगाबाद बाइक से जा रही थी, ट्रक की चपेट में आने से हादसा

बिहार। में आज पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा चल रही है। ऐसे में परीक्षार्थी एग्जाम देने के लिए अलग-अलग सेंटर पर जा रहे हैं। इस बीच सड़क हादसे में 1 की मौत हो गई। रोहतास से औरंगाबाद एग्जाम देने आ रही परीक्षार्थी की सड़क हादसे में मौत हो गई। इस घटना में महिला का पति घायल हो गया है। मृतिका की पहचान रोहतास जिला के बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के घोसी कला गांव निवासी संजय पासवान की पत्नी अनीता देवी(30) के रूप में की गई है। इस घटना में संजय पासवान बुरी तरह से घायल हो गए हैं। घटना के बाद पहुंचे परिजनों ने बताया कि अनीता मंगलवार की रात अपने मायके काराकाट थाना क्षेत्र के जोरावरपुर चली गई थी। बुधवार सुबह औरंगाबाद के राम लखन सिंह महाविद्यालय में परीक्षा में शामिल होने के लिए बाइक से अपने पति के साथ दाउदनगर होते हुए औरंगाबाद जा रहे थे। इसी बीच खेरा खेरी भरथौली के पास सामने से आ रही ट्रक ने टक्कर मार दी। इससे अनीता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। संजय पासवान की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

एकजुटता के बिना समाज का विकास संभव नहीं - सुजीत

मथुरा। अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ 3545 के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुजीत वर्मा ने स्वर्णकार समाज की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि एकजुटता के बिना समाज का विकास संभव नहीं है।समाज को मजबूत बनाने के लिए समाज का हर एक अंग मजबूत होना चाहिए। हमें अपने समाज पर गर्व करना चाहिए। उन्होंने सामाजिक एकता पर जोर देते हुए राजनीति तथा अन्य अवसरों पर भी एकता का प्रदर्शन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन का दौर है और समाज की उन्नति के लिए बदलाव के साथ चलना पड़ता है। समाज के विकास के लिए हमें संगठित होना पड़ेगा। हमें एकजुट होकर ताकत दिखानी होगी। समाज के जुझारू युवाओं को आगे बढ़ाना होगा ताकि विधानसभा और

लोकसभा जैसी ऊंची पंचायत में स्वर्णकार समाज की बात को प्रमुखता से रखा जा सके।श्री वर्मा ने समाज की एकता पर बल देते हुए कहा कि औरों की अपेक्षा हमारा समाज पिछड़ा हुआ है। बिखराव के कारण ही प्रमुख जगहों पर हम स्थान नहीं बना पा सके हैं।

सीएम योगी से की मांग

राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुजीत वर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ से सराफा व्यवसाईयों को प्रमुखता के आधार पर शस्त्र लाइसेंस देने,सराफा माकेर्टों में पुलिस गश्त बड़ाने का आदेश जारी करने व स्वर्णकार समाज के यूपी में कार्यरत पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को अच्छे स्थानों पर पोस्टिंग देने की भी मांग की हैं ।अवगत कराया कि समाज के अधिकारियों को तैनाती देते समय अच्छे स्थानों पर पोस्टिंग नही दी जाती है जबकि स्वर्णकार समाज बीजेपी को वोट करता है। मांग करने वालों में वरिष्ठ समाजसेवी ललित शैल मेरठ,राष्ट्रीय महासचिव रवि वर्मा,आनंद स्वर्णकार कानपुर देहात,अनिल वर्मा इगलास,नरहरी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र वर्मा बबलू आदि प्रमुख हैं।

हम सब को एक होने की जरूरत है। जिससे हमारे समाज की राजनीतिक हिस्सेदारी बढ़ सके। इस अवसर पर भगवती वर्मा,मुकेश वर्मा,घनश्याम वर्मा,आशीष वर्मा,श्याम वर्मा,शिवम वर्मा,राहुल वर्मा,हरिओम वर्मा,रिंकू वर्मा,ऋषभ वर्मा,सुनील वर्मा,अनिल वर्मा,शिवकुमार सोनी,पवन सोनी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर वृंदावन में श्रद्धालुओं की सेवा में लगी सिविल डिफेंस

मथुरा। हरियाली तीज के अवसर पर जिलाधिकारी महोदय मथुरा के आदेश अनुसार हरियाली तीज के उपलक्ष में दिनांक 6 जुलाई 2024 एवं 7 जुलाई 2024 को ठाकुर बांके बिहारी मंदिर वृंदावन में सिविल डिफेंस मथुरा के वार्डन और फायर फाइटर की ड्यूटी लगाई गई गई। जिनको ठाकुर बांके बिहारी जी मंदिर वृंदावन गेट नंबर एक गेट नंबर दो गेट नंबर तीन गेट नंबर चार गेट नंबर पांच ठाकुर बांके बिहारी जी के मंदिर के अंदर सो सैया अस्पताल के बैरियर ,विद्यापीठ चौराहे , पीपा पुल आदि स्थानों पर पुलिस एवं प्रशासन के सहयोग हेतु सिविल डिफेंस मथुरा की ड्यूटी लगाई गई।जिसमें उप नियंत्रक जसवंत सिंह सहायक उप नियंत्रक जितेन्द्र देव सिंह , डिप्टी डिविजनल वार्डन राजेश कुमार मित्तल,पोस्ट वार्डन अशोक यादव, राम कुमार चौहान, महेश शर्मा, सैलेश, राकेश, राम सैनी, नरेश अग्रवाल, कौशल, जितेन्द्र, शुभम कुमार, कौशिक, सुनैना, सैली अग्रवाल, राहुल कुमार आदी वॉर्डन और फायर फाइटर बाके बिहारी जी मंदिर वृंदावन में अपनी सेवाएं देते हुए।

संक्षिप्त डायरी

बीएड प्रयोगात्मक परीक्षा में परीक्षकों की नियुक्त पर उठे सवाल

बीएसए कालेज के प्रोफेसर ने मुख्यमंत्री से कार्रवाई की मांग

मथुरा। डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्व विद्यालय की बीएड की प्रयोगात्मक परीक्षाओं में नियमों को ताकपर रखकर परीक्षकों की नियुक्ति होने से शिक्षक व छात्रों में रोष व्याप्त है। शिक्षक व छात्रों ने मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल को भेजे पत्र में परीक्षक नियुक्तियों में बरती जा रही अनियमिताओं को रोकने की मांग की है। जिले के महाविद्यालय के शिक्षकों ने आरोप लगाया है कि एक ओर 20 वर्ष से कार्यरत आयोग से नियुक्त शिक्षकों की परीक्षक की नियुक्ति नहीं की जा रही है। अब ऐसे शिक्षक नियुक्त किए जा रहे हैं जिनकी नियुक्ति पांच-सात वर्ष हुए हैं। एक ओर विश्व विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित पूर्ण शिक्षकों को परीक्षक ना बनाकर सहायक प्रोफेसर की अर्हता न रखने वाले शिक्षक परीक्षक बनाये जा रहे हैं। बीएड विभाग के प्रो. एसएस सिंह पत्र में कहा है कि वे बीएसए कालेज में बीएड विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर 22 दिसम्बर 2003 से कार्य कर रहे हैं। उनको विश्व विद्यालय ने 15 मई 2004 में अनुमोदन प्रदान किया गया है। ऐसा उन्होंने पूर्व में कभी नहीं देखा। इसकी जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई करें।

विनेश फोगाट को ओलंपिक फाइनल से रोके जाने पर ब्रज के प्रशंसक मायूस

मथुरा। भारत की महिला पहलवान विनेश फोगाट फाइनल मुकाबला नहीं खेल सकती हैं,उनको अयोग्य घोषित किया गया है, क्योंकि मेडल मैच की सुबह उनका वेट तय मानकों से थोड़ा सा ज्यादा पाया गया है।इससे उनके प्रशंसक मायूस हो गए हैं। विनेश फोगाट को अयोग्य घोषित करने पर समाजसेवी सुजीत वर्मा ने आश्चर्य व्यक्त किया है। उन्होंने विनेश फोगाट के अयोग्य घोषित किए जाने पर दुख प्रकट करते हुए कहा कि यह कार्फ अजीब लगता है कि केवल 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण विनेश फोगाट ओलंपिक में अयोग्य घोषित हो गईं। उन्होंने कहा कि विनेश एक सच्ची चैंपियन हैं। सभी को उनके गोल्ड मेडल जीतने का इंतजार था।उनको अयोग्य घोषित करने की खबर से पूरा देश स्तब्ध है। उन्होंने कहा कि विनेश चैंपियन थीं, हैं और रहेंगी। जब सारी दुनिया के खिलाड़ी प्रैक्टिस कर रहे थे तब वह महिला खिलाड़ियों को न्याय दिलाने के लिए धरने पर थीं। महीनों तक अपनी प्रैक्टिस को छोड़कर उन्होंने महिला खिलाड़ियों की लड़ाई लड़ी वह खूब मेहनत करके यहां तक पहुंची थीं। इस कार्रवाई पर आचार्य विष्णु महाराज,आचार्य मनीष गगार्चार्य ,आचार्य चंद्रेश,मन्नू पुजारी,धरमू पहलवान ,आदि ने भी विनेश फोगट को अयोग्य घोषित करने पर दुःख जताया है।

डौकी में हादसा, 3 की मौत:टैंकर की टक्कर से 50 मीटर तक घिसटती गई बाइक

आगरा। के डौकी क्षेत्र के बुधवार सुबह आगरा-फतेहाबाद मार्ग पर कैंटर ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। कैंटर की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर की बाद बाइक 50 मीटर तक सड़क पर घिसटती चली गई। हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी और मां की मौत हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार डौकी थाना क्षेत्र में नगला देवहंस के पास सुबह 11 बजे हादस हुआ। मरने वाले बाइक सवार खंदारी के रहने वाले बताए जा रहे हैं प्रत्यक्षदर्शी ग्रामीणों के अनुसार बाइक सवार फतेहाबाद की तरफ से आ रहे थे कि अचानक पीछे से आ रही तेज रफ्तार कैंटर ने टक्कर मार दी। इसमे बाइक सवार 3 लोगों की मौत हो गई। इंस्पेक्टर डौकी जेएन सिंह ने बताया-सड़क हादसे की सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंच शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। कैंटर को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में लिया गया है। मृतकों के परिजनों को सूचित किया गया है। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अयोध्या से आगरा लाए गए 44 परिवार, मंगवाई भीख

आगरा। में भिक्षावृत्ति चलाने के लिए अयोध्या से 44 परिवारों को लाया गया। सभी परिवार पचकुइंया स्थित कब्रिस्तान में रह रहे हैं। सभी को चौराहे एलॉट किए गए हैं। यह खुलासा पुलिस और एंटी मन ट्रैफिकिंग यूनिट के भिक्षावृत्ति के खिलाफ चलाए अभियान में हुआ है। एक महिला ने एसीपी सदर के सामने भिक्षावृति के सिंडिकेंड के राज खोले हैं। पुलिस अब पचकुइयां कब्रिस्तान में जाकर परिवार से बात करेगी। भिक्षावृति के खिलाफ मंगलवार को अभियान चलाया गया। अभियान में एसीपी सदर सुकन्या शर्मा, एंटी मन ट्रैफिकिंग यूनिट, थाना हरीपर्वत पुलिस इस अभियान में शामिल थे थाना हरीपर्वत से राजामंडी रेलवे स्टेशन तक अभियान में चार भिखारियों को रेस्क्यू किया गया। इसी दौरान एक महिला से पूछा गया कि वो भीख क्ये मांगती है। इस पर उस महिला ने बताया कि उसे और उसके जैसे 44 परिवारे को अयोध्या से एक व्यक्ति लाया है। उस व्यक्ति ने सभी परिवारों से कहा था कि आगरा में भीख में बहुत पैसे मिलते हैं। 200-300 रुपए की हर रोज कमाई होती है। जिसमें से उस व्यक्ति का भी हिस्सा होता है। सभी परिवार पचकुइंया कब्रिस्तान में रह रहे हैं। हर परिवार का भीख मांगने का अलग-अलग क्षेत्र और पॉइंट है। सभी परिवार भीख मांगने के काम ही लगे हैं। एसीपी सदर सुकन्या शर्मा का कहना है कि महिला द्वारा दी गई जानकारी के बाद भिक्षावृत्ति गैंग चलाने के पीछे किसी बड़े माफिया के होने की आशंका नजर आ रही है। कब्रिस्तान में रह रहे 44 परिवारों से मिलकर पुलिस जुटाएगी सबूत जुटाएगी। भिक्षावृत्ति गैंग चलाने वाले मास्टरमाइंड को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। सभी को दिए ठिकाने रेस्क्यू किए चार भिखारियों में से एक दिमागी रूप से असंतुलित महिला थी, जिसे मानसिक आरोग्यशाला भेज दिया गया है। एक वृद्ध व्यक्ति थे, जिन्हें वृद्धाश्रम भेजा गया है।

राष्ट्र चिंतक दिवस के रूप में मनाई गई भानु प्रताप शुक्ला की जयंती

मथुरा। पूर्व राज्यसभा सांसद एवं देश के महान चिंतक लेखक पत्रकार स्वर्गीय भानु प्रताप शुक्ला की जयंती को वात्सल्य ग्राम में राष्ट चिंतक दिवस के रूप में मनाया गया। वात्सल्य ग्राम के निर्माण में अपना उत्कृष्ट योगदान देने वाले देश के महान चिंतक एवं राष्ट्रवादी पत्रकारिता के पर्याय वरिष्ठ पत्रकार साकेत वासी भानु प्रताप शुक्ल जी के जयंती समारोह को समविद गुरुकुलम् गर्ल्स सैनिक विद्यालय वृन्दावन में राष्ट्र चिंतन दिवस के रूप में मनाया गया। स्कूल की संरक्षिका एवं वात्सल्य मयी अधिष्ठात्री परम पूज्या दीदी माँ साध्वी ऋतम्भरा जी के श्री चरणों में श्रद्धा भाव के साथ प्रणाम समर्पित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि श्री विजय त्रिपाठी जी (जयंतु हिन्दु विश्व पत्रिका - संपादक) साथ पत्नी श्रीमती रमन त्रिपाठी जी एवं एनयूजेआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष विशिष्ट अतिथि डॉ कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट के साथ विद्यालय डायरेक्टर श्री नूतन चंद्रा प्राचार्या श्रीमती कल्याणी दीक्षित ने माँ

वीणावादिनी वागेश्वरी के समक्ष दीप प्रज्वलन कर साकेत वासी श्री भानुप्रताप शुक्ल के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात एजूकेशन डायरेक्टर ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का पटका व स्मृति चिह्न देकर अभिनंदन , सम्मानित किया । श्री विजय कुमार त्रिपाठी जी ने शहीद स्मृति समिति के संस्थापक डॉ . प्रेम कुमार शुक्ल जी एवं अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण परिषद के संस्थापक श्री नित्यानंद शर्मा का पटका व स्मृति चिह्न देकर अभिनंदन किया । राष्ट्र कवि डॉ उमा शंकर राही ने श्री भानु प्रताप जी के बालपन का चित्रण करते हुए बताया कि वे बचपन से ही अध्ययन शील रहे तथा पत्रकारिता के अंकुर बचपन में ही फूट चुके थे। आज हम वात्सल्य की परिकल्पना में सहयोगी दीदी माँ जी के मानस पुत्र अभूतपूर्व कृति का जन्मोत्सव चिंतन दिवस के रूप में मना रहे हैं। लेखन कला में निपुण ख्याति प्राप्त सहयोगी व समर्पण प्रेमी थे। विद्यालय की छात्राओ ने देश भक्ति से ओतप्रोत (देश पर मिट जाने को मैंने जन्म लिया) से सभी दर्शको को देश प्रेम से सराबोर कर दिया । सम्भाषण प्रतियोगिता में विजेता 11वीं की छात्रा राधे मल्होत्रा ने राष्ट्रोत्थान में मीडिया की भूमिका विषय पर अपने विचार प्रकट किए । राष्ट्र चिंतन दिवस से पूर्व विद्यालय में कविता, संभाषण एवं चित्रांकन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था ।

व्हीलचेयर के मरीज को केएम हॉस्पिटल ने कर दिया अपने पैरों पर खड़ा

केएम हॉस्पिटल ने आयुष्मान कार्ड के जरिए निःशुल्क किया न्यूरो ऑपरेशन

न्यूरोफाइब्रोम से ग्रसित राम स्वस्थ होकर स्वयं चलकर पहुंचा केएम हॉस्पिटल, प्रशंसा के बांधे पुल

स्वस्थ मरीज ने जिला पंचायत अध्यक्ष और केएम अस्पताल के चिकित्सकों की कार्यशैली और व्यवहार की प्रशंसा

मथुरा। कोसीकलां कस्बे के बिहार कॉलौनी में रहने वाले रामकुमार पुत्र दीनदयाल जो कभी व्हीलचेयर के सहारे जी रहा था, कोई मूमेंट नहीं कर रहा था आज वह मरीज न्यूरो सर्जरी के स्पेशिलिस्ट डा. संदीप चौहान के स्नेह और इलाज से स्वयं कोसीकलां से चलकर केएम अस्पताल पहुंचा जहां उसने केएम विवि के कुलाधिपति श्रीमान किशन चौधरी का शुक्रिया करते हुए केएम परिवार के चिकित्सक और सदस्यों की प्रशंसा की है तथा मरीज के परिजन ने बताया केएम के डाक्टर हमारे लिए भगवान से कम नहीं है, उनके समझाने का तरीका बहुत ही प्रशंसनीय है, आज उनके पति का जीवन केएम की बदौलत है। जोखिम भरे मुश्किल ऑपरेशन पर डा. संदीप चौहान ने बताया न्यूरोफाइब्रोमैटोसिस बीमारी में पूरे शरीर में गांठ (न्यूरोफाइब्रोम) होने को समस्या एक लाख लोगों में से एक को होती है। 31 वर्षीय रामकुमार पुत्र दीन दयाल निवासी कृष्णा विहार कॉलोनी कोसीकलां को एक जून को रीढ़ में गांठ उठी और धीरे धीरे उसके पूरे हाथ पैर सब जगह (न्यूरोफाइब्रोम) (गाँठ) होती चली गई। रामकुमार की यह हालत हो गई कि वह जिंदा होते हुए भी मरणासन्न हालत था, उसके हाथ-पैर मूमेंट नहीं कर पा रहे थे। उसे व्हीलचेयर के सहारे इधर-उधर ले जाया जाता था। मरीज की पत्नी श्रीमती गीता ने केएम अस्पताल पर विश्वास करके आयुष्मान योजना के तहत फ्री इलाज करवाया, छह घंटे की चली सर्जरी के बाद राम कुमार में मूमेंट आया और उसे थोड़े समय के बाद छुट्टी दे दी गई।

मरीज की पत्नी गीता और डा. संदीप चौहान के विश्वास का नतीजा रहा कि दो महीने के बाद आज रामकुमार स्वयं अपने पैरों पर चलकर केएम अस्पताल पहुंचा और उसने अपने नये जीवन पाने पर सभी केएम अस्पताल के चिकित्सकों,नर्सिंग स्टाफ, आयुष्मान व अन्य की प्रशंसा की। इस ऑपरेशन में डा. संदीप का सहयोग डा. नवसंगीत, डा. भूपेन्द्र, डा. सौम्या, डा. नेहा ने सहयोग किया।

सरकार व्यापारियों के हित में उठा रही है कदम : रविप्रकाश

मथुरा। जनपद के परिषदीय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले छात्रों को मध्या भोजन योजना के अंतर्गत गरमा-गरम, पौष्टिक, स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराने वाली संस्था अक्षय पात्र फाउण्डेशन हरित ब्रज के संकल्प को लेकर प्रतिबद्ध नजर आ रही है। संस्था के द्वारा गत पाँच वर्षों से मेरा पौधा, मेरा जीवन अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष इस अभियान में जनपद के 27 विद्यालयों के छात्रों ने अभिभावकों ने, विभिन्न समाजसेवियों एवं किसान भाईयों ने साथ मिलकर जनपद में फलने-फूलने वाले 36,300 फलदार पौधों का रोपड़ अपने घरों विद्यालयों पार्कों एवं खेतों में किया।संस्था के कार्यक्रम संयोजक जितेन्द्र शर्मा ने बताया कि अक्षय पात्र फाउण्डेशन बच्चों को मध्या भोजन योजना का लाभ प्रदान करने तक सीमित नहीं है। संस्था द्वारा समय-समय पर छात्रों की अवश्यकतानुसार, स्टेशनरी आइटम, बैग आदि का वितरण किया जाता है। आज के यह विद्यार्थी कल हमारे देश का भविष्य हैं। इनका प्रकृति के प्रति प्रेम बढे। समाज वृक्षों के महत्व को समझें, इस उद्देश्य हेतु संस्था द्वारा मेरा पौधा, मेरा जीवन अभियान निरन्तर चलाया जा रहा है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि उद्यान विभाग के सहयोग से इस वर्ष 31,300 फलदार पौधे एवं खुशहाली फाउण्डेशन के माध्यम से 5000 फलदार पौधों का सहयोग संस्था को प्राप्त हुआ। इसके साथ-साथ संस्था द्वारा जनपद में जल संरक्षण के लिए 5 गाँवों में स्थित तालाबों के सौन्दीयकरण का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। संस्था द्वारा चल रहे इस प्रकल्प में प्रभागीय वन अधिकारी मथुरा, रजनीकांत मित्तल जी, जिला उद्यान अधिकारी मनोज कुमार चतुवेर्दी जी, खुशहाली फाउण्डेशन के सीए शरद जी, विरेन्द्र जी, नितेश जी, वहीं संस्था की ओर से अमित झा, राजीव रावत, हंसिका सिंह, विक्रम जी, विष्णु सिंह सहित अन्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इंडस्ट्रियल एरिया में शॉर्ट सर्किट से कपड़े की फैक्ट्री में लगी आग

मथुरा। मंगलवार दिनांक 6 जुलाई 2024 को थाना हाइवे क्षेत्र के इंडस्ट्रियल एरिया में शॉर्ट सर्किट से कपड़े की फैक्ट्री के गोदाम में अचानक लगी भीषण आग जिसकी सुचना मिलते ही मौके पर दमकल विभाग और सिविल डिफेंस मथुरा अपनी टीम के साथ घटना स्थल पर मौके पर पहुंच कर बड़ी मशक्कत करने के बाद दमकल विभाग और सिविल डिफेंस मथुरा के पोस्ट वार्डन अशोक यादव और दमकल विभाग के विनोद कुमार शर्मा की टीम के द्वारा आग पर काबू पा लिया गया ।साथ ही फैक्ट्री के मजदूरों के सहयोग से फेक्ट्री मे लगे फायर एक्सटिंग्विशर Fire Extifguisher की मदद से आग बुझाने में कामयाब रहे। दमकल विभाग के विनोद कुमार शर्मा, सिविल डिफेंस मथुरा के सीनियर स्टाफ ऑफीसर टू चीफ वार्डन दीपक चतुवेर्दी बैंकर पोस्ट वार्डन अशोक यादव और दमकल विभाग के कर्मचारियों के साथ फेक्ट्री स्वामी अतुल गर्ग और स्थानियो लोगो ने आग बुझाने में अपना सहयोग दिया।

मुख्तार का शूटर एक लाख का इनामी बदमाश STF टीम ने मथुरा एनकाउंटर में किया ढेर

मथुरा। थाना फरह क्षेत्र के अंतर्गत मथुरा आगरा हाईवे पर बुधवार सुबह 4 बजे मुखबिर द्वारा सूचना मिली थी कि एक लाख का इनामी बदमाश पंकज अपने एक साथी के साथ बाइक से आगरा की तरफ जा रहा है। तत्काल STF टीम ने घेराबंदी की तो वह गांव की तरफ घुसकर भागने लगा और फायरिंग शुरू कर दी। STF ने भी जवाबी फायरिंग की। इसमें पंकज को तीन गोलियां लगी- एक गोली उसके पैर में दूसरी कमर पर और तीसरी गोली सिर पर लगी है। वहीं उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहा।

उसकी गिरफ्तारी के दिए लगातार दबिश दी जा रही है। पंकज को जिला अस्पताल लाया गया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पंकज मऊ में ठेकेदार मुन्ना सिंह हत्याकांड के मुख्य गवाह और उसके पुलिसकर्मी की हत्या का मुख्य आरोपी था। उस पर हत्या लूट डकैती और रंगदारी समेत 40 से ज्यादा मुकदमा दर्ज थे। हिस्ट्रीशीटर को पकड़ने के लिए पुलिस और एसटीएफ लंबे समय से दबिश दे रही थी।

मंत्री ने अटल विद्यालय में बच्चों के लिए बनाया पोहा

आगरा में अनिल राजभर ने कहा- श्रमिकों के बच्चे भी आईएएस-आईपीएस बनेंगे

आगरा। में अनिल राजभर ने कहा- श्रमिकों के बच्चे भी आईएएस-आईपीएस बनेंगे के फतेहपुर सीकरी में बुधवार को कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर पहुंचे। यहां उन्होंने कोरई स्थित अटल आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रसोई घर में बच्चों के लिए पोहा बनाया। उन्होंने कहा कि मंडल स्तर पर बनाए गए अटल आवासीय विद्यालय अब जिला स्तर पर भी बनाए जाएंगे।श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर के विद्यालय पहुंचने पर छात्र-छात्राओं ने ड्रम बजाकर और तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। उन्होंने विद्यालय परिसर में भ्रमण किया। साथ ही भोजन शाला, पुस्तकालय, कंप्यूटर कक्ष, विज्ञान प्रयोगशाला के साथ ही बच्चों के आवास और क्लास रूम का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों से बात करके उन्हें मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। शिक्षकों से कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ खेलकूद, योगा, ड्रॉइंग, डांस आदि अन्य गतिविधियों पर भी प्रशिक्षित करें। विद्यालय स्टाफ के बात करके समस्याओं के बारे में जाना। साथ ही और बेहतर करने के लिए सुझाव मांगे और अपने अपने सुझाव साझा किए। परिसर में भूजल खारा होने पर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाए जाने की व्यवस्था के लिए कहा। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं की सुरक्षा पहली प्राथमिकता है। आवास में ग्रिल

लगाए जाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने बताया कि यहां पर नवोदय केंद्रीय विद्यालयों के अनुभवी अध्यापकों को रखा गया है। ताकि छात्र-छात्राओं को उच्च गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा मिल सके। यहां श्रमिकों के बच्चे भी पढ़ाई करके वैज्ञानिक, आईएएस, आईपीएस जैसे उच्च पदों पर पहुंच सकेंगे। कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से अटल आवासीय विद्यालय ऐसी परिकल्पना है, जो देशभर में आदर्श स्थापित करेंगे। यहां श्रमिकों की बच्चों का भी सर्वांगीण विकास होगा। इससे वह डॉक्टर, खिलाड़ी, आईएएस, आईपीएस बन सकेंगे। बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। अब कमजोर वर्ग से आने वाली पीढ़ी को आगे बढ़या जाएगा। दूसरे सेशन के लिए 6वीं और 9वीं में 140-140 छात्राओं के प्रवेश के लिए काउंसलिंग हो चुकी है। इस अवसर पर उप श्रम आयुक्त राकेश द्विवेदी, निदेशक सेवायोजन चंद्रचूड़ दुबे, प्रधानाचार्य सुनीता वशिष्ट, पंकज उपाध्याय आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

दिल्ली का अक्षरधाम मंदिर भारतीय संस्कृति को अपने आप में समेटे हुए हैं। इसका वैभव, बेहतरीन शिल्प और परम आनंद का अनुभव इस मंदिर की ओर आकर्षित करता हैं। इस मंदिर का दर्शन हमें भारत की श्रेष्ठ और प्रसिद्ध कला की याद दिलाता हैं। अक्षरधाम मंदिर पर्यटकों को भारत की प्रसिद्ध कला की यात्रा पर ले जाता हैं। इसे स्वामीनारायण अक्षरधाम के नाम से भी जाना जाता है। प्राचीन मूल्यों और मानव सभ्यता के विकास में भागीदारी का जीता जागता उदाहरण हैं- अक्षरधाम मंदिर।

अक्षरधाम

अपने शिल्प सौंदर्य से मन मोह लेता हैं

कुछ बरस पहले इस मंदिर को निर्माण शुरू हुआ तो यह सभी के लिए कौतुहल का विषय था। धीरे-धीरे इसका निर्माण होता गया और एक दिन अपने शिल्प सौंदर्य से सभी को मोहित कर लिया। प्रमुख स्वामी महाराज जी अक्षर पुरूषोतम् स्वामीनारायण संस्था, ग्यारह हजार कलाकार और हजारों स्वयंसेवकों का इसमें महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्वामीनारायण भगवान को समर्पित यह पांरपरिक मंदिर भारतीय ऐतिहासिक कला, संस्कृति और वास्तुकला का बेजोड़ उदाहरण है।

निकंठ बरनी अभिषेक

इस मंदिर में यह प्रार्थना पारंपरिक ढंग से दुनिया की शांति के लिए की जाती है। 151 पवित्र नदियों का पानी, झील और तालाब के पानी से अपने, परिवार और दोस्तों के लिए प्रार्थना की जाती है। मंदिर में मौजूद तीन हाल में अलग-अलग जीवन के मूल्यों को सिखाया जाता है। हाल-एक में मानव मूल्यों को फिल्म और रोबोट द्वारा प्रस्तुत किया जाता हैं। इनमें अहिंसा, ईमानदारी, पारिवारिक सामंजस्य और आध्यात्मिकता का प्रतिरूप दिखाया जाता हैं।

हाल नंबर दो में ग्यारह साल के योगी नीलकंठ द्वारा भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता की अविश्वसनीय कहानियां सुनने को मिलती है। यहां भारतीय वास्तुकला और कला का बेहतरीन और कभी न भूलने वाला अनुभव होता हैं। यह हमारे त्योहारों को बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत करता है। उन्हें समझने में मदद करता हैं।

हाल- तीन के कल्चरल बोट राइड में भारत के दस हजार साल की विरासतको खूबसूरती से दर्शाया गया हैं। भारत के ऋषि वैज्ञानिकों के अविष्कार और प्रयोग के बारे में जानने को मिलता है। शाम के समय यहां आप संगीतमय फव्वारे का पंद्रह मिनट का आनंद ले सकते हैं। यहां जन्म, जीवन और मृत्यु को दर्शानिक तरीके से चित्रित किया गया हैं। 60 एकड़ में फैला यहां का बगीचा मैदान और तांबे की मूर्तियां दर्शनीय हैं। यहां का लोटस गार्डन भी ध्यान आकर्षित करता हैं। अक्षरधाम मंदिर कलाकृति और खूबसूरती का बेमिसाल उदाहरण है। आप यहां सुबह 9.30 बजे से शाम 6.30 बजे तक जा सकते हैं। यहां किसी भी मौसम में जाया जा सकता हैं। सोमवार को यह मंदिर बंद होता है। मोबाइल फोन ले जाना और फोटो खींचना यहां मना है।

कन्याकुमारी, जहाँ मिलते हैं अरब सागर और बंगाल की खाड़ी

भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित पवित्र स्थान कन्याकुमारी के बारे में कहा जाता है कि स्वामी विवेकानंद जब ज्ञान की खोज में निकले थे तो यहीं पहुंच कर उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। यहां अरब सागर और बंगाल की खाड़ी हिंद महासागर में आकर मिलते हैं। इसलिए यहां तीन अलग-अलग रंगों की रेत देखने को मिलती है। शहर की भीड़ से दूर तथा तनाव व शोरगुल से भी दूर यह स्थान बड़ा शांतिमय है। यहां यदि शोर है तो वह है सिर्फ समुद्री लहरों का, जोकि कानों में संगीत की तरह गूंजता है। कन्याकुमारी के सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्य तो देखते ही बनते हैं।

कन्याकुमारी का मंदिर कन्याकुमारी को ही अर्पित है। इस मंदिर को भारत के छोरों का रखवाला भी माना जाता है। इस मंदिर को मदुरै, रामेश्वरम और तिरूपति आदि मंदिरों की तरह ही पवित्र माना जाता है। इस मंदिर की खास बात यह है कि यहां केवल हिन्दू ही जा सकते हैं। यह मंदिर प्रात: चार बजे से लेकर ग्यारह बजे तक तथा उसके बाद सायं 5.30 से लेकर 8.30 तक खुला रहता है। यहां विवेकानन्द जी का स्मारक भी है। यह समुद्र के बीच एक विशाल शिला पर स्थित है। इस शिला पर बैठ कर ही स्वामी विवेकानंद जी ने साधना की थी। स्मारक के कक्ष में विवेकानन्द जी की विशाल मूर्ति भी है। स्मारक स्थल से चारों और फैले विशाल समुद्र का दृश्य आपको मंत्रमुग्ध कर देगा। कन्याकुमारी में महात्मा गांधी का स्मारक भी है। यहीं पर महात्मा गांधी का अस्थि कलश रखा गया था। यह स्मारक कन्याकुमारी मंदिर के ठीक पास ही बना हुआ है। पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र यह स्मारक अपनी अद्भुत कलाकृति के लिए भी जाना जाता है। कन्याकुमारी से लगभग 34 किलोमीटर दूर स्थित उदयगिरि किला भी देखने योग्य है। इस किले को 18वीं शताब्दी में राजा मार्तंड वर्मा ने बनवाया था। इसके साथ ही आप गुगनंत स्वामी मंदिर भी देखने जा सकते हैं। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह करीब एक हजार साल पुराना मंदिर है। इस मंदिर को एक चोल राजा ने बनवाया था। कन्याकुमारी आए हैं तो सुचिंद्रम देखना नहीं भूलें। यह कन्याकुमारी से लगभग 13 किलोमीटर दूर स्थित है। 9वीं शताब्दी के शिलालेख इस मंदिर में पाए जाते हैं। यहां पर भगवान शिव, भगवान ब्रह्मा और भगवान विष्णु की एक साथ पूजा की जाती है। यहां पर हनुमान जी की एक बड़ी मूर्ति है जो कि यहां की मूर्तिकला का जीता-जागता उदाहरण है। नागरकोयिल नागराज का अद्भुत मंदिर है। नागराज का मंदिर होते हुए भी इसमें भगवान शिव और भगवान विष्णु की मूर्तियां हैं। यहां का द्वार चीनी शिल्पकला में बनाया गया है। यहां आपको देखने को मिलेगा कि भक्तों को दिया गया प्रसाद जमीन से निकाला जाता है। यहां नागलिंग फूल भी पाया जाता है। यह मंदिर कन्याकुमारी से बीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए आपको आसानी से बसें मिल जाएंगी और यदि आप चाहें तो बंगलौर, चोई, त्रिवेन्द्रम, मदुरै आदि जगहों से यहां रेल व सड़क मार्ग से भी आ सकते हैं।

शानदार धरोहर है हुमायूं का मकबरा

भारत में मुगल शासन की नींव रखने वाले हुमायूं को लोग आज भी उनकी राजशाही ठाठबाट से नहीं बल्कि हुमायूं के मकबरे से ज्यादा याद करते हैं। दिल्ली स्थित यह मकबरा मुगल धरोहरों में सबसे शानदार धरोहर है। यह मकबरा भारत में मुगल वास्तुकला का पहला उदाहरण है। इस मकबरे के बनने के कई शताब्दी बाद इसी तर्ज पर ताजमहल का निर्माण हुआ। इस मकबरे का निर्माण हुमायूं की पत्नी हमीदा बानु बेगम ने अपने पति की मौत के नौ साल बाद शुरू करवाया। यह फारस की वास्तुकला का बेजोड़ उदाहरण है। इसके आगे बने बगीचे को चहारबाग कहते हैं। यह बगीचा चार मुख्य भागों में विभाजित है जहां से लोगों का आना जाना होता है। इन रास्तों को खूबसूरत बनाने के लिए बहते पानी का रास्ता बनाया गया है। 17वीं से 19वीं शताब्दी के बीच कई मुगल शासकों को इसी मकबरे में दफनाया गया था। हुमायूं के इस मकबरे को नेक्रोपोलीस (मृत शरीर से प्रेम) नाम भी दिया गया है। भारत के किसी भी शहर में मुगल शासकों और उनके रिश्तेदारों के इतनी कब्र कहीं देखने को नहीं मिलती। भारतीय उपमहाद्वीप में यह पहला ऐसा मकबरा है। हुमायूं के मकबरे का निर्माण लाल पत्थर से किया गया है। दो मंजिला यह मकबरा सफेद मार्बल के गुबंद से ढंका हुआ है, जो देखने में आकर्षक है। इस मकबरे की ऊंचाई 47 मीटर और चौड़ाई 91 मीटर है। वहां के गलियारे, खिड़की में भी फारसी वास्तुकला झलकती है। कुछ जगहों पर भारतीय शैली की भी झलक देखी जा सकती है। कुल मिलाकर यहां 150 कब्र हैं जो चारों तरफ से गार्डन से घिरी हैं। इस मकबरे के बनने के बाद ही इसका पतन शुरू हो गया था। मुगल बादशाहत जैसे-जैसे खत्म हुई उनके बनाए स्मारकों का भी पतन होना शुरू हो गया। मकबरे की आसपास बने बगीचे में लोगों ने सब्जियां उगानी शुरू कर दीं। 1857 में ब्रिटिश ने इंगलिश स्टाइल गार्डन बनाया। 1903-1909 के बीच इस बगीचे को अपनी खोयी हुई असली खूबसूरती लार्ड कर्जन से मिली। अभी कुछ साल पहले मकबरे का पुनरूद्धार होने के बाद से इसकी चमक अब देखने लायक है। यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर माना है। इस मकबरे की खूबसूरती बरकरार रखने के लिए इस पर काफी काम किया गया है। इसकी शान-ओ-शौकत अब देखने लायक है। हुमायूं के मकबरे को देखने कभी भी जाया जा सकता है। दिल्ली आने पर टैक्सी या आटो से यहां आप पहुंच सकते हैं। बच्चों का प्रवेश नि:शुल्क है। परिसर के बाहर पार्किंग की अच्छी व्यवस्था है। जलपान और शीतल पेय के लिए भी भटकना नहीं पड़ता। परिसर के एक किनारे इसका भी इंतजाम हैं।

जुकरबर्ग ने लगाई अमीरों की सूची में छलांग, एक दिन में कमाए 70 हजार करोड़

नई दिल्ली।

एक शख्स एक ही रात में दुनिया के अमीर लोगों की लिस्ट में शामिल हो गया वह अमीरों की सूची में तीसरे नंबर पर है। जी हां, यह शख्स फेसबुक के मालिक मार्क जुकरबर्ग हैं। मार्क जुकरबर्ग फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा के सीईओ हैं। जुकरबर्ग की संपत्ति एक दिन में दस से बीस हजार करोड़ नहीं बल्कि 70 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गई है। इतनी बढ़ोतरी होने वह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में तीसरे नंबर पर आ गए हैं। जुकरबर्ग की संपत्ति करीब 175 बिलियन डॉलर यानी करीब 15 लाख करोड़ रुपए हो गई है। जुकरबर्ग की यह संपत्ति मेटा के शेयर बढ़ने से हुई है। अमेरिकी शेयर मार्केट में मेटा के शेयरों में तीन फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इस बढ़ोतरी से जुकरबर्ग की संपत्ति में 5.1 फीसदी का उछाल आया है। फोर्ब्स में प्रकाशित मीडिया खबरों के मुताबिक जुकरबर्ग की संपत्ति बढ़कर 175.5 बिलियन डॉलर हो गई और वह दुनिया के तीसरे सबसे अमीर इंसान बन गए। जुकरबर्ग ने बर्नार्ड अरनॉल्ट को पीछे छोड़ दिया। हालांकि बाद में जुकरबर्ग की संपत्ति में कुछ गिरावट आई और वह फिर से चौथे नंबर पर आ गए। इस साल कमाई के मामले में मार्क जुकरबर्ग दुनिया में दूसरे स्थान पर हैं।

इस साल कमाई के मामले में पहले स्थान पर जेन्सेन हुआंग हैं। इन्होंने इस साल 47.6 बिलियन डॉलर की कमाई की है। जेन्सेन चिप बनाने वाली कंपनी एनविडिया के सीईओ हैं। यह 91.6 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के 15वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। अमेरिकी शेयर मार्केट में मेटा और एनविडिया के शेयर अच्छी उछाल पर हैं। दोनों कंपनियों के शेयरों ने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। दोनों कंपनियों के रिटर्न की तुलना करें तो यहां एनविडिया मेटा से आगे है।

बम्पर कमाई के बाद एलआईसी को फिर हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी में इस साल पांच फीसदी हिस्सेदारी बेचने पर सरकार विचार कर रही है। केंद्र सरकार मई 2022 में इस कंपनी का आईपीओ लाई थी जिसके जरिए उसने 21,000 करोड़ रुपए कमाए थे। इस आईपीओ के तहत सरकार ने कंपनी में 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची थी। एलआईसी में अभी सरकार की 96.5 फीसदी हिस्सेदारी है। एक रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि सरकार कंपनी में अपनी हिस्सेदारी कम करने के लिए एफपीओ और क्यूआईपी लाने पर विचार कर रही है। कंपनी का शेयर शुरुआती कारोबार में तीन फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ 1116.95 रुपए पर ट्रेड कर रहा है। इसके साथ ही कंपनी का बाजार कैप 7,03,497.87 करोड़ पर पहुंच गया है। सेबी नियमों के मुताबिक हर लिस्टेड कंपनी की 25 फीसदी हिस्सेदारी पब्लिक के पास होनी चाहिए। सरकार ने पिछले साल एलआईसी को इस शर्त को पूरा करने के लिए दस साल की छूट दी थी। कंपनी को मई 2032 तक यह काम करना होगा। सेबी ने 14 मई 2024 को एलआईसी को दस फीसदी पब्लिक शेयर होल्डिंग की शर्त को पूरा करने के लिए तीन साल का अतिरिक्त समय दिया था। उसे पांच साल के अंदर 16 मई 2027 तक यह काम करना होगा। प्रीमियम के हिसाब से इसकी बाजार हिस्सेदारी 58.87 फीसदी और पॉलिसीज के हिसाब से 69.91 फीसदी है।

एलआईसी का 21,000 करोड़ रुपए आईपीओ मई 2022 में आया था। यह भारतीय इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है। इसका इश्यू प्राइस 949 रुपए था। इसकी लिस्टिंग 17 मई, 2022 को थी। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 1,221.50 रुपए और न्यूनतम स्तर 597.65 रुपए है। पिछले सत्र में यह 1079.20 रुपए पर बंद हुआ था और आज 1116.55 रुपए पर खुला। कारोबार के दौरान यह तीन फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ 1116.95 रुपए पर आ गया। सुबह 9.50 बजे यह 2.62फीसदी तेजी के साथ 1107.50 रुपए पर ट्रेड कर रहा था।

रुपए का आउटलुक बदला, आरबीआई ब्याज दरों को लेकर करेगा फैसला

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की छह सदस्यों वाली मॉनेटरी पालिसी कमिटी (एमपीसी) गुरुवार को ब्याज दरों को लेकर अपने फैसले का एलान करेगी। भारतीय रुपए का आउटलुक पिछले महीने से बदला है। ऐसा इसलिए क्योंकि आरबीआई ने इंडियन करेंसी को एक सीमित दायरे में रखने का प्रयास किया है। जापान के कैरी ट्रेड में अचानक लिक्विडेशन में उथल-पुथल के बाद वैश्विक बाजारों में आई बड़ी गिरावट ने मंगलवार को रुपए को 83.96 प्रति डॉलर के लेवल पर धकेल दिया। आरबीआई ने मई 2022 से फरवरी 2023 के बीच रेपो रेट में 2.5 फीसदी बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया था। इसके बाद से एमपीसी ने पिछली आठ मॉनेटरी पॉलिसी की बैठक में ब्याज दर में किसी तरह का बदलाव नहीं किया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि फूड इन्फ्लेशन जोखिम को लेकर पालिसी का रुख सतर्क होगा।

प्रतिकूल मौसम के कारण महंगाई के बढ़ने का दबाव बना हुआ है। रोजाना खाने-पीने की चीजों की कीमतों से संकेत मिलता है कि जुलाई में रिटेल कीमतें ऊंची रही हैं और सब्जियों जैसे जल्द खराब होने वाले उत्पादों की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि राहत की बात है कि मुख्य मुद्रास्फीति ऐतिहासिक निचले स्तर पर है, जिससे संकेत मिलता है कि सामान्य तौर पर कीमतों का दबाव नहीं है। ऐसे में मौद्रिक नीति में खुदरा मुद्रास्फीति को चार फीसदी लक्ष्य के करीब बनाए रखने पर ध्यान दिया जाएगा।

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि 2024 में उच्च वृद्धि और वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 4.9 फीसदी मुद्रास्फीति को देखते हुए मानसून के उत्तरार्द्ध में बारिश का वितरण सामान्य रहा और खाद्य मुद्रास्फीति आगे भी अनुकूल रही। वैश्विक और घरेलू में प्रतिकूल घटनाएं नहीं हुईं तो अक्टूबर 2024 में आरबीआई के रुख में बदलाव आ सकता है। एमपीसी के छह सदस्यों में से दो ने जून की बैठक में ब्याज दर में कटौती करने के पक्ष में मत दिया था। उनका तर्क था कि मॉनेटरी पॉलिसी ज्यादा सख्त होने से बढ़ती अर्थव्यवस्था पर असर पड़ सकता है।

किसानों को होगा फायदा: चावल एक्सपोर्ट पर लगा बैन हटा सकती है सरकार

नई दिल्ली।

अब सरकार जल्द ही चावल पर प्रतिबंध को हटाने पर विचार कर रही है, जिससे आने वाले दिनों में धान किसानों को उनकी फसल का बेहतर मूल्य मिल सकता है। दरअसल इस साल भारत में पर्याप्त मात्रा में बारिश हुई है, जिससे धान की अच्छी पैदावार की उम्मीद है। देश में धान की कम पैदावार और खाद्यान्न की कीमतों को कंट्रोल में रखने के उद्देश्य से भारत सरकार ने पिछले साल गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इस प्रतिबंध का प्रभाव दुबई, कुवैत और अन्य खाड़ी देशों से लेकर अमेरिका तक महसूस किया गया था।

दूसरी ओर, सरकार के पास चावल का बफर स्टॉक भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, जिससे देश में चावल की कमी की चिंताएं दूर हो गई हैं। ऐसे में, सरकार द्वारा निर्यात पर लगा प्रतिबंध हटाना स्वाभाविक है।नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद का कहना है कि बफर स्टॉक की अच्छी स्थिति है। वहीं पर्याप्त बारिश होने से धान की फसल बेहतर रहने की उम्मीद है। ऐसे में सरकार इस साल गैर-बासमती चावल के एक्सपोर्ट पर लगे बैन को हटा सकती है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि चावल की आपूर्ति को लेकर चिंता करने की जरूरत है। वर्तमान में स्थिति काफी संतोषजनक है। अगर सरकार इस समय चावल के निर्यात पर लगा प्रतिबंध हटा भी लेती है, तो भी बड़ी मात्रा में चावल देश से बाहर नहीं जाएगा। इससे न केवल घरेलू बल्कि विदेशी बाजार में भी चावल की कीमतों को स्थिर बनाए रखने में मदद मिलेगी।

रुपया सपाट बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया एक पैसे की गिरावट के साथ ही 83.96 पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार सुबह रुपया 83.95 पर खुला। वहीं गत दिवस रुपया 83.92 पर बंद हुआ था। इस प्रकार उसमें नरमी आई है। गत दिवस वैश्विक बाजारों और घरेलू शेयर बाजारों में तेजी से रुपया शुरुआती कारोबार में अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबर 25 पैसे की बढ़त के साथ 83.84 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। जानकारों का कहना है कि घरेलू बाजार में उछाल से स्थानीय मुद्रा को थोड़ा समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि और विदेशी पूंजी की निकासी ने निवेशकों की भावनाओं को प्रभावित किया है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.92 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.84 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 25 पैसे की बढ़त को दिखाता है। रुपया सोमवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.09 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 फीसदी की गिरावट के साथ 102.85 पर रहा।

दवा कंपनी का नेट प्रॉफिट 77 प्रतिशत बढ़ा.........शेयर 6 प्रतिशत उछाला

मुंबई । भारतीय फार्मा कंपनी ल्यूपिन का शेयर 6.18 प्रतिशत तक उछल गए। इसके साथ ही ल्यूपिन का स्टॉक बीएसई पर 52 सप्ताह के उच्च लेवल 2025 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया। बता दें कि कंपनी के शेयरों में यह तेजी पहली तिमाही के नतीजों जारी करने के बाद आई है। दवा बनाने वाली कंपनी ल्यूपिन का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में नेट प्रॉफिट 77 प्रतिशत बढ़कर 801 करोड़ रुपये हो गया। मुंबई स्थित कंपनी ने गत वित्त वर्ष 2023-24 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में 452 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। अलग-अलग बाजारों में मजबूत बिक्री के चलते कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। ल्यूपिन ने कहा, पहली तिमाही में ऑपरेशंस से कमाई बढ़कर 5,600 करोड़ रुपये हो गई जबकि पिछले वर्ष इसी तिमाही में यह 4,814 करोड़ रुपये थी। ल्यूपिन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक नीलेश गुप्ता ने बताया कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में जो गति बनाई, उसकारण यह तिमाही मजबूत रही। नए उत्पादों, प्रमुख क्षेत्रों और हमारे परिचालन मुनाफे और प्रॉफिटेबिलिटी में सुधार से हमारा प्रदर्शन बेहतर रहा। ल्यूपिन की अप्रैल-जून तिमाही में भारत में 1926 करोड़ रुपये की बिक्री हुई, जबकि पिछले वर्ष इसी तिमाही में 1,638 करोड़ रुपये की बिक्री हुई थी।

मोदी सरकार से आया प्रस्ताव.......गोदरेज प्रॉपर्टीज का शेयर बना रॉकेट

मुंबई ।

रियल्टी शेयरों में बुधवार को इंट्रा-डे ट्रेड के दौरान तेजी देखी गई और गोदरेज प्रॉपर्टीज का शेयर 4 फीसदी तक चढ़ गया। बता दें कि रियल्टी स्टॉक्स में तेजी मोदी सरकार की ओर से रियल एस्टेट संपत्तियों पर कैपिटल गेन टैक्स के मामले में टैक्स पेयर्स को राहत देने के प्रस्ताव के बाद आई है। प्रस्ताव के अनुसार, अब संपत्ति मालिकों के पास कैपिटल गेन टैक्स पर 20 प्रतिशत या 12.5 प्रतिशत कर की दर में से कोई एक चुनने का विकल्प होगा।

संशोधित प्रस्ताव के मुताबिक, 23 जुलाई 2024 से पहले मकान खरीदने वाला कोई व्यक्ति या हिंदु अविभाजित परिवार (एचयूएफ) महंगाई के प्रभाव को शामिल किए बिना 12.5 प्रतिशत की नई योजना के तहत टैक्स देने का विकल्प चुन सकता है। इसके अलावा उसके पास पुरानी योजना के तहत इंडेक्सेशन के साथ 20 प्रतिशत टैक्स का विकल्प भी होगा। दोनों विकल्पों में से जिसमें भी टैक्स कम बने, वह उसका भुगतान कर सकता है।

बता दें कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2024-25 पेश कर संपत्ति की बिक्री से होने वाले इंडेक्सेशन बेनिफिट को हटाने के साथ टैक्स को 12.5 प्रतिशत करने की घोषणा की थी।

भूटान में दिखेगा टाटा समूह का दम.........पॉवर प्रोजेक्ट में होगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली । टाटा ग्रुप अब भूटान में अपना दम दिखाने को तैयार है। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा पावर अपने ग्रीन एनर्जी पोर्टफोलियो को बढ़ा रही है। इस योजना के तहत कंपनी भूटान में एक हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में 830 करोड़ रुपये में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। 600 मेगावाट की क्षमता वाले प्रोजेक्ट के लिए 6900 करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी। इस प्रोजेक्ट में हिस्सेदारी खरीदने के बाद खोरलोचू हाइड्रो पावर टाटा पावर की सहयोगी कंपनी बन जाएगी। टाटा पावर 600 मेगावाट का स्टेशन डिवेलप करने के लिए ड्रुक ग्रीन पावर के साथ पार्टनरशिप करेगी। इस मौके पर कंपनी ने कहा कि यह प्रोजेक्ट टाटा पावर को अपने क्लीन और ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन को तेज करने में मदद करेगा। टाटा पावर ने कहा कि वह लक्जमबर्ग स्टॉक एक्सचेंज से अपने ग्लोबल डिपॉजिटरी शेयर (जीडीएस) को समाप्त करेगी। इसका कारण बताकर कंपनी ने कहा कि इसमें पिछले कई वर्षों से कोई गतिविधि नहीं हुई है। टाटा पावर ने एक रेगुलेटरिंग फाइलिंग में कहा कि जीडीएस में पिछले कई वर्षों से कोई गतिविधि नहीं हुई है। कंपनी ने कहा कि हम जीडीएस प्रोग्राम को खत्म करने के लिए जरूरी कदम उठाएंगे और इस लक्जमबर्ग स्टॉक एक्सचेंज से हटाया जाएगा। टाटा पावर ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे जारी किए। इस पहली तिमाही में कंपनी का लाभ 4 फीसदी बढ़कर 1189 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं इस अवधि के दौरान कंपनी के रेवेन्यू में भी बढ़ोतरी आई है। यह 12 फीसदी बढ़कर 16810 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह रेवेन्यू 15213 करोड़ रुपये था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 874 अंक , निफ्टी 304 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। इसी के साथ ही पिछले दो दिनों से जारी गिरावट रुक गयी। आज सुबह दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी से बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई और पूरे दिन यही सिलसिला जारी रहा। कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 874 अंक की बढ़त लेकर 79,468 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाले एनएसई निफ्टी में भी 304 अंक की तेजी रही और ये 24,279 पर जाकर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़ रही। इसी कारण आईटी इंडेक्स 2 फीसदी उछला। वहीं एनबीएफसीएस और सरकारी शेयर भी बढ़त पर बंद हुए। बांग्लादेश में जारी हिंसा के कारण उसके कपड़ा उद्योग में कामकाज बंद है। ऐसे में भारतीय कपड़ा उद्योग की ओर विदेश खरीदारों का रुख हो सकता है। जिससे भारतीय कपड़ा कंपनियों के शेयर में भारतीय उछाल आया है।

आज कारोबार के दौरान एमएंडएम 2.23 फीसदी, इनफोसिस 2.19 फीसदी, एचसीएल टेक्नोलाजी 2 फीसदी ऊपर आया जबकि अडानी पोर्ट का शेयर 1.55 फीसदी और ञ्डुह्लड्ड स्ह्लद्गद्गद्य में भी 1.50 फीसदी की तेजी आई। वहीं मिडकैप कंपनियों में शामिल ऑयल डंडिया के शेयर 6.89फीसदी, लूयपिन के शेयर 4.30 फीसदी उछले जबकि स्मालकैप कंपनियों के शेयरों की बात करें तो मुफ्ती शेयर 10.25शेयर , एसपीएएल 8.96 फीसदी और आईएफबी इंडिया के शेयर 7.57 फीसदी बढ़े। वहीं गत दिवस बाजार नीचे आया था। इससे पहले आज सुबह बाजार बुधवार को बढ़त के साथ खुला। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीदारी से आई है। शुरुआती कारोबार में बाजार ने सकारात्मक शुरुआत और 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 963 अंक ऊपर आकर 79,556 पर पहुंचा जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 294 अंक बढ़कर 24,286 के स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान मिडकैप इंडेक्स 1.37 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.01 फीसदी ऊपर आया।

निफ्टी में ओएनजीसी, कोल इंडिया, हीरो मोटोकॉर्प और एमएंडएम के शेयरों में बढ़त रही जबकि एसबीआई लाइफ, अपोलो हॉस्पिटल्स और नेस्ले इंडिया के शेयर नीचे आये। एशिया-प्रशांत बाजारों की शुरुआत आज मिली-जुली रही, जो प्रमुख अमेरिकी सूचकांकों में तीन लगातार दिनों की गिरावट के बाद हुई उछाल के बाद हुई है। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसल 0.76 फीसदी बढ़ा, एसएंडपी 500 में 1.04 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, और नैस्डैक कंपोजिट 1.03 फीसदी बढ़ा। एशिया में, निक्केई 1.46 फीसदी नीचे आया जबकि जापान के व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स में मामूली 0.05 फीसदी की बढ़त रही। हुई। दक्षिण कोरिया में, कोस्पी 0.88 फीसदी और कोसडाक 1.6 फीसदी उछला। इस बीच, हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स भी लाभ में रहा और 0.35 फीसदी बढ़ा।

फ्लाइट टिकट पर पाएं 18 प्रतिशत तक की छूट

नई दिल्ली। यात्रियों को हर फ्लाइट बुकिंग पर बेहतरीन डिस्काउंट मिल रहा है। 8 अगस्त तक यात्री अपनी पसंद की डेस्टिनेशन के लिए फ्लाइट बुकिंग पर 18 प्रतिशत तक की छूट पा सकते हैं। इंडिगो ने अपने 18वें स्थापना दिवस के अवसर पर कस्टमर्स के लिए स्पेशल सेल की घोषणा की है। इस सेल के तहत, पैसेंजर्स को फ्लाइट बुकिंग पर 18 प्रतिशत तक का डिस्काउंट मिलेगा। यह छूट केवल इंडिगो की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप के माध्यम से बुकिंग करने पर ही उपलब्ध होगी। इंडिगो ने अपने कस्टमर्स के लिए हैप्पी इंडिगो डे सेल की घोषणा की है, जो 5 अगस्त से 8 अगस्त तक चलेगी। इंडिगो के नए ऑफर में पैसेंजर्स को फ्लाइट टिकट पर 18 प्रतिशत तक की छूट मिल रही है। इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए पैसेंजर्स को इंडिगो की वेबसाइट से बुकिंग करनी होगी और स्पेशल कोड का उपयोग करना होगा।

कच्चे तेल की कीमतों में आ सकती है गिरावट

न्यूयार्क । कच्चे तेल के दाम आने वाले समय में गिर सकते हैं। एक सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले साल 2025 में मंदी आने के कारण कच्चे तेल (ब्रेंट क्रूड) की कीमतें 75 डॉलर प्रति बैरल से 90 डॉलर प्रति बैरल के बीच रह सकती हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर आर्थिक मंदी आई तो नायमैक्स पर कच्चे तेल के दाम गिरकर 30 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकते है। वहीं, ब्रेंट क्रूड के दाम 50 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकते है। अभी 7 अगस्त 2024 को नायमैक्स पर क्रूड का भाव 73 डॉलर प्रति बैरल है जबकि ब्रेंट क्रूड का दाम 76 डॉलर प्रति बैरल है। कच्चा तेल सस्ता होने भारत के लिए लाभप्रद रहेगा। ऐसे में भारत का खर्च कम होगा। इससे चालू वित्तीय घाटा कम करने में मदद मिलेगी। पिछले कुछ समय में पेट्रोल-डीजल की कीमत **(Petrol-Diesel Price)** में खास बदलाव नहीं किया। इससे सरकार को दो बड़े लाभ हुए हैं। इससे देश के चालू खाता घाटा कम हुआ है। इसके अलावा सरकार के राजस्व में बढ़त आई है। अर्थव्यवस्था के लिहाज से हाल में एक और अच्छी घटना हुई है। दूसरे शब्दों में कहें तो डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा में 4 रुपए की मजबूती आई है। इससे सरकार को विदेशों से सामान खरीदने में कम भुगतान करना पड़ा। रुपए के मजबूत होने से कच्चा तेल, इलेक्ट्रॉनिक, जेम्स एंड ज्वेलरी, फर्टिलाइजर्स, केमिकल्स सेक्टर को सीधा फायदा होता है। इससे आयात की लागत घट जाती है। हालांकि, इससे कुछ सेक्टर्स को नुकसान भी होता है।क्रूड की कीमतों में गिरावट से तेल कंपनियों को लाभ होगा।

मॉनेटरी पालिसी कमिटी आज करेगी ब्याज दरों को लेकर ऐलान

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की 6 सदस्यों वाली मॉनेटरी पालिसी कमिटी (एमपीसी) 8 अगस्त को ब्याज दरों को लेकर अपने फैसले का ऐलान करेगी। सर्वे के अनुसार, भारतीय रुपये का आउटलुक पिछले महीने से बमुश्किल बदला है। ऐसा इसलिए क्योंकि आरबीआई ने इंडियन करेंसी को एक सिमित दायरे में रखने का प्रयास किया है।

बता दें कि आरबीआई (आरबीआई) ने मई 2022 से फरवरी 2023 के बीच रेपो रेट में 2.5 प्रतिशत बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया था। इसके बाद से एमपीसी ने पिछली आठ मॉनेटरी पॉलिसी की बैठक में ब्याज दर में किसी तरह का बदलाव नहीं किया है। इस बारे में आर्थिक जानकार ने कहा, 'फूड इन्फ्लेशन जोखिम को लेकर पालिसी का रुख सतर्क होगा। गर्मियों के दौरान लू चलने और जून में मॉनसून की सुस्त चाल जैसे प्रतिकूल मौसम के कारण खाद्य महंगाई के बढ़ने का दबाव बना हुआ है। रोजाना खाने-पीने की चीजों की कीमतों से संकेत मिलता है कि जुलाई में रिटेल कीमतें ऊंची रही हैं और सब्जियों जैसे जल्द खराब होने वाले उत्पादों की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा, राहत की बात है कि मुख्य मुद्रास्फीति ऐतिहासिक निचले स्तर पर है, जिससे संकेत मिलता है कि सामान्य तौर पर कीमतों का दबाव नहीं है। वृद्धि भी मजबूत बनी हुई है, इसके बाद मौद्रिक नीति में खुदरा मुद्रास्फीति को 4 फीसदी लक्ष्य के करीब बनाए रखने पर ध्यान दिया जाएगा।' एक अन्य अर्थशास्त्री ने कहा, वित्त

वर्ष 2024 में उच्च वृद्धि और वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 4.9 फीसदी मुद्रास्फीति को देखकर उन चार सदस्यों जिन्होंने जून में दर और रुख में यथास्थिति बनाए रखने के पक्ष में मत दिया था, के वोटिंग रुझान पर असर संभवतः नहीं पड़ेगा। अगर मॉनसून के उत्तरार्द्ध में बारिश का वितरण सामान्य रहा और खाद्य मुद्रास्फीति आगे भी अनुकूल रही तथा वैश्विक और घरेलू मोर्चे पर कुछ प्रतिकूल घटनाएं नहीं हुईं अक्टूबर 2024 में आरबीआई के रुख में बदलाव आ सकता है।

सोने और चांदी में आई नरमी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत अच्छी रही पर इसके बाद दाम गिरने लगे। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सोने के वायदा भाव 68,800 रुपये जबकि चांदी के वायदा भाव 79,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना तेज शुरुआत के बाद नीचे आया जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी कमजोर रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज बढ़त के साथ हुई पर बाद में इसके दाम नीचे आने लगे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट आज 575 रुपये की तेजी के साथ 69,440 रुपये के भाव पर खुला। यह ने 69,440 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 68,740 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने का वायदा भाव इस साल 74,471 रुपये के भाव के शीर्ष स्तर पर पहुंचा। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट आज 283 रुपये की गिरावट के साथ 79,623 रुपये पर खुला। ये 79,478 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 79,338 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर पर पहुंचा। इस साल चांदी के वायदा भाव 96,493 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गये। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत तो तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में इसके भाव गिर गए। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई।

मनु भाकर क्यों बन गयीं सभी खिलाड़ियों के लिए आदर्श

आर.के. सिन्हा

सारी दुनिया ने मनु भाकर को बीत दिनों मीडिया को इंटरव्यू देते हुए देखा। इतनी छोटी सी उम्र में वह कितने धीर-गंभीर अंदाज में अपनी बात रखती है। वह गीता का उदाहरण देते हुए सफलता के मर्म को समझाती है। मनु भाकर हिन्दी और अंग्रेजी में पूरे विश्वास के साथ सवालों के जवाब देती है। यही सही शिक्षा सिखाती भी है।

निशानेबाज मनु भाकर को अब सारा देश जानता है। पेरिस ओलंपिक खेलों में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भी चौथे स्थान पर रहीं। उनके पेरिस ओलंपिक खेलों में अभूतपूर्व प्रदर्शन से सारा देश प्रसन्न है। मनु भाकर सिर्फ अचूक निशानची ही नहीं हैं। वो तो देश के अधिकतर खिलाड़ियों के लिए भी एक तरह से प्रेरणा हैं। उन्होंने अपनी शिक्षा पर भी हमेशा भरपूर ध्यान दिया। हरियाणा के झज्जर शहर की रहने वाली मनु भाकर ने 10 वीं और 12 वीं की बोर्ड की परीक्षाओं में 90 पर्सेंट से अधिक अंक अर्जित किए। उसके बाद दिल्ली विश्वविद्लाय के लेडी श्रीराम कॉलेज (एलएसआर) से पालिटीकल साइँस आनर्स की डिग्री भी ली। एल० एस० आर० देश का चोटी का महिला कॉलेज माना जाता है। नोबल पुरस्कार विजेता और म्यांमार की शिखर नेता आंग सान सू ची यू ने 1964 में इसी लेडी श्रीराम कॉलेज से ग्रेजुएशन किया था। मुन भाकर का लेडी श्रीराम कॉलेज में पढ़ना इस बात की गवाही है कि उन्होंने अपनी पढ़ाई पर भी हमेशा फोकस रखा। इधर बीते कुछ सालों से हमारे अपने देश के बहुत सारे नामवर खिलाड़ियों ने स्कूल के बाद आगे की पढ़ाई नहीं की। ये कोई बहुत आदर्श स्थिति नहीं मानी जा सकती। आप कितने ही बड़े खिलाड़ी क्यों न हो जाएं, पर आप बेहतर इंसान और नागरिक तो ढंग से पढ़-लिखकर ही बनते हैं। महान फुटबॉलर चुन्नी गोस्वामी, क्रिकेटर अजीत वाडेकर और सुनील गावस्कर उन खेलों की दुनिया के शिखर नाम रहे हैं, जिन्होंने खेल के मैदान में जौहर दिखाते हुए अपनी पढ़ाई को नजरअंजाद नहीं किया। चुन्नी गोस्वामी और अजीत वाडेकर तो स्टेट बैंक में अहम पदों पर इसलिए पहुंचे, क्योंकि इनके पास सही डिग्रियां थीं। सुनील गावस्कर बीते पांच दशकों से सक्रिय हैं। पहले क्रिकेटर के रूप में और बाद के दशकों में बतौर लेखक और कमेंटेटर के। उनके पास क्रिकेट की गहरी समझ के अलावा शब्दों का भंडार भी है। वैसे खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने के आधार पर नौकरी तो बहुत सारे खिलाड़ियों को मिल ही जाती हैं। माफ करें, कई कथित खिलाड़ियों को जाली प्रमाणपत्रों के आधार पर भी नौकरियां मिलती रही हैं। यह भी सबको पता

है।

सारी दुनिया ने मनु भाकर को बीत दिनों मीडिया को इंटरव्यू देते हुए देखा। इतनी छोटी सी उम्र में वह कितने धीर-गंभीर अंदाज में अपनी बात रखती है। वह गीता का उदाहरण देते हुए सफलता के मर्म को समझाती है। मनु भाकर हिन्दी और अंग्रेजी में पूरे विश्वास के साथ सवालों के जवाब देती है। यही सही शिक्षा सिखाती भी है। आप पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के अधिकतर खिलाड़ियों को देख लें। जावेद मियांदाद, इंजमाम उल हक, शोएब अख्तर जैसे मशहूर खिलाड़ियों ने खेल के मैदान में भले ही बेहतरीन प्रदर्शन किए हों, पर वे जब बोलते हैं तो सच में बहुत अफसोस होता है कि बेहतर शिक्षा ना मिलने के कारण वे अपने व्यक्तित्व निर्माण में कितना पिछड़ गए। वे इंटरव्यू देते वक्त पूरी तरह से सड़क छाप ही लगते हैं।

बेशक, शिक्षा ही जीवन का आधार है और बिना शिक्षा के मनुष्य का जीवन अर्थहीन व दिशाहीन हो जाता है। एक सफल जीवन में सार्थक शिक्षा का विशेष महत्व होता है। शिक्षा जीवन का आधार है, और शिक्षा से ही मनुष्य अपने जीवन में आगे बढ़ता है, सही गलत में अंतर कर पाता है। शिक्षा और संस्कार एक-दूसरे के पूरक हैं। अगर आपके संस्कार सही है तो आपकी शिक्षा भी सही दिशा में जाएगी। मनु भाकर और दूसरे खिलाड़ियों के कोचों का दायित्व है कि वे युवा पीढ़ी को सही मार्ग दिखाएं, ताकि आने वाला कल अच्छा हो। उन्हें शिक्षा के महत्व की जानकारी दें।

मनु भाकर के अलावा भी हमारे यहां बहुत सारे खिलाड़ी साबित करते रहे हैं कि खेलों में सफलता के साथ-साथ पढ़ाई करना भी संभव है। यह सट है कि पेशेवर खिलाड़ी बनने के लिए बहुत समर्पण और मेहनत चाहिए। इसके अलावा, व्यक्ति को अपने खेल के शिखर पर पहुंचने के लिए बहुत कुछ त्याग करना पड़ता है। तमाम कठिनाइयों और संघर्षों के बीच, अधिकांश एथलीटों के लिए पढ़ाई पीछे छूट जाती है। पर इस तरह के खिलाड़ियों की भी कोई कमी नहीं है, जिन्होंने अपने खेल और पढ़ाई के बीच सही संतुलन बनाया और दोनों क्षेत्रों में कामयाबी हासिल की है। ये व्यक्ति बौद्धिक और शारीरिक शक्ति का शानदार उदाहरण हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम के हाल तक कोच रहे राहुल द्रविड़ को दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों को किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने सभी प्रारूपों में 23, 000 से अधिक रन हैं। राहुल द्रविड़ ने कॉमर्स में स्नातक की डिग्री भी हासिल की है, जिसे उन्होंने बैंगलोर के सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ कॉमर्स से प्राप्त किया। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए चुने जाने से पहले, वह एमबीए की पढ़ाई कर रहे थे। कर्नाटक और भारतीय टीम में राहुल द्रविड़ के साथी अनिल कुंबले ने सभी प्रारूपों में 900 से अधिक विकेट लिए हैं और टेस्ट और वनडे क्रिकेट में भारत के सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। कुंबले भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और कोच भी रहे हैं। उनके पास मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री है।

अब शतरंज के महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद की बात कर लेते हैं। विश्वनाथन आनंद पहले भारतीय शतरंज ग्रैंडमास्टर हैं। वह पांच बार के विश्व शतरंज चैंपियन हैं और उन्हें शतरंज के सर्वकालिक महानतम खिलाड़ियों में से एक माना जा सकता है। शतरंज के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों ने उनकी शिक्षा को बाधित नहीं किया। उनके पास चेन्नई के लोयोला कॉलेज से वाणिज्य में स्नातक की डिग्री है। यह हरेक इंसान को समझन होगा कि हमारे जीवन में शिक्षा का क्यों इतना महत्व है और हर व्यक्ति को शिक्षित होना क्यों जरूरी है? सबसे जरूरी बात यह है किशिक्षा हमें निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। शिक्षित लोग अपने जीवन के बारे में बेहतर निर्णय लेने में सक्षम होते हैं। इसके अलावा, शिक्षा हमें समाज में सक्रिय रूप से भाग लेने में सक्षम बनाती है। शिक्षित लोग अपने आसपास की दुनिया को बेहतर बनाने में योगदान दे सकते हैं। शिक्षा का कोई विकल्प नहीं है। मनु भाकर यह साबित करती है कि हरेक इंसान के लिए शिक्षा कितनी अहमियत रखती है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

मुकदमेबाजी में समझौता

भारत के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस ड़ीवाई चंद्रचूड़ ने दोटूक कहा है कि लोग अदालतों से "इतने तंग' आ गए हैं कि वे बस समझौता चाहते हैं। वे कहते हैं कि बस, अदालत से दूर करा दीजिए। जस्टिस चंद्रचूड़ विशेष लोक अदालत सप्ताह के दौरान शनिवार को एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र के रूप में लोक अदालतों की भूमिका पर प्रकाश ड़ालते हुए उन्होंने कहा कि लोगों में इस प्रकार की भावना उभरना बतौर जज हम लोगों के लिए गहन चिंता का विषय है। बेशक, लोगों का अदालती मामलों से त्रस्त होकर छुटकारा पाने उत्कट इच्छा न्याय व्यवस्था के लिए कोई अच्छी बात नहीं है। इससे संदेश यह निकलता है कि व्यवस्था लोगों की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पा रही है। और इसलिए उन्हें मजबूरी में मामलों में समझौता करने की राह चुनना बेहतर लगता है। समझौता कोई न्याय नहीं हैड्ड बल्कि मजबूरी में किया गया उपाय है, जो समाज में पहले से मौजूद असमानताओं को ही दशार्ता है। जैसा कि प्रधान न्यायाधीश ने भी इंगित किया है कि यह स्थिति अपने आप में सजा है। लोक अदालत की अवधारणा इस स्थिति से निजात दिलाती हैं जहां आपसी समझौते और सहमति से मामलों को सुलटाया जाता है और कोई भी अपने आप को मजबूर या न्याय से वंचित हुआ नहीं पाता। लोक अदालत से मामले का निस्तारण होने पर फैसले के खिलाफ अपील नहीं की जा सकती। सबसे अच्छी बात यह है कि फैसला परस्पर सहमति के आधार पर किया जाता है। कहना न होगा कि तमाम मामले ऐसे होते हैं, जिन्हें आपसी सहमति से सुलझाया सकता है। सबसे बड़ा तो यह कि लोक अदालत के माध्यम से न्याय दिया जाना अदालतों पर मुकदमों के भार को कम करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण उपक्रम है। यहां फैसला किसी भी रूप में थोपा हुआ करार नहीं दिया जा सकता। इसलिए जरूरी है कि लोक अदालत की अवधारणा को संस्था के रूप मजबूत किया जाए। न्याय की पहुंच आम नागरिकों तक सुनिश्चित करने की बात हमारे संविधान में निहित है, लेकिन नौबत यह है कि आम जन न्याय पाने की बजाय हलकान ज्यादा हो जाता है। यह स्थिति लोकतांत्रिक समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकती। जिस समाज में आम जन को न्याय पाने में हलकान होना पड़ जाए उसे किसी भी सूरत में अभीष्ट या आदर्श समाज नहीं कहा जा सकता।

कटाक्ष/ कबीरदास

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है।

शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है।

मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। रोटी और पानी जिस प्रकार शरीर की सुरक्षा और परिपुष्टि के लिए आवश्यक हैं उसी प्रकार आत्मिक स्थिरता और प्रगति के लिए सद्विचारों, सद्भावों की प्रचुर मात्रा उपलब्ध होनी ही चाहिए। युग निर्माण के लिए, आत्म निर्माण के लिए वह प्रधान साधन है। संकल्प की, मन की शुद्धि के लिए इसे ही दवा माना गया है।

ग्वालियर : क्या सुपर सीएम बनना चाहते हैं सिंधिया ?

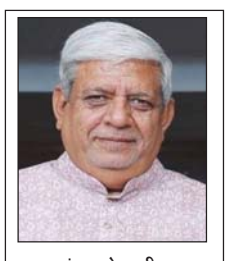

संजय गोस्वामी

केंद्रीय टेलीकॉम मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया इन दिनों फरार्टे भर रहे है। ग्वालियर-चंबल समभाग के वे पहले की तरह एक छत्र नेता बन गए हैं ,क्योंकि अब क्षेत्र में उनका कोई प्रतिद्वंदी केंद्र की राजनीति में नहीं है । 2024 के आम चुनाव से पहले नरेंद्र सिंह तोमर उनके लिए एक चुनौती थे,लेकिन अब भाजपा ने उन्हें विधानसभा का चुनाव लड़वाकर उन्हें विधानसभा अध्यक्ष बना दिया है । अब मजबूरी में ग्वालियर-चंबल संभाग के भाजपा नेताओं और कार्यताओं को सिंधिया के दरबार में हाजरी बजाना पड़ रही है।

केंद्रीय टेलीकॉम मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया 2020 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे ,भाजपा में हस्माइल होते ही पार्टी है कमान ने उन्हें न केवल राज्यसभा भेजा बल्कि केंद्रीय मंत्री भी बना दिया था ,लेकिन उनके सामने ग्वालियर के ही नरेंद्र सिंह तोमर थे । वे भी केंद्रीय मंत्री थे ,इसलिए केंद्र में विकास का श्रेय लेने की एक अघोषित दौड़ दोनों के बीच रहती थी। पार्टी कार्यकर्ता भी दो गुटों में बंटे हुए थे। जो सामंतवाद के विरोधी थे वे नव सामंतवाद के प्रतीक बने नरेंद्र सिंह तोमर के साथ खड़े होना पसंद करते थे। लेकिन अब आम चुनाव के बाद परिदृश्य बदल गया है। अब ग्वालियर -चंबल संभाग के लिए सिंधिया सुपर सीएम की हैसियत से सियासत कर रहे हैं।

आपको याद होगा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में इस समय मध्य प्रदेश से पांच सांसदों को केन्द्र में मंत्री बनाया गया है. इनमें शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, डॉ. वीरेन्द्र कुमार खटीक, सावित्री ठाकुर और दुगार्दास उईके शामिल हैं। इन पांचों में ज्योतिरादित्य सिंधिया सबसे वरिष्ठ हैं।वे पहली बार 2007 में केंद्रीय मंत्री बने थे । सिंधिया के मुकाबले शिवराज सिंह का संसदीय अनुभव हालाँकि ज्यादा है किन्तु केंद्र में वे पहली बार मंत्री बने हैं। उनसे पहले डॉ वीरेंद्र कुमार खटीक मंत्री बन चुके है। सावित्री ठाकुर और दुगार्दास उइके पहली बार मंत्री बने हैं। शिवराज सिंह और ज्योतिरादित्य सिंधिया को छोड़ बाकी के तीन केंद्रीय मंत्रियों का आभामंडल और कार्यक्षेत्र सीमित है । केंद्रीय मंत्री बनने के बाद शिवराज सिंह चौहान ने भी सिंधिया के क्षेत्र में दखल देने की हिम्मत नहीं दिखाई है।

प्रदेश में डॉ मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अघोषित रूप से सुपर सीएम के रूप में उभरने की कोशिश कर रहे है। उनकी मार ग्वालियर -चंबल समभाग तक ही सीमित नहीं है ,वे उज्जैन, इंदौर और भोपाल तक मार कर रहे हैं। मालवा ,और विंध्य के जन प्रतिनिधियों को भी सिंधिया के यहां मुजरा करना पड़ रहा है क्योंकि इन क्षेत्रों से केंद्र में कोई नेता नहीं है। डॉ वीरेंद्र खटीक बुंदेलखंड से बाहर नहीं निकले। सावित्री और दुगार्दास को अभी केंद्रीय मंत्री के रूप में अपनी पहचान बनाना है। ऐसे में अकेले ज्योतिरादित्य सिंधिया है जो सबकी जरूरत भी हैं और मजबूरी भी।

हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा आगरा-ग्वालियर छह लेन के राष्ट्रिय राजमार्ग की मंजूरी का श्रेय अकेले सिंधिया ने अपने खाते में दर्ज किया है। स्थानीय तीन अन्य सांसदों की इसमें कोई भूमिका नहीं गिनाई गयी । मुमकिन है कि हो भी नहीं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी कमोवेश सिंधिया की नयी हैसियत के प्रति नतमस्तक दिखाई दे रहे हैं। सिंधिया हालाँकि गुना के सांसद हैं किन्तु वे भिंड,मुरैना और ग्वालियर के सांसद की तरह भी काम कर रहे है। विकास कार्यों से संबंधित अनेक बैठकों में स्थानीय सांसदों को आमंत्रित तक नहीं किया जाता । नौकरशाही सिंधिया के इशारे के बिना पूरे संभाग में पत्ता भी नहीं हिला सकती।

भाजपा में एक बार फिर से उभरी सिंधियाशाही का ग्वालियर -चंबल अंचल को कितना लाभ मिलेगा ये तो अभी कहना कठिन है लेकिन ग्वालियर को एक गांव से शहर बनाने में सिंधिया लगातार नाकाम रहे है। वे २००२ से सक्रिय राजनीति में हैं। केंद्रीय मंत्री भी है किन्तु वे न तो ग्वालियर में तीन दशक से लंबित रोप-वे बनने दे रहे हैं और न शहर को स्मार्ट बनने दे रहे है। स्मार्ट सिटी परियोजना का अधिकाँश पैसा जयविलास पैलेस की चार दीवारी के संधारण और महल से मांडरे की माता मंदिर तक राजपथ बनाने पर खर्च किया जा चुका है। ग्वालियर में पुनर्घनत्वीकरण की दो बड़ी परियोजनाएं बीस साल से अधूरी पड़ीं हैं । ग्वालियर प्रदेश का ऐसा अकेला शहर है जहां 500 करोड़ की लागत से सिंधिया ने हवाई अड्डा तो बनवा दिया किन्तु वे अपने शहर में नगर बस सेवा शुरू नहीं करा पाए। इसका एक मात्र कारण ये है कि वे सब कुछ शाही सोचते और करते हैं।

ग्वालियर में एलिएवटेड रोड सिंधिया की कल्पना का एक बड़ा उदाहरण है लेकिन उसकी गति भी कछुआ चाल जैसी है । ग्वालियर का स्वर्ण रेखा नाला बदहाल है । शहर में एक हजार विस्तर का अस्पताल बन गया लेकिन वहां न पर्याप्त स्टाफ है और न सुविधाएं। सिंधिया के रहते ग्वालियर में अधूरी पड़ी परियोजनाओं

की लांबी फेरहिस्त है किन्तु कोई बोलने को तैयार नहीं।यहां तक कि ज्योतिरादित्य सिंधिया के पिता स्वर्गीय माधवराव सिंधिया के नाम पर तीन दशक पहले बनाया गया नया ग्वालियर साडा और ग्वालियर मेला प्राधिकरण तक बदहाल है ग्वालियर प्रदेश का अकेला ऐसा शहर है जहां कोई वाटरपार्क नहीं है। ग्वालियर के मुकाबले प्रदेश का उज्जैन शहर विकास की दौड़ में बहुत आगे निकल गया है। ग्वालियर सिंधिया के रहते अनियोजित विकास का सबसे कुरूप उदाहरण बना हुआ है। लेकिन ग्वालियर की एक ही सबसे बड़ी उपलब्धि है की उसके पास सिंधिया के रूप में एक सुपर सीएम जरूर है मध्यप्रदेश बनने के बाद से ग्वालियर का कोई विधायक सीएम नहीं बन पाया ,दिग्विजय सिंह एक अपवाद हैं। लेकिन उन्होंने आजतक अपने आपको ग्वालियर-चंबल का नेता नहीं माना।

जाति पर सियासी संग्राम

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर के लोकसभा में राहुल गांधी की जाति पूछे जाने के बाद से देश में जाति को लेकर माहौल गमार्या हुआ है। इससे पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने जाति आधारित जनगणना नहीं करने को लेकर लोकसभा में जो बयान दिया उसके बाद से इस विषय पर लगातार बहस जारी है। जातिगत जनगणना कराए जाने को लेकर पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने तर्क दे रहा है। विपक्ष लगातार जातिगत जनगणना कराए जाने के समर्थन में अनेक तर्क दे रहा है।

देश में जातीयता और फूट डालो राज करो की नीति का जो जहरीला बीज अंग्रेज डाल गए थे कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों के नेताओं ने उसे खाद-पानी देकर निरन्तर सींचा और अपनी जरूरतों के अनुसार इसका इस्तेमाल किया। आज यह जहर हमारी संपूर्ण फिजाओं में घुल चुका है ।

देश में जनगणना की शुरूआत 1881 में औपनिवेशिक शासन के दौरान हुई। जाति के आधार पर आबादी की गिनती को जातिगत जनगणना कहते हैं, इसके अंतर्गत जातियों की उपजाति का भी पता चलता है। उनकी सामाजिक, आर्थिक स्थिति का भी पता चलता है। देश में हर 10 साल में जनगणना होती है। साल 2011 में आखिरी जनगणना हुई थी और अब 2021 की जनगणना होनी बाकी है। पहले कोरोना महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था लेकिन अब इस प्रक्रिया को सरकार शुरू करना चाहती है। ऐसे में नेताओं ने 2021 की जनगणना में जाति आधारित जनगणना कराने की मांग शुरू कर दी। देश में अनुसूचित जाति और जनजाति की जनगणना इसलिए कराई जाती है क्योंकि संविधान के अंतर्गत उन्हें सदन के अंदर आरक्षण दिया गया है। देश में आखिरी बार जाति आधारित जनगणना 1931 में हुई थी। जब पाकिस्तान और बांग्लादेश भी भारत का ही हिस्सा थे। आजादी के बाद सरकार ने जातिगत जनगणना को नहीं कराने का फैसला लिया। इससे पूर्व 1951 में भी तत्कालीन सरकार के पास जाति आधारित जनगणना कराने का प्रस्ताव आया था लेकिन तब तत्कालीन गृहमंत्री सरदार पटेल ने उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। उनका मानना था कि जातीय जनगणना कराए जाने से देश का सामाजिक ताना-बाना बिगड़ सकता है। स्वतंत्र भारत में 1951 से 2011 तक की हुई हर एक जनगणना में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के आकड़े प्रकाशित किए गए हैं लेकिन किसी अन्य जातियों के नहीं। वैश्विक फलक पर भारत का लगातार बढ़ता हुआ कद कई बड़ी वैश्विक शक्तियों की आंख की किरकिरी बना हुआ है। ये वैश्विक शक्तियां नहीं चाहती कि भारत एक महाशक्ति के रूप में विश्व फलक पर उभरे। वह आज भी भारत को पिछड़ा और कमजोर राष्ट्र ही देखना चाहती हैं। वहीं, हमारे देश का विपक्ष ऐसे मुद्दों पर ऐसी शक्तियों के साथ लग कर देश में एक तरह से गृह युद्ध जैसा हाल पैदा कर रहा है। जातीय जनगणना की यह मांग जातिविहीन समाज की परिकल्पना के खिलाफ है।यह देश में सामाजिक भेदभाव को बढ़ाएगी और सामाजिक सद्भाव को कम करेगी। इस जातिगत जनगणना का एक विपरीत असर यह भी होगा कि जो जातियां जातीय जनगणना में ज्यादा है वे ताकतवर होगी। वे अपनी ताकत के बल पर अपने लिए हिस्सेदारी मागेंगी। इससे भी जातिवाद बढ़ेगा, समाप्त नहीं होगा। यह समानता के सिद्धांत के खिलाफ ही होगा। जाति आधारित जनगणना के पक्ष में विपक्ष का तर्क है कि यदि सभी जातियों की सही जानकारी पता चले तो उनकी स्थिति के अनुसार भावी योजनाएं बनाने में और लागू करने में सहजता होगी। इससे पिछड़ी जातियों को आर्थिक व राजनीतिक आधार पर सहायता प्रदान की जा सकेगी ताकि उनका विकास हो सके।

यह वही विपक्ष है और ये वही राहुल गांधी है जिनके परिवार ने सत्ता में रहते हुए नारा दिया था- न जात पर न पात पर, मुहर लगेगी हाथ पर। यदि जातीय जनगणना देश की समृद्धि का, उन्नति का आधार है तो कांग्रेस ने अपने शासनकाल के दौरान इसे क्यों लागू नहीं किया? कांग्रेस के शासनकाल में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, मनमोहन सिंह ने जातिगत जनगणना क्यों नहीं कराई ? जो राहुल गांधी विपक्ष में बैठ इसकी पैरवी कर रहे हैं वे संसद में अनुराग ठाकुर द्वारा जाति का प्रश्न पूछने पर हंगामा क्यों करने लगे? कांग्रेस और राहुल दोनों का यह दोहरा रवैया हमेशा से रहा है। राहुल गांधी यह बता दें कि संसद में जाति पूछना गलत और बाहर पूछना सही कैसे ठहराया जा सकता है?

यह विडंबना ही है कि इस जातिवाद को देश में बढ़ावा देने में सबसे ज्यादा योगदान समाजवादी धारा के राजनेताओं का ही है जिनके डॉ. राम मनोहर लोहिया मानते थे कि समाज में जैसे ही समता आएगी जातिवाद खत्म हो जाएगा। लेकिन उनके अनुयायियों ने जाति को तोड़ा नहीं बल्कि जातियों की राजनीति प्रारंभ कर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकी है। देश से इस जातिगत भेदभाव को खत्म करने और समाज में एकता, समरसता स्थापित करने हेतु अनेक महापुरुषों ने अपने संपूर्ण जीवन को अर्पित कर दिया। इसी जाति का फायदा उठा हमारी सनातन गौरवशाली राष्ट्रीय एकता, हमारी संस्कृति व परंपरा को कमजोर कर विदेशियों ने सैकड़ों सालों तक हम पर शासन किया। अनेक महापुरुषों व संतों कबीर, संत रैदास, महर्षि दयानंद सरस्वती, विवेकानंद, राजा राममोहन राय आदि ने सामाजिक समरसता बनाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। संत कबीर ने कहा है कि 'जात न पूछो साधु की पूछ लीजिए ज्ञान', संत रविदास ने कहा 'मन चंगा तो कठौती में गंगा।'

विपक्ष कितनी ही पिछड़ी जातियों के विकास की बात करे, असली मुद्दा यह है कि वह अपने हित और सत्ता प्राप्ति हेतु जाति को टूल के रूप में उपयोग करना चाहता है। वर्तमान में वे ओबीसी जातियों के भीतर इस हेतु दबाव डाल रहे हैं ताकि वे आरक्षण को 27% से बढ़ा कर अपनी संख्या के बराबर लाने का दावा मजबूती के साथ कर सकेंगे। इसके आधार पर सियासी पार्टियों को अपना राजनीतिक समीकरण व चुनाव से संबंधित रणनीति बनाने में बहुत मदद मिलेगी। उनकी दिलचस्पी ओबीसी की सटीक आबादी को जानने को लेकर है। इन्हीं को साध कर जाति संघर्ष को बढ़ावा देना और देश की राजनीति को अपने हिसाब से इस्तेमाल करना इनका प्रमुख लक्ष्य है। हमें इस जाति के जहर से सावधान रहने की जरूरत है। अब अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो का प्रयोग स्वीकार नहीं होगा। इस जातीय विमर्श के ठेकेदार, तथाकथित बुद्धिजीवी, नेता ,अर्बन नक्सली हमें लड़वा कर समाज को जातियों में, उपजातियो में तोड़ कर अपनी राजनीतिक रोटियां सेकना चाह रहे हैं और सिर्फ सत्ता हथियाने के लिए हमें एक टूल की तरह प्रयोग कर रहे हैं । देश की जनता को इस खेल को समझ इससे सावधान रहना होगा ।

– प्रो. मनीषा शर्मा (लेखिका, शिक्षाविद् और स्तम्भकार हैं)

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया |सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार` मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

एक बार फिर आगे खिसकेगी पुष्पा 2 की रिलीज डेट?

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पा 2- द रूल को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। ऐसा लग रहा है कि एक बार फिर पुष्पा 2 की रिलीज डेट को आगे बढ़ाया जा सकता है। हालांकि, यह चर्चाएं फिलहाल सोशल मीडिया पर चल रही हैं। इस बारे में निर्माताओं की ओर से पुष्टि नहीं की गई है। इन चर्चाओं की वजह है पुष्पा 2 के निर्माण में हो रही देरी। पहले भी फिल्म की शूटिंग में हो रही देरी के चलते फिल्म की रिलीज की तारीख को आगे खिसकाया गया था। दरअसल, फिल्म पहले इस साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यानी 15 अगस्त पर रिलीज होने वाली थी, जिसे स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद एलान किया गया कि अब यह फिल्म इस साल 6 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अब फिल्मी गलियारों में खबर है कि शूटिंग में देरी की वजह फहद फाजिल हैं। उन्होंने ही बल्क डेट्स नहीं दी थीं। विस्तार से बात करें तो फहाद ने पुष्पा 2 के लिए अपनी दो मलयालम फिल्मों की शूटिंग टाल दी है। हालांकि, जैसे ही फिल्म को 6 दिसंबर तक के लिए टाल दिया गया, शूटिंग में भी देरी हो गई। इससे फहाद परेशान हो गए और अब वह अपनी मलयालम फिल्मों में व्यस्त होने के कारण तारीखें नहीं दे रहे हैं। इन सब बातों ने फिल्म के शूट शेड्यूल को बिगाड़ दिया है और खबर है कि पुष्पा 2 को फिर से टाला जा सकता है। वहीं, अब खबर यह है कि फिल्म का नया शेड्यूल बहुत जल्द आरएफसी में शुरू होगा।

पौराणिक फिल्में बनाने के चलन को राम गोपाल वर्मा ने बताया खतरनाक

राम गोपाल वर्मा मशहूर भारतीय निर्देशक हैं, जिन्होंने कई शानदार फिल्में बनाई हैं। वह हिंदी के अलावा कन्नड और तमिल फिल्में भी बनाई हैं। उनकी फिल्में अक्सर काफी सुर्खियां बटोरती हैं। उनकी फिल्मों के अलावा वो भी अपने बयानों की वह से अक्सर काफी चर्चा में रहते हैं। हाल में ही उन्होंने देश में लगातार बन रहीं पौराणिक फिल्में और इस चलन पर अपनी राय जाहिर की है। दिग्गज निर्देशक बेबाकी से अपनी राय रखने के लिए जाने जाते हैं। हाल में ही गैलाटा प्लस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने पौराणिक फिल्मों के चलन को लेकर बात की है। उन्होंने इन फिल्मों को बनाए जाने को खतरनाक करार दिया है। उन्होंन कहा कि अतीत में ये फिल्में भले ही सफल रही हैं, लेकिन बिना विवाद पैदा किए इन फिल्मों की बॉक्स ऑफिस पर सफल होने की संभावना थोड़ी कम है। इस बातचीत के दौरान जब उनसे पूछा गया कि पौराणिक फिल्मों की कहानियों से दर्शकों के परिचित होने के बाद भी इन्हें क्यों बनाया जाता है। इस पर उन्होंने कहा, पौराणिक कहानियों पर फिल्में बनाना बहुत खतरनाक है। इसके दो कारण हैं, जो कहानियां लोगों को पहले से ही पता हैं और आप उन्हें अलग बनाने की कोशिश करते हैं,तो इसका उल्टा असर हो सकता है। आप हमारे देश में ऐसा नहीं कर सकते, क्योंकि इससे लोगों की आस्था जुड़ी है। दोनों ही तरह से मुझे लगता है कि यह काफी जोखिम भरा है।

उलझ में जान्हवी के अभिनय के कायल हुए अर्जुन कपूर

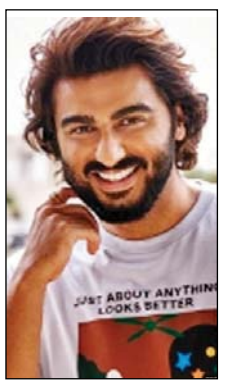

जान्हवी कपूर की फिल्म उलझ ने सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। इस फिल्म की तारीफ कई सितारों ने की है। अब इस लिस्ट में अभिनेत्री के भाई अर्जुन कपूर का नाम भी शामिल हो गया है। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म की जमकर तारीफ की है। उन्होंने फिल्म को लेकर एक लंबा नोट लिखा और लोगों से कहा कि इसे जरूर देखना चाहिए। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अर्जुन कपूर ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, उलझ एक शानदार जासूसी ड्रामा है, जिसमें फिल्म के हर किरदार ने बेहतरीन अदाकारी दिखाई है। यह एक मनोरंजक फिल्म है, जो बेहतरीन ढंग बनाई गई है। जान्हवी कपूर, आप अलग-अलग कंटेंट और जटिल किरदारों का चयन करती हैं। आप पर गर्व है। जासूसी सही तरीके से की गई है। शानदार अभिनय और अच्छे सिनेमा की सराहना करने वाले हर व्यक्ति को यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए। जान्हवी कपूर और गुलशन देवैया की यह थ्रिलर फिल्म 2 अगस्त को रिलीज हुई है।

यह मेरे करियर के लिए बहुत जरूरी फिल्म है वेदा

शरवरी वाघ अपनी आगामी बहुचर्चित फिल्म वेदा को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म में शरवरी के अलावा जॉन अब्राहम मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म 15 अगस्त को रिलीज के लिए तैयार है। हाल ही में, अभिनेत्री ने फिल्म में काम करने को लेकर अपना अनुभव साझा किया है और बताया है कि वेदा में काम करना उनके करियर के लिए कितना जरूरी था।

मुंजा और महाराज में अपने अभिनय का दमखम दिखाने के बाद शरवरी वाघ अपनी तीसरी फिल्म वेदा को लेकर हर तरफ सुर्खियां बटोर रही हैं। उम्मीद है कि शरवरी की यह फिल्म उनकी हिट लिस्ट की हैट्रिक साबित होगी। फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों का खूब प्यार मिला है। अब अभिनेत्री के फैंस इसकी रिलीज का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वेदा में अपने किरदार को मिल रहे प्यार के लिए शरवरी ने फिल्म के निर्देशक को धन्यवाद दिया है। शरवरी ने कहा, मैं अभी हर तरफ से मिल रही तारीफ का आनंद ले रही हूं। मुझे लगता है कि मेरी जिंदगी में यह पल सिर्फ और सिर्फ निर्देशक निखिल आडवाणी की वजह से ही आ पाया है, उन्होंने मुझ पर अटूट विश्वास किया है। मैंने कला के प्रति अपने प्यार की वजह से ही अभिनेत्री बनने का फैसला किया था। मेरे लिए फिल्म की कहानी बहुत जरूरी है, इसलिए लोग निखिल सर का विजन पसंद कर रहे हैं। फिल्म वेदा के बारे में बात करते हुए शरवरी ने कहा, फिल्म को लेकर मुझे यह पूरी उम्मीद है कि वेदा एक बड़ी सफल फिल्म बनकर उभरेगी। मुझे लगता है कि अपनी फिल्मों को लेकर मैं बहुत लालची हूं। मैं चाहती हूं कि मेरी सारी फिल्में हिट लिस्ट का हिस्सा बने। मैं जब इस इंडस्ट्री में आई तो मेरी पहली फिल्म उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। मुझे एक हिट मिलने के लिए करीब तीन साल तक इंतजार करना पड़ा था। निर्देशक का आभार जताते हुए अभिनेत्री ने कहा, मैं निखिल आडवाणी सर की हमेशा आभारी रहूंगी, उन्होंने मुझपर तब विश्वास किया, जब इंडस्ट्री के कुछ लोग ही मेरे सपोर्ट में थे। एक मेरे लिए एक कर्ज जैसा है, जिसे मैं शायद कभी भी नहीं चुका पाऊंगी।

मैंने हमेशा अपने बारे में अच्छी अफवाहें सुनी हैं

तेलुगू सिनेमा में अपने काम के लिए मशहूर अभिनेत्री प्रज्ञा जायसवाल जल्द ही अपकमिंग फिल्म खेल खेल में से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हमेशा उन्होंने अपने बारे में सकारात्मक अफवाहें सुनी हैं और उम्मीद जताई कि ये अफवाहें सच हों। शुक्रवार को मुंबई में ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान प्रज्ञा से पूछा गया कि क्या किसी अफवाह ने उनके घर में हलचल मचाई है। प्रज्ञा ने जवाब दिया, मैंने अपने बारे में कभी कोई नकारात्मक अफवाह नहीं सुनी। मेरे सामने आई सभी अफवाहें अच्छी और सकारात्मक रही हैं। फिल्म एनबीके 109 के लिए नंदमुरी बालकृष्ण के साथ काम कर रहीं अभिनेत्री ने विभिन्न उद्योगों में काम करने के अपने अनुभव शेयर किए। प्रज्ञा ने कहा, ये दोनों अनुभव अद्भुत हैं। मैं दो अलग-अलग उद्योगों और भाषाओं में काम करने के लिए आभारी हूं। मैं केवल अच्छी फिल्मों, अच्छी कहानियों का हिस्सा बनने और यादगार किरदार निभाने का प्रयास कर रही हूं। मुझे खुशी है कि मुझे ये अवसर मिल रहे हैं। भाषा मेरे लिए ज्यादा मायने नहीं रखती। मैं सिर्फ अच्छा काम करना चाहती हूं। खेल खेल में अक्षय कुमार, एमी विर्क, वाणी कपूर, तापसी पन्नू, फरदीन खान, आदित्य सील और प्रज्ञा जायसवाल हैं।

इस दिन होगा प्रभास की फिल्म का शुभारंभ

साउथ सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपनी फिल्म कल्कि 2898 एडी की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इसके साथ ही वे अपनी नई फिल्म राजा साब को लेकर भी चर्चा में बने हुए हैं। इस बीच प्रभास अपनी एक और नई फिल्म का एलान करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, वे आधिकारिक तौर पर फिल्म का एलान अगस्त में करेंगे। हालांकि, उससे पहले ही फिल्म को लेकर कई दिलचस्प जानकारियां सामने आ रही हैं। अगले महीने फिल्म का एलान किया जाएगा। फिल्म निर्देशन हनु राघवपुडी कर रहे हैं, जो इससे पहले दुलकर सलमान और मृणाल ठाकुर के साथ सीता रामम फिल्म बना चुके हैं। प्रभास की नई फिल्म एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा होगी। वहीं अब फिल्म की आधिकारिक पूजा समारोह को लेकर नई जानकारी सामने आई है। फिल्म का प्री प्रोडक्शन तेजी से चल रहा है।

फिल्म को लेकर ताजा जानकारी यह है कि इस फिल्म का पूजा समारोह 17 अगस्त, 2024 को हैदराबाद में होगा। खबरों के अनुसार, प्रभास के इस समारोह में शामिल होने की संभावना है। ऐसे में यह साफ है कि पूजा समारोह के साथ ही फिल्म का आधिकारिक एलान हो जाएगा। इसके साथ ही फिल्म से जुड़ी अन्य जानकारी सामने आने की भी उम्मीद है। यह फिल्म एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा है और महान स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के शासनकाल पर आधारित होगी। फिल्म में प्रभास आजाद हिंद फौज के सिपाही की भूमिका में नजर आएंगे। इसके लिए रामोजी फिल्म सिटी में एक बड़ा सेट भी बनाया जा रहा है। मैत्री मूवी मेकर्स इस फिल्म को बड़े बजट में बना रहे हैं। वहीं फिल्म में मुख्य नायिका का किरदार निभाने के लिए अभिनेत्री मृणाल ठाकुर से बातचीत चल रही है।

...तो क्या प्रोडक्शन हाउस की जिम्मेदारी से भी रिटायर होंगे आमिर खान?

अभिनेता आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने इस साल अभिनय की दुनिया में डेब्यू किया है। फिल्म महाराज से उन्होंने अपनी अभिनय प्रतिभा से दर्शकों को रूबरू कराया। हालांकि, फिल्म बड़े परदे पर नहीं, बल्कि ओटीटी पर रिलीज हुई, लेकिन काफी पसंद की गई है। इस फिल्म के दौरान मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर ने बेटे की कितनी मदद की और शूटिंग के दौरान सेट पर कितनी बार गए? हाल ही में जुनैद ने कुछ दिलचस्प बातें शेयर की हैं।

इस तरह प्रोडक्शन की दुनिया में भी आए

जुनैद अपनी पहली फिल्म की सफलता से बेहद खुश हैं। हाल ही में एक मीडिया पोर्टल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने फिल्मांकन के दौरान अपने पिता के सहयोग, उनके प्रभाव और आमिर खान प्रोडक्शंस को संभालने की अपनी योजनाओं पर चर्चा की। बातचीत में जुनैद से प्रोडक्शन में उनकी शुरुआती भागीदारी के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि अभिनेता आमतौर पर अपने करियर में बाद में फिल्म निर्माण जैसी भूमिकाओं में आते हैं, लेकिन उन्होंने प्रीतम प्यारे के साथ प्रोडक्शन का काम शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि फिल्म सेट पर उनके अनुभवों ने उन्हें प्रोडक्शन में आने के लिए प्रेरित किया। इनमें पीके पर उनका काम और कुछ विज्ञापन शूटिंग में सहयोग जैसी चीजें शामिल रही हैं।

आमिर ने बेटे से कही रिटायर होने की बात

इस दौरान जुनैद ने यह भी जिक्र किया कि उनके पिता चाहते हैं कि प्रोडक्शन हाउस की जिम्मेदारी अब वही संभालें। जुनैद ने कहा कि महाराज की शूटिंग के बाद किरण राव लापता लेडीज बना रही थीं। इस दौरान उनके पिता पूरे समय मैं रिटायर होने वाला हूं फेज से गुजर रहे थे। जुनैद ने बताया कि उनके पिता ने इस बारे में उनसे बाकायदा बात की और कहा, मैं रिटायर हो रहा हूं, तुम क्यों नहीं इसे संभाल लेते। जुनैद ने कहा कि उन्हें लगता है कि उन्हें प्रोडक्शन की अच्छी समझ है, जिसे वे फिल्म निर्माण के सबसे कठिन पहलुओं में से एक मानते हैं।

सिर्फ एक दिन ही गए सेट पर

बातचीत के दौरान जुनैद से पूछा गया कि महाराज की शूटिंग के दौरान क्या आमिर कभी फिल्म के सेट पर गए थे? जुनैद ने कहा कि उनके पिता सिर्फ शूटिंग के पहले दिन ही सेट पर आए थे। इस दौरान उनके तीन दादा-दादियां भी साथ आए। इसके बाद उन्होंने सीधे फिल्म देखी। जुनैद ने कहा कि उनके पिता को फिल्म काफी पसंद आई। वे एक सहज दर्शक हैं, जबकि उनकी मां एक कठोर क्रिटिक हैं।

फिल्म में अजय देवगन का युवा किरदार निभाने पर शांतनु बोले माहेश्वरी

फिल्म औरों में कहां दम था में शांतनु माहेश्वरी ने अजय देवगन के किरदार का यंग वर्जन निभाया है। ऐसे में अभिनेता ने हाल ही में अजय को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि उनके साथ उनका कुछ कर्म संबंध है।

अभिनेता शांतनु माहेश्वरी इन दिनों फिल्म औरों में कहां दम था में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में उन्होंने अजय देवगन के किरदार का यंग वर्जन निभाया है। इस फिल्म से पहले भी दोनों एक साथ काम कर चुके हैं। दोनों संजय लीला भंसाली की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में साथ काम कर चुके हैं। हालांकि, दोनों ने एक साथ कोई किरजार नहीं निभाया है। हाल ही में शांतनु माहेश्वरी ने अजय देवगन के हुनर और सिनेमा की उनकी समझ को लेकर तारीफ की है।

अजय देवगन के साथ कुछ तो कनेक्शन है

शांतनु माहेश्वरी ने हाल ही में एक बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि अजय सर के साथ मेरा कुछ कर्म संबंध है। मैंने जब शो जीता था, तब उन्होंने ही मुझे खतरों के खिलाड़ी की ट्रॉफी दी थी। गंगूबाई काठियावाड़ी में उनकी उपस्थिति और अब मैं औरों में कहां दम था में उनका युवा रोल निभा रहा हूं। मेरा मतलब है कि कुछ तो कनेक्शन है।

सुपरस्टार के साथ काम करके उत्साहित हैं शांतनु

उन्होंने आगे अजय देवगन की तारीफ करते हुए कहा, मुझे ईमानदारी से लगता है कि वह हमारी इंडस्ट्री के उन कुछ सुरस्टार्स में से एक हैं, जो अपने प्रोजेक्ट्स के चुनाव में बहुमुखी रहे हैं। यह उनकी सभी फिल्मों को क्रेडिबिलिटी देता है। मैं वास्तव में उनके काम के चुनाव की प्रशंसा करता हूं। उनके साथ जुड़ना वास्तव में मेरे लिए सम्मान की बात है।

औरों में कहां दम था में नजर आए ये सितारे

शांतनु ने फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में एक प्रेमी लड़के अफशान रजाक की भूमिका निभाई थी। आलिया भट्ट द्वारा अभिनीत इस फिल्म में विजय राज, इंदिरा तिवारी, सीमा पाहवा और जिम सर्भ जैसे कलाकार नजर आए थे। वहीं, फिल्म औरों में कहां दम था की बात करें तो अजय देवगन स्टारर इस फिल्म में तब्बू, जिमी शेरगिल और सई मांजरेकर जैसे सितारे भी नजर आए हैं। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित ये रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।

लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए सफर शुरू हो चुका है, मनु भाकर ने भारत पहुंचकर दी पहली प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। : पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर ने बुधवार को कहा कि उनकी निगाहें अभी से 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर लगी हुई हैं और वह भविष्य में लगातार अच्छे नतीजे देने के लिए कड़ी मेहनत करती रहेंगी। मनु भाकर (22 वर्ष) ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा और सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश के लिए ओलंपिक इतिहास रच दिया।

स्वदेश लौटी मनु ने कहा, 'एक ओलंपिक के खत्म होने के बाद अब मेरे दिमाग में अगला ओलंपिक चल रहा है और इसके लिए सफर शुरू हो चुका है। अब पेरिस के बाद लॉस एंजिलिस ओलंपिक की यात्रा शुरू हो चुकी है और थोड़े ब्रेक के बाद मैं इसकी तैयारी शुरू कर दूंगी।' उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मेरा प्रदर्शन इस बार की तरह अच्छा रहेगा। मैं कड़ी मेहनत करके अच्छा प्रदर्शन करती रहूंगी।'

मनु स्वतंत्रता के बाद एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनी। वह 25 मीटर पिस्टल में तीसरा कांस्य जीतने के करीब भी पहुंच गई थीं लेकिन इससे चूककर चौथे स्थान पर रहीं। उन्होंने कहा, 'अगले तीन महीनों में बहुत से लोग मुझसे मिलना चाहेंगे और फिर मैं अपने परिवार के साथ समय बिताऊंगी। थोड़ा आराम करूंगी और अपनी फिटनेस पर काम करके फिर निशानेबाजी ट्रेनिंग शुरू करूंगी।' सैकड़ों प्रशंसकों और उनके परिवार ने मनु का जोरदार स्वागत किया। यह युवा खिलाड़ी शनिवार को पेरिस लौटेगी और रविवार को ओलंपिक समापन समारोह में भारत की ध्वजवाहक बनेगी। वहीं उनके कोच जसपाल राणा ने कहा कि वह अगले तीन महीने तक निशानेबाजी नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि मनु तीन महीने तक रेंज से दूर रहेंगी लेकिन अपनी मानसिक और शारीरिक ट्रेनिंग जारी रखेंगी। राणा ने कहा, 'तीन महीने तक वह ट्रेनिंग से दूर रहेंगी। लेकिन शारीरिक और मानसिक ट्रेनिंग जारी रखेंगी जैसे वह योगा करती रहेंगी। लेकिन निशानेबाजी की ट्रेनिंग नहीं करेंगी।'

हमेशा से ही पहले प्रयास में फिनिश करना चाहता था : नीरज

पेरिस (एजेंसी)। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने पर खुशी जताते हुए कहा है कि उनका प्रयास एक ही शॉट में फिनिश करना रहता है। नीरज ने कहा कि वह हमेशा ही पहले प्रयास में फिनिश करना चाहते हैं हालांकि ये हमेशा ही काम नहीं आता। चोपड़ा ने ग्रुप बी क्वालीफिकेशन में अपने पहले ही प्रयास में 89.34 मीटर का थ्रो किया जो उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो उन्होंने 2022 में हासिल किया था। उन्होंने इस प्रदर्शन के बाद कहा, 'मैं पहले प्रयास में अच्छा करने की कोशिश करता हूं पर यह हमेशा प्रभावी नहीं होता।'

उन्होंने कहा, 'ऐसा पहले भी हुआ है जब मेरा शुरुआती थ्रो अच्छा नहीं रहा है पर मैं पहले प्रयास में बेहतर करने की कोशिश करता हूं।' चोपड़ा के प्रदर्शन ने उनकी चोट को लेकर चिंताओं को भी दूर कर दिया। उन्होंने कहा कि वह गुरुवार को होने वाले फाइनल को लेकर बेहतर हालत में थी। इस खिलाड़ी ने कहा, 'मैं अब बेहतर हूं। मैं फाइनल पर ध्यान केंद्रित करूंगा। मैं इसे ध्यान में रखने और ठीक से अभ्यास करने की कोशिश कर रहा हूं। मैं अब बेहतर महसूस कर रहा हूं। मैं फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा।'

चोपड़ा ने स्वीकार किया कि फाइनल में चुनौती पूरी तरह से अलग होगी। उन्होंने कहा, 'फाइनल में हर किसी की मानसिकता अलग होती है। हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि हमने अच्छी शुरुआत की है और हम फाइनल के लिए जितना बेहतर तैयार होंगे, उतना बेहतर होगा।' उन्होंने कहा, 'मैं बहुत आश्वस्त हूं और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हूं। मैं फाइनल के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ बचाने की कोशिश कर रहा हूं। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और बेहतर तैयारी के साथ आने की कोशिश करूंगा।'

बांग्लादेश में टी20 महिला विश्वकप के आयोजन पर संशय छाया

-आईसीसी रख रही हालातों पर नजरें

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में जारी हिंसा और बदलते हुए घटनाक्रम को देखते हुए अब अगले साल वहां टी20 विश्वकप का होना संभव नजर नहीं आ रहा है। शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद देश में अराजकता और लूटपाट का माहौल है। देश में अब सेना के साथ में सत्ता आ गयी है। इसको लेकर अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है पर जिस प्रकार के हालात है उसमें किसी भी देश के खिलाड़ी वहां का दौरा नहीं करना चाहेंगे। पिछले महीने श्रीलंका के कोलंबो में हुई आईसीसी की वार्षिक आम बैठक में बांग्लादेश में खराब माहौर को लेकर बात उठी थी। आईसीसी का कहना है कि स्थिति पर उसकी नजरें लगी हैं। अभी आयोजन में कई माह शेष हैं, ऐसे में अभी से कोई फैसला नहीं लिया जा सकता है। साथ ही कहा कि अगर ऐसे ही हालात रहे तो किसी अन्य स्थान पर विश्वकप का आयोजन होगा। अगर विश्वकप की मेजबानी नहीं मिलती है तो ये बांग्लादेश महिला क्रिकेट के लिए बड़ा झटका होगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दस टीमों का महिला टूर्नामेंट तीन से 20अक्टूबर तक आयोजित होने वाला है। अब इसके लिए अन्य स्थलों को भी देखा जाएगा।

ओलिम्पिक पदक के सपने को पूरा करने में शरीर को चुकानी पड़ रही भारी कीमत : पाजोन

पेरिस (एजेंसी)। ओलंपिक में पदक जीतने हर खिलाड़ी का सपना होता है और इसके लिए वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं पर कई बार इसकी उन्हें भारी कीमत भी चुकानी पड़ती है। ओलंपिक में खिलाड़ियों के चोटिल होने का आंकड़ा लगातार बढ़ा है। कोलम्बियाई मूल की मारियाना पाजोन दुनिया की सबसे कुशल बीएमएक्स. राइडर्स में से एक है और उसके नाम दो ओलंपिक स्वर्ण पदक सहित कई रिकार्ड हैं पर पाजोन ने इसे पाने के लिए काफी दर्द भी झेला है। उनके शरीर में 25 फ्रैक्चर हो चुके हैं। 12 जगह स्क्रू डाले गए हैं जबकि 8 बार सर्जरी हुई है। उनके बाएं हाथ और घुटने में कई धातु की रॉड डली हुई है। पाजोन का कहना है कि उसके जोड़ 80 से अधिक साल के व्यक्ति की तहर हो गये हैं जबकि उनकी उम्र केवल 32 साल ही है। पाजोन के अलावा, कुश्ती, रग्बी या जिमनास्टिक के कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिनके शरीर कठिन हालातों में है। कई खिलाड़ियों के कंधे टूट जाते हैं। उनके शरीर में धातु के स्क्रू और टाइटेनियम प्लेट्स डली हुई हैं। पाजोन ने कहा कि एक सपने को हासिल करने के लिए शरीर को कितनी कीमत चुकानी पड़ती है ।वहीं टोक्यो में फ्रीस्टाइल कुश्ती 74 किलोग्राम में कांस्य पदक जीतने वाले अमरीकी काइल डेक ने कहा कि बहुत से एथलीट्स अपने शरीर

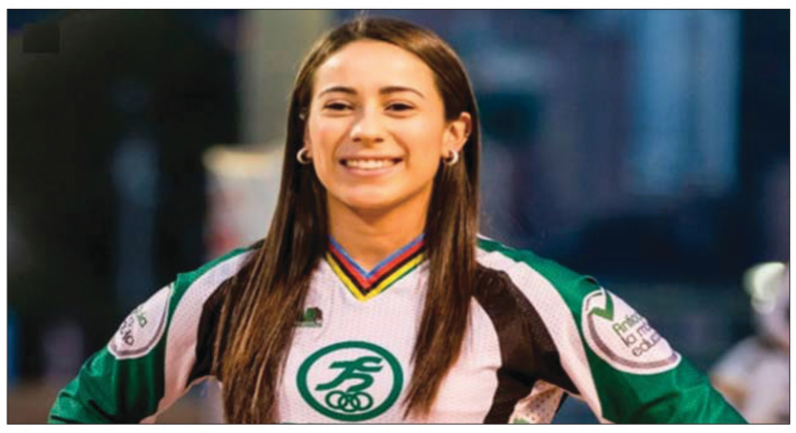

को उस हाल तक ले जाते हैं जहां वह देखना चाहते हैं कि इससे आगे क्या होगा।

इसी तरह जिम्नास्टिक में जोड़ों पर लगातार भारी दबाव पड़ता है। मुक्केबाजी में शरीर पर घूंसे मारे जाते हैं। कुश्ती में शरीर को मोड़कर चटाई पर पटक दिया जाता है। रग्बी सेवन्स में खिलाड़ी अक्सर पूरी गति से दौड़ते हुए एक-दूसरे से निपटते हैं। फील्ड हॉकी में स्टिक ऊंगलियों को इतनी जोर से कुचल सकती है कि इसे काटना तक पड़ सकता है। घुड़सवारी के खेल में घोड़ों से गिरने से सवारों के शरीर पर चोट लगती है। अमरीका के 44 वर्षीय बॉयड मार्टिन की 22 सर्जरी हुई हैं और 19 हड्डियां टूटी हैं। टोक्यो खेलों में रजत पदक जीतने वाले न्यूजीलैंड के 28 वर्षीय रग्बी सेवन्स खिलाड़ी एंड्रयू न्यूस्टब बताते हैं कि जब मैं सुबह उठता हूं तो मेरा शरीर वास्तव में दर्द करता है। मैं 2 ए.सी.एल. टूटने और अपने बाएं घुटने में संक्रमण पर काबू पाकर यहां पहुंचा हूं।

विनेश के अयोग्य घोषित होने से गुरु महावीर फोगाट भावुक हुए, अगले ओलंपिक में वापसी करेगी

भिवानी । पेरिस ओलंपिक में वजन अधिक होने के कारण भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को फाइनल से ठीक पहले आयोग्य घोषित किये जाने से उनके गुरु महावीर प्रसाद की आंखों से आंसू आ गये। महावीर प्रसाद विनेश के ताऊ हैं। उन्होंने कहा कि अब विनेश साल 2028 में होने वाले ओलंपिक में उतरेगी। भारत के लिए पेरिस ओलंपिक से बुरी खबर है. ओलंपिक में कुश्ती के फाइनल में पहुंचने वाली महिला पहलवान विनेश का वजन सुबह कुछ ग्राम ज्यादा निकलने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। विनेश ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी थीं। उन्हें आज देर रात स्वर्ण पदक का मुकाबला खेलना था पर उससे ठीक पहले वजन लिये जाने के समय उनक वजन 100 ग्राम अधिक पाया गया। ऐसे में नियमों के अनुसार उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। गुरु को भरोसा था कि विनेश इस बार ओलंपिक में स्वर्ण जीतेगी पर वजन वर्ग में अयोग्य घोषित होने से उन्हें बड़ा झटका लगा है।

आरसीबी जा सकते हैं राहुल

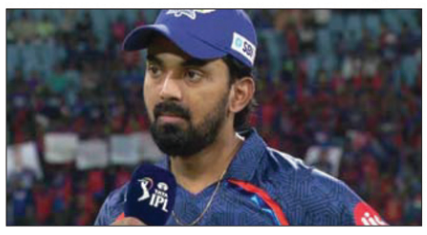

मुम्बई । आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल अगले सत्र में किसी और टीम से खेलते हुए दिख सकते हैं। इसका कारण ये है कि राहुल और लखनऊ सुपर जायंट्स प्रबंधन में मतभेद गहरा गये हैं ।एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले सत्र में जिस प्रकार से फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयनका भड़के थे उससे राहुल नाराज हैं हालांकि इस बहस के बाद गोयनका ने राहुल को खाने पर बुलाया था और उनके बीच अच्छी बातचीत हुई थी। तब लगा था कि दोनों के बीच सब कुछ ठीक है पर ये बात गलत निकली। राहुल 2022 में टीम से जुड़े थे और तब से उन्होंने टीम को हर बार प्लेऑफ में पहुंचाया पर टीम । टूर्नामेंट के नॉकआउट स्तर तक नहीं पहुंच पायी। पिछले सत्र में टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही थी। वहीं अब एक रिपोर्ट के मुताबिक राहुल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से फिर जुड़ सकते हैं। फ्रेंचाइजी को भी एक ऐसे भारतीय खिलाड़ी की तलाश है, जो कप्तानी कर सके। आरसीबी आज तक आईपीएल नहीं जीत है। उसने विराट कोहली के बाद दक्षिण अफ्रीका के फाफ डुप्लेसी को भी कप्तान बनाया पर उसकी एक न चली। ऐसे में अब वह राहुल को कप्तान बनाना चाहती है। 2022 में विराट ने लंबे समय के बाद आरसीबी की कप्तानी छोड़ी थी और उसके बाद डुप्लेसी टीम के नए कप्तान बने थे पर उनकी बढ़ती उम्र को देखते हुए प्रबंधन अब किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी देना चाहता है। 40 वर्षीय फाफ ज्यादा समय तक फ्रेंचाइजी का साथ नहीं सकते हैं। राहुल पहले भी टीम में रहे है जिससे प्रबंधन उनके बारे में अच्छी प्रकार से जानता है।

चयनकर्ताओं, कोच और कप्तान को भरोसा है, हमें आप पर विश्वास है: पराग से बोले कोहली

कोलंबो (एजेंसी)। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण कर रहे रियान पराग को उनकी एकदिवसीय कैप देते हुए उनकी तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें चयनकर्ताओं, मुख्य कोच और कप्तान का भरोसा हासिल है।

कोहली ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच से पहले पदार्पण कर रहे पराग को एकदिवसीय कैप सौंपी। तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में 0-1 से पिछड़ने के बाद भारत ने यहां आर प्रेमदासा स्टेडियम में तीसरे और अंतिम मैच से पहले पराग को पदार्पण का मौका दिया। खेल शुरू होने से पहले एक छोटे से समारोह में कोहली ने बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कहा, 'रियान (पराग), सबसे पहले भारत के लिए अपना पहला

मैच खेलने के लिए बधाई।'

उन्होंने कहा, 'आज के क्रिकेट में हम सभी जानते हैं कि प्रदर्शन के अलावा, जो लोग आपके चयन के लिए जिम्मेदार हैं, वे आपको देख रहे थे और उन्होंने आपके अंदर कुछ खास देखा है।' कोहली ने कहा, 'जीजी भाई (मुख्य कोच गौतम गंभीर), चयनकर्ताओं, रोहित (शर्मा) और सभी से बात की है और उन्होंने आपके अंदर कुछ खास देखा है।'

कोहली ने कहा कि पराग के लिए पदार्पण करने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता था क्योंकि भारत श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला में हार से बचने के दबाव में है। पहला एकदिवसीय रोमांचक टाई पर समाप्त होने के बाद भारत ने दूसरा मैच 32 रन से गंवा दिया। कोहली ने कहा, 'आपके पास भारत के लिए मैच विजेता बनने की क्षमता है। मुझे पता है कि आपको यह विश्वास है, मैं आपको कुछ समय से जानता हूं और हम सभी को आप पर यह विश्वास है।' उन्होंने कहा, 'आज, 0-1 से पिछड़ने के बाद, अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने के लिए इससे बेहतर समय नहीं हो सकता। मैदान, गेंद, बल्ले और क्षेत्ररक्षण में प्रभावशाली उपस्थिति के साथ मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं। कैप 256, रियान पराग।'

पेरिस ओलंपिक : ऑस्ट्रेलियाई हॉकी खिलाड़ी कोकीन खरीदने की कोशिश के बाद हिरासत में

पेरिस। पेरिस अभियोक्ता कार्यालय के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई ओलंपिक फील्ड हॉकी टीम के एक सदस्य को कोकीन खरीदने के प्रयास के बाद यहां हिरासत में लिया गया। कार्यालय ने एक बयान में कहा कि पुलिस ने मंगलवार की रात पेरिस में एक इमारत के बाहर ड्रग लेन-देन रोका। उन्होंने कहा कि जांच के लिए यह मामला पुलिस की ड्रग रोधी इकाई को सौंप दिया है। अभियोक्ताओं ने कहा कि यह कथित खरीदार ऑस्ट्रेलियाई फील्ड हॉकी टीम का 28 वर्षीय सदस्य था और 17 वर्षीय कथित विक्रेता को भी हिरासत में लिया गया। ऑस्ट्रेलियाई ओलंपिक समिति ने एक बयान में कहा कि कोई आरोप दायर नहीं किया गया है और कहा कि वह टीम के सदस्य के लिए सहायता की व्यवस्था कर रही है। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों और पेरिस अभियोक्ताओं ने खिलाड़ी का नाम जारी नहीं किया है। ऑस्ट्रेलियाई पुरुष और महिला टीम पेरिस ओलंपिक में क्वार्टरफाइनल से बाहर हो गई थीं। पुरुष टीम ने 2021 तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता था।

इस सत्र के बाद मुख्य कार्यकारी का पद छोड़ देंगे हॉकले

मेलबर्न । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने कहा है कि वह इस सत्र के बाद अपने पद पर नहीं रहेंगे । हॉकले पिछले पांच साल से मुख्य कार्यकारी बने हुए हैं । पिछले एक दशक से अधिक समय से सीए से जुड़े हॉकले ने साल 2020 में केविन रॉबर्टस के इस्तीफे के बाद ही मुख्य कार्यकारी का पद संभाला था । हॉकले ने कहा, 'यह फैसला करना मेरे लिए कठिन रहा है पर इन गर्मियों में शानदार क्रिकेट सत्र के वादे और अपनी पांच वर्ष की रणनीतिक योजना को आगे बढ़ाने के बाद नई चुनौती को स्वीकार करने का यह सही समय है । उन्होंने साथ ही कहा, 'अभी पद छोड़ना सही नहीं है क्योंकि मेरा पूरा ध्यान आगामी सत्र और बोर्ड में ठीक से कामकाज के तरीके में बदलाव करने और उसे आगे बढ़ाने को लेकर है । वहीं सीए अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने भी कहा है कि हॉकले अगले सत्र से पद पर नहीं रहना चाहते हैं । उन्होंने हॉकले की प्रशंसा करते हुए कहा है कि सीईओ के रूप में, निक ने महामारी के दौरान कठिन चुनौती के दौर में खेल को संभाला और विकास और स्थिरता को गति दी । उनका पूरा ध्यान हमारे प्रशंसकों, खिलाड़ियों, प्रसारकों, साझेदारों और पूरे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए एक और सफल ग्रीष्मकाल सत्र प्रदान करने पर है और अगले वर्ष जब वह पद से हटेंगे तो उनकी विरासत और उपलब्धियों को हमें आगे बढ़ाना होगा ।

हरिका प्रज्ञानन्दा नें जीता विश्व टीम ब्लिट्ज़ में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक , अर्जुन को रजत पदक

अस्ताना , कज़ाकिस्तान । विश्व टीम रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज चैंपियनशिप के खिताब वैसे तो अल एन और डबल्यूआर टीम नें अपने नाम किए है और एमजीडी 1 और चैसी जैसी टीमों नें भी शानदार प्रदर्शन किया ,लेकिन इन टीम की सफलताओं में भारतीय खिलाड़ियों नें भी अपना योगदान दिया है और इसका असर व्यक्तिगत पदक तालिका में साफ नजर आ रहा है , टीम एमजीडी 1 जिसमें ब्लिट्ज़ में उपविजेता का स्थान हासिल किया उसमें हरिका द्रोणावल्ली नें पांचवें बोर्ड पर 7 में से 6 अंक बनाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि टीम के लिए रैपिड में पहले बोर्ड पर खेलते हुए 12 राउंड में 9.5 अंक बनाकर रजत पदक हासिल किया , ब्लिट्ज़ की विजेता डबल्यूआर टीम से खेलने वाले आर प्रज्ञानन्दा नें चौथे बोर्ड में 4 से 4 अंक बनाकर स्वर्ण पदक हासिल किया । वहीं एमजीडी 1 के मिहिर शाह नें ब्लिट्ज़ में कांस्य और रैपिड में रजत पदक अपने नाम किया ।

विनेश फोगाट ही नहीं ये भारतीय खिलाड़ी भी पेरिस ओलंपिक में हो चुके हैं भेदभाव का शिकार

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को आज 7 अगस्त को फ्रीस्टाइन कुश्ती के 50 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में गोल्ड के लिए खेलना था। लेकिन इससे पहले ही वर्ग से अधिक भार होने के बाद उन्हें ओलंपिक से डिस्क्वालीफाई कर दिया गया है। इस फैसले के बाद देश भर में भारी रोश है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख प्रगट करते हुए इस पूरे मामले पर पीटी उषा से सख्त विरोध दर्ज करने के लिए कहा है। लेकिन ओलंपिक खेलों में भारत के ये खिलाड़ी भी भेदभाव का शिकार हो चुके हैं। आइए जानते हैं-

अमित रोहिदास को रेड कार्ड के बाद एक मैच से बैन किया

भारतीय हॉकी टीम के प्रमुख डिफेंडर अमित रोहिदास को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में रेड कार्ड मिलने के कारण उक्त मैच से बाहर कर दिया था। ब्रिटेन के खिलाफ भी भारत ने 10 खिलाड़ियों के साथ ही क्वार्टर फाइनल खेला था और पनेल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की थी। हालांकि गाज इतने तक ही सीमित नहीं थी। रोहिदास को एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया है और वह जर्मनी के खिलाफ मंगलवार को होने वाले ओलंपिक सेमीफाइनल में नहीं खेल पाए।

रोहिदास को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ रविवार को खेले गए मैच में अंतिम हूटर बजने से लगभग 40 मिनट पहले मैदान से बाहर भेज दिया गया था क्योंकि उनकी स्टिक अनजाने में एक प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी पर लग गई थी। ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ मैच के दूसरे क्वार्टर में 31 वर्षीय रोहिदास मैदान पर विल कैलनान से बहस में उलझ गए थे। मैदानी अंपायर ने भारतीय खिलाड़ी को पहले चेतावनी दी लेकिन टीवी अंपायर ने वीडियो रेफरल के बाद रोहिदास को रेड कार्ड दे दिया।

मुक्केबाज निशांत देव के साथ धोखा

भारतीय मुक्केबाज निशांत देव पेरिस ओलंपिक में पुरूषों के 71 किलोवर्ग के क्वार्टर फाइनल में मैक्सिको के मार्को वेरडे से हारकर बाहर हो गए। वेल्टरवेट के इस मुकाबले में विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता निशांत ने अच्छी शुरूआत की, लेकिन बंटे हुए फैसले के आधार पर उन्हें 1-4 से पराजय का सामना करना पड़ा।

मुक्केबाजी में ओलंपिक कांस्य जीत चुके विजेंदर सिंह और अभिनेता रणदीप हुड्डा ने भी बाउट के दौरान स्कोरिंग सिस्टम पर सवाल खड़े किए। 23 साल के निशांत ने पहला राउंड जीता था, लेकिन अगले दो राउंड में नतीजा वेरडे के पक्ष में रहा था, जबकि निशांत ज्यादा हावी दिखे

थे। विजेंदर ने निशांत को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए तारीफ की और मैच में स्कोर करने की प्रणाली पर सवाल उठाते हुए एक्स पर लिखा- 'मुझे नहीं पता कि स्कोरिंग सिस्टम क्या है, लेकिन मुझे लगता है कि बहुत करीबी लड़ाई थी। निशांत ने इतना अच्छा खेला.. कोई ना भाई।' अभिनेता रणदीप हुड्डा का मानना है कि निशांत को बाहर कर उनसे ओलंपिक पदक लूट लिया गया है। उन्होंने एक्स पर लिखा था, 'निशांत ने इस मैच को जीता था। मैक्सिकन मुक्केबाज की जमकर धुनाई की थी। यह स्कोरिंग क्या है? पदक लूट लिया, लेकिन हमारे मुक्केबाज ने दिल जीत लिया। दुखद है!! अभी कई और मेडल आने हैं छोरे!!

बांग्लादेश में मुस्लिम कर रहे मंदिरों की हिफाजत, सेना भी तैनात

-छात्र नेता नाहिद इस्लाम ने कहा- शांतिपूर्ण तरीके से करें विरोध

ढाका। बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शनों के बीच कुछ छात्रों ने एक मुहिम शुरू कर दी है। यह लोग बारी-बारी से मंदिरों की रक्षा कर रहे हैं, ताकि प्रदर्शनकारी मंदिरों को निशाना न बना सकें। गौरतलब है कि नरसिंगदी जिले के कांदीपारा गांव में काली मंदिर पर हमला हुआ है। रात के तीन बजे ढाका के ढाकेश्वरी मंदिर की पहरेदारी करते हुए छात्रों के विजुअल्स वायरल हो रहे हैं। बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। पीएम शेख हसीना देश छोड़कर भारत आ चुकी हैं और सेना ने मोर्चा संभाल लिया है। बांग्लादेश के मुस्लिम धर्मगुरु भी मंदिरों की हिफाजत कर रहे हैं। इसके अलावा हिंदू इलाकों में सेना तैनात है। बांग्लादेश में देशव्यापी आंदोलन के समन्वयकों ने छात्रों से यह तय करने को कहा कि पीएम शेख हसीना के पद से हटने के बाद देश में पैदा हुई स्थिति में किसी को भी लूट का मौका न मिले। इसके साथ ही समन्वयकों ने छात्रों से शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने का आग्रह किया है। आंदोलन के समन्वयकर्ताओं में से एक नाहिद इस्लाम ने छात्रों से कहा कि वर्तमान स्थिति में किसी को भी लूट करने का मौका न मिले। नाहिद ने कहा कि हमें अपनी राष्ट्रीय संपत्ति की रक्षा करनी है। इस अवसर पर किसी को भी लूटने का मौका नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने छात्रों से शांतिपूर्वक सड़कों पर बैठने की अपील करते हुए कहा कि उनके आंदोलन का उद्देश्य अन्य बातों के अलावा दमनकारी व्यवस्था में सुधार करना भी है। ढाका में, बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां ने कहा कि हसीना ने पीएम पद से इस्तीफा दे दिया है और एक अंतरिम सरकार कार्यभार संभालने जा रही है।

तालिबान से निपटने, पाकिस्तान ने उसके दुश्मन से मिलाया हाथ

इस्लामाबाद । तालिबान और पाकिस्तानी सेना के बीच दशकों से बहुत करीबी संबंध रहे हैं। हालांकि अफगानिस्तान में साल 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से ही दोनों देशों के बीच रिश्ते खराब हुए हैं। पाकिस्तानी सेना चाहती है कि तालिबानी सरकार टीटीपी आतंकियों के खिलाफ एक्शन ले। वहीं तालिबान का कहना है कि टीटीपी के आतंकी खुद पाकिस्तानी इलाके में सक्रिय हैं। टीटीपी आतंकी लगातार पाकिस्तानी सेना पर खूनी हमले कर सैनिकों की जान ले रहे हैं। पाकिस्तान सरकार ने चीन के रास्ते तालिबान पर दबाव बनाने की कोशिश की लेकिन कोई खास सफलता नहीं मिली। इस बीच खुलासा हुआ है कि पाकिस्तानी सेना ने तालिबान को सबक सिखाने के लिए उसके सबसे बड़े दुश्मन इस्लामिक स्टेट खोरासान प्रांत (आईएसकेपी) से हाथ मिला लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी सरकार और सेना अब आईएसकेपी का इस्तेमाल अफगान तालिबान पर दबाव बनाने के लिए कर रही है। पाकिस्तान इसके जरिए चाहता है कि तालिबान टीटीपी के आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करे। पाकिस्तान की सेना आईएसकेपी के आतंकियों को सुरक्षित ठिकाने और सपोर्ट मुहैया करा रही है। आईएसकेपी आतंकियों के ठिकाने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वां, बाजौर, दिर और बलूचिस्तान में हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की सेना अभी भी ब्रिटिश कालीन नीतियों पर चलती है और उसी हिसाब से देश की सरकार की नीतियों को बनाती है। इन्हीं नीतियों के कारण वहां अलग-थलग पड़ गया है। पाकिस्तान ने अपने देश में कश्मीरी आतंकियों को पाला और इसका ठीकरा पड़ोसी अफगानिस्तान पर फोड़ दिया। पाकिस्तान कश्मीर में हिंसा के लिए 1 दर्जन आतंकी संगठन पैदा किए हैं ताकि अपने राजनीतिक लक्ष्य को पा सके। ये आतंकी अब भारतीय सेना पर लगातार खूनी हमले कर रहे हैं। पाकिस्तान अब अपनी इसी नीति को तालिबान के खिलाफ भी लागू कर रहा है जो कभी उसका करीबी मित्र था। पाकिस्तान की सरकार ने एक नया संगठन बनाया है जिसका नाम जभात अल रिबात रखा गया है ताकि तालिबानी सरकार के खिलाफ प्रोपेगैंडा को बढ़ाया जा सके। इस संगठन के सदस्य कौन हैं, इसकी जानकारी नहीं है। बताया जा रहा है कि संगठन को पाकिस्तानी सेना के रावलपिंडी स्थित मुख्यालय से चलाया जा रहा है।

न्यूजीलैंड के एक पायलट की हत्या... विद्रोही समूह का हाथ

जकार्ता । इंडोनेशिया के पापुआ क्षेत्र से न्यूजीलैंड के एक पायलट की हत्या का मामला सामने आया है। विद्रोही फ्री पापुआ ऑर्गेनाइजेशन (ओपीएम) ने पापुआ क्षेत्र में उतरने के तुरंत बाद न्यूजीलैंड के एक पायलट की हत्या की और जिस हेलीकॉप्टर को वह चला रहा था, उसमें से कुछ लोगों को बंधक बना लिया।

इंडोनेशियाई सैन्य-राष्ट्रीय पुलिस संयुक्त अभियान के अनुसार, न्यूजीलैंड के नागरिक और पीटी इंतान अंगकासा एयर सर्विस के पायलट ग्लेन मैल्कम कोनिंग (50) की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

हेलीकॉप्टर में सवार यात्रियों को बनाया बंधक

ब्रिगेडियर जनरल फैजल रामधनी ने कहा कि अलगाववादी सशस्त्र समूह ने हेलीकॉप्टर को जला दिया जो मध्य के मिमिका जिले के एक दूरदराज के गांव अलामा में उतरा था। ओपीएम की तरफ से कॉनिंग के खिलाफ बंधक बनाने और हत्या की घटना को अंजाम दिया गया था। बता दें कि इस हेलीकॉप्टर में चार यात्री, दो स्वास्थ्य कर्मी, एक शिशु और एक बच्चा सवार थे। हेलीकॉप्टर ने मोसेस किलांगिन टिमिका एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। इंडोनेशियाई सशस्त्र बलों और राष्ट्रीय पुलिस ने न्यूजीलैंड पायलट की हत्या के लिए जिम्मेदार विद्रोहियों की तलाश शुरू कर दी है। हालांकि बाद में बंदूकधारियों ने यात्रियों को रिहा कर दिया था।

नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. यूनुस अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार

ढाका। बांग्लादेश में इन दिनों आगजनी और भीषण हिंसा हो रही है। प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफा देकर देश छोड़कर चली गई हैं। इस बीच बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने मौजूदा संसद को भंग करने का ऐलान किया है। देश में जल्द ही अंतरिम सरकार का गठन होगा। इस दौरान जमात-ए-इस्लामी और छात्र शिबिर ने अपने कार्यकर्ताओं को हिंदू मंदिरों और अल्पसंख्यकों के अन्य धार्मिक स्थलों की सुरक्षा करने को कहा है। वहीं भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के कोऑर्डिनेटर छात्र समूह ने एक नया वीडियो जारी किया। जिसमें कहा है कि नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ.मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार होंगे। अंतरिम सरकार के अन्य सदस्यों के नामों के प्रस्ताव भी साझा किए जाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, छात्र आंदोलन के प्रमुख कोऑर्डिनेटर में से एक नाहिद इस्लाम ने कहा कि उन्होंने पहले ही डॉ. यूनुस से बात की है। देश के मौजूदा हालात देखकर उन्होंने अपनी सहमति दे दी है। बता दें कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में आगजनी और भीषण हिंसा के बीच भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर भारतीय सुरक्षा बल (बीएसएफ) अलर्ट पर है। बीएसएफ के डीजी दलजीत चौधरी लगातार दूसरे दिन भारत-बांग्लादेश बॉर्डर के दौरे पर हैं। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने ऐलान किया है कि संसद को भंग कर जल्द ही देश में अंतरिम सरकार बनाई जाएगी। बैठक में सर्वसम्मति से बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की अध्यक्ष खालिदा जिया को भी तुरंत रिहा करने का फैसला लिया गया। इसके अलावा राष्ट्रपति ने विरोध प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किए गए सभी छात्रों को रिहा करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने हिंसा में शामिल लोगों को निष्पक्ष जांच के जरिए सजा दिलाने का वादा किया है।

पाकिस्तान में इस साल आतंकवादियों से लड़ाई के दौरान 139 सैनिक मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि 2024 के पहले सात महीनों के दौरान आतंकवादियों के खिलाफ जारी लड़ाई में अधिकारियों सहित 139 सैनिकों की जान चली गई। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पत्रकारों को सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी। जिसमें सेना और कानून प्रवर्तन एजेंसियों (एलईए) के व्यापक आतंकवाद विरोधी प्रयासों और पेशेवर गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों और एलईए ने देश भर में 23,622 खुफिया-आधारित ऑपरेशन किए। कुल मिलाकर 2,045 ऑपरेशन अकेले पिछले 15 दिनों में किए गए। शरीफ ने पाकिस्तानी सेना, खुफिया एजेंसियों, पुलिस और अन्य एलईए के अथक प्रयासों पर जोर देते हुए कहा कि पिछले 15 दिनों के दौरान 24 आतंकवादियों को मार गिराया गया है। अधिकारी ने कहा कि सरकार ने आधिकारिक तौर पर प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को फितना अल-खवारिज (बाहरी विद्रोह) और सभी संबंधित आतंकवादियों को खारिजी (बहिष्कृत) करार दिया है।

फ्लोरिडा में आये तूफान डेबी के बाद एक रहवासी परिसर तक पहुंचा पानी।

नॉस्त्रेदमस ने किताब में कहा था- जब सूख जाएगी धरती तो आएगी बाढ़

- भारत-चीन में दिख रहा असर, एक और भविष्यवाणी सच साबित हो रही

पेरिस। नास्त्रेदमस ने कई भविष्यवाणियां की हैं, जिनमें से कई सच भी साबित हो रही हैं। उन्होंने हिटलर का उदय, अमेरिकी राष्ट्रपति कैनेडी की हत्या, कोविड-19 की शुरुआत के बारे में सटीक भविष्यवाणी की थी। अब ऐसा लगता है कि 2024 के लिए उनकी एक बड़ी भविष्यवाणी भी सच हो गई है। 2024 के लिए नास्त्रेदमस ने कहा था कि सूखी धरती और भी ज्यादा सूख जाएगी और जब ऐसा होगा तो बाढ़ आएगी। इस भविष्यवाणी का असर भारत और चीन में दिख भी रहा है, जहां भीषण गर्मी के बाद बाढ़ से चार सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। एशिया में इस साल को मानसून और तूफान का मौसम कहा जाता है, लेकिन जलवायु परिवर्तनों ने इन तूफानों को तेज कर दिया है। भारी बारिश से भूस्खलन और बाढ़ जैसी हालत पैदा हुए हैं। फसलें तबाह हो गई और मकान बह गए। भारत के वायनाड में भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ। कीचड़ और पानी के मलबे ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में अब तक 361 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 200 से ज्यादा अभी भी लापता होने की खबर है। इसके साथ ही टाइफून गेमी के चलते फिलीपींस में 30 से ज्यादा और ताइवान में दस की मौत हुई है। चीन के कई हिस्से बाढ़ की चपेट में हैं। हुनान प्रांत में बारिश के बाद एक पर्यटन स्थल पर आए भूस्खलन से 15 लोगों की मौत हो गई। जिक्सिंग शहर में बाढ़ में 30 लोगों के मारे जाने है, जबकि 35 लापता हैं। बता दें नास्त्रेदमस एक फ्रांसीसी भविष्यवक्ता थे। 1503 में जन्मे नास्त्रेदमस ने अपनी जीवन काल में कई भविष्यवाणियां की, जिसे अपनी किताब लेस प्रोफेटीज में संकलित किया।

हसीना के बेटे का खुलासा कहा- देश छोड़ना नहीं चाहतीं थीं मां, अब वो राजनीति में कभी नहीं आएंगी

ढाका (एजेंसी)। अमेरिका में मौजूद शेख हसीना के बेटे और पूर्व मुख्य सलाहकार सजीब वाजेद जॉय ने बातचीत में खुलासा किया है कि शेख हसीना बांग्लादेश छोड़कर नहीं जाना चाहती थीं। लेकिन परिवार के दबाव के बाद उन्होंने ऐसा किया। सजीब वाजेद ने बातचीत में कहा कि अब हम (बांग्लादेश) पाकिस्तान बन जाएंगे। उनका इशारा कट्टरपंथ को लेकर है। उनसे जब यह पूछा गया कि क्या उनकी मां ने देश के लिए अच्छा काम किया। इस पर उन्होंने कहा, बिल्कुल आवामी लीग अभी भी देश की सबसे लोकप्रिय पार्टी बनी हुई है। यह पूछे जाने पर कि क्या उनका वापसी का कोई प्लान है। इसे लेकर उन्होंने कहा, बिल्कुल नहीं, वह 77 साल की हैं। यह उनका आखिरी कार्यकाल होने वाला था और इसके बाद वह रिटायर होने वाले थीं।

एक इंटरव्यू में कहा कि बांग्लादेश अब पाकिस्तान जैसा हो जाएगा। उन्होंने कहा, वह वहीं रहना चाहती थीं, वह बिल्कुल भी देश नहीं छोड़ना

चाहती थीं। लेकिन हमने इस बात पर जोर दिया कि यह उनके लिए सुरक्षित नहीं है। हम सबसे पहले उनकी शारीरिक सुरक्षा को लेकर चिंतित थे। इसलिए हमने उन्हें देश छोड़ने को मना किया। उन्होंने कहा, मैंने आज सुबह उनसे बात की। बांग्लादेश में अराजकता वाली स्थिति आप देख सकते हैं। वह अच्छी हैं लेकिन वह बहुत निराश हैं। यह उनके लिए निराशाजनक हैं, क्योंकि बांग्लादेश को एक विकसित राष्ट्र बनाना उनका सपना था और पिछले 15 वर्षों से उन्होंने इसे लेकर बहुत मेहनत की है। इसे उग्रवादियों और आतंक से सुरक्षित रखा और इन सबके बावजूद मुखर अल्पसंख्यक, विपक्ष, उग्रवादियों ने अब सत्ता पर कब्जा कर लिया है।

जनवरी में जीत हासिल कर वह लगातार चौथी बार सत्ता में आई थीं। लेकिन सात महीने से भी कम समय में उन्हें अपना देश छोड़ना पड़ गया। एक मिलिट्री हेलीकॉप्टर में वह अपनी बहन के साथ शरण लेने के लिए भारत पहुंचीं। हालांकि उनके बेटे ने कहा कि उन्होंने इस बारे में चर्चा नहीं कि आखिर वह अब कहां जाएंगी। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश में चुनाव होगा, लेकिन इस समय हमारी पार्टी के नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। मुझे नहीं लगता कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कैसे होंगे। हम क्या कर सकते हैं यह हमने पहले बता दिया है। हमारे परिवार ने बांग्लादेश में विकास कर दिखाया है। अगर बांग्लादेश के लोग खड़े होने के इच्छुक नहीं हैं तो लोगों को वही नेतृत्व मिलेगा, जिसके वे हकदार हैं।

चीन से गदगद पाकिस्तान बोला- जो उसने किया है वो अमेरिका भी नहीं कर सकता

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि अमेरिका के साथ संबंधों को सुधारा जाना चाहिए, लेकिन यह पाक और चीन के बीच संबंधों की कीमत पर नहीं होना चाहिए। लाहौर के मॉडल टाउन स्थित आवास पर पत्रकारों से चर्चा के दौरान शहबाज शरीफ ने कहा कि अमेरिका के साथ संबंधों को सुधारा जाना चाहिए, लेकिन यह पाक और चीन के बीच संबंधों की कीमत पर नहीं होना चाहिए। एक पाकिस्तानी अखबार के मुताबिक, शहबाज शरीफ ने कहा कि चीन ने देश के लिए जो किया है, वह अमेरिका कभी नहीं कर सकता।

चीन और पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का दूसरा चरण तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में चीन के विशेषज्ञ पाकिस्तान की यात्रा पर आए थे। चीनी विशेषज्ञों ने दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने को लेकर सकारात्मक रुख अपनाया है। उन्होंने चीन से फिर से कर्ज का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, अगर चीन द्वारा पाकिस्तान सरकार को कर्ज चुकाने के लिए पांच से सात वर्ष का समय दिया गया तो देश में बिजली

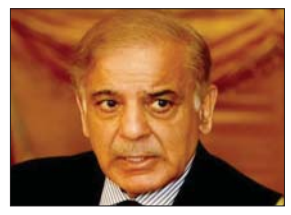

के दामों के साथ-साथ महंगाई को कम किया जा सकेगा। इस दौरान, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने देश में चीनी नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी प्रतिबद्धता जताई। कुछ समय पहले पाकिस्तान के विदेश विभाग ने भी कहा था कि बेहतर संबंधों के लिए चीन के साथ रिश्तों की कुर्बानी नहीं दे सकते। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा ने कहा, हमारे लिए अमेरिका के साथ रिश्ते और चीन के साथ रिश्ते, दोनों ही जरूरी हैं।उन्होंने कहा, हम इस बात में यकीन नहीं रखते कि एक देश के साथ संबंधों के लिए दूसरे देश के साथ रिश्तों की कुर्बानी दे दी जाए। उन्होंने साफ कर दिया है कि पाकिस्तान चीन के साथ अपना संबंध मजबूत करना जारी रखेगा। उन्होंने अमेरिका के साथ भी रिश्तों को अहम करार दिया है।

ब्रिटेन सरकार की मांग, संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में हो बांग्लादेश हिंसा की जांच

लंदन। बांग्लादेश में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के बाद पूर्व पीएम शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा। अब ब्रिटेन सरकार ने इसकी स्वतंत्र संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में जांच की मांग की है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे। बांग्लादेश अब अंतरिम सरकार का इंतजार कर रहा है और सेना प्रमुख प्रदर्शनकारियों से मिलने की योजना बना रहे हैं, जिससे लगता है हिंसक विद्रोह के बाद बांग्लादेश में अब स्थिति सामान्य हो सकती है। इस आंदोलन ने शेख हसीना को सत्ता छोड़ने पर मजबूर कर दिया। जो 1971 के मुक्ति संग्राम में लड़ने वाले दिग्गजों के परिवारों के लिए विवादास्पद कोटा प्रणाली के साथ शुरू हुआ था, जिसमें युवा बेरोजगारी ज्यादा थी। जैसे-जैसे अशांति बढ़ती गई, सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने उनके आवास पर हमला बोल दिया उनके आवास परिसर में तोड़फोड़ और लूटपाट की। हसीना ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया और सैन्य हेलीकॉप्टर से देश छोड़कर भारत आ गईं। शेख हसीना ने भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। लंदन जाने की योजना है लेकिन लंदन प्रशासन की ओर से उन्हें शरण देने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी ने कहा कि ब्रिटेन बांग्लादेश में शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक भविष्य तय करने के लिए कार्रवाई देखना चाहता है, लेकिन उन्होंने शेख हसीना के आगमन का उल्लेख नहीं किया है।

कमला हैरिस को सोशल मीडिया पर 4 हजार बार धमकी देने वाले पर चलेगा मुकदमा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से एक युवक इतना गुस्सा हो गया कि उसने एक दो बार नहीं बल्कि हजारों पर उन्हे जान से मारने की धमकी दे डाली। अदालत के रिकॉर्ड के मुताबिक फ्रैंक लुसियो कैरिलो ने कमला हैरिस, राष्ट्रपति जो बाइडन, एफबीआई के डायरेक्टर क्रिस्टोफर रे सहित एरिजोना राज्य के कई अधिकारियों और अन्य लोगों को दक्षिणपंथी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म गेटर पर कई धमकियां दी थीं। एफबीआई ने कैरिलो की 4,359 पोस्ट पाईं, जिनमें कमला हैरिस सहित दूसरे कई सराकरी अधिकारियों को निशाना बनाया गया था। अदालत के रिकॉर्ड के मुताबिक अपनी कई पोस्ट में कैरिलो ने कथित तौर पर हैरिस की आंखें निकालने की धमकी दी और उपराष्ट्रपति को मारने के विभिन्न तरीकों को विस्तार से सामने रखा। कैरिलो ने कथित तौर पर एक अपशब्द भरे भाषण में लिखा कि 'मैं तुम्हारी आंखें निकाल दूंगा। उसने उम्मीद जताई कि कमला हैरिस धीमी पीड़ादायक मौत मरेगी। अदालत के रिकॉर्ड में कई ऐसे ही पोस्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ-साथ अन्य लोगों के खिलाफ बड़ी और साफ धमकियां दी गई हैं। जिसमें 2023 में एक इस्लामोफोबिक पोस्ट भी शामिल है। जिसमें उसने लिखा था कि लोगों को अपनी बंदूकें लेकर बाहर जाना चाहिए और सभी मुसलमानों को मार देना चाहिए। जब एफबीआई एजेंट पहली बार सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में कैरिलो के घर पहुंचे, तो कैरिलो ने कहा कि 'मैंने इसे पोस्ट किया है। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार कैरिलो ने यह भी कहा कि 'मुझे लगता है कि मुझे एक वकील की जरूरत पड़ेगी। संघीय एजेंटों ने उनके घर से दो हथियार बरामद किए, जिसमें 2023 में खरीदी गई एक पिस्तौल और इस साल खरीदी गई एक राइफल शामिल है।

ब्रिटेन सरकार की मांग, संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में हो बांग्लादेश हिंसा की जांच

-पूर्व पीएम शेख हसीना के लंदन में शरण मांगने का नहीं किया जिक्र

लंदन (एजेंसी)। बांग्लादेश में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के बाद पूर्व पीएम शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा। अब ब्रिटेन सरकार ने इसकी स्वतंत्र संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में जांच की मांग की है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे। बांग्लादेश अब अंतरिम सरकार का इंतजार कर रहा है और सेना प्रमुख प्रदर्शनकारियों से मिलने की योजना बना रहे हैं, जिससे लगता है हिंसक विद्रोह के बाद बांग्लादेश में अब स्थिति सामान्य हो सकती है। इस आंदोलन ने शेख हसीना को सत्ता छोड़ने पर मजबूर कर दिया। जो 1971 के मुक्ति संग्राम में लड़ने वाले दिग्गजों के परिवारों के लिए विवादास्पद कोटा प्रणाली के साथ शुरू हुआ था,

जिसमें युवा बेरोजगारी ज्यादा थी। जैसे-जैसे अशांति बढ़ती गई, सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने उनके आवास पर हमला बोल दिया उनके आवास परिसर में तोड़फोड़ और लूटपाट की। हसीना ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया और सैन्य हेलीकॉप्टर से देश छोड़कर भारत आ गईं। शेख हसीना ने भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। लंदन जाने की योजना है लेकिन लंदन प्रशासन की ओर से उन्हें शरण देने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी ने कहा कि ब्रिटेन बांग्लादेश में शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक भविष्य तय करने के लिए कार्रवाई देखना चाहता है, लेकिन उन्होंने शेख हसीना के आगमन का उल्लेख नहीं किया है। लैमी ने कहा बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से हिंसा और जान-माल की हानि हुई है। सेना प्रमुख द्वारा एक संक्रमणकालीन अवधि की घोषणा की गई है। अब सभी पक्षों को हिंसा को खत्म करने, शांति बहाल करने, स्थिति को कम करने और किसी भी तरह की जान-माल की हानि को रोकने के लिए मिलकर काम करने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के लोग पिछले कुछ हफ्तों में अराजक स्थिति की पूर्ण और स्वतंत्र संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व वाली जांच के हकदार हैं, जहां आरक्षण प्रणाली के खिलाफ आंदोलन हिंसक सरकार विरोधी प्रदर्शनों में बदल गया। लैमी ने इस बात पर भी जोर दिया कि ब्रिटेन और बांग्लादेश के लोगों के बीच गहरे संबंध हैं और राष्ट्रमंडल के मूल्य साझा हैं। इस बीच अमेरिका ने कहा कि वह स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहा है और आग्रह करता है कि शेख हसीना के जल्दबाजी में इस्तीफ़े के बाद वहां अंतरिम सरकार का गठन लोकतांत्रिक और समावेशी हो। इसने शेख हसीना के देश छोड़कर जाने के बाद सेना के संयम की भी सराहना की गई है।

भारत पर टेड़ी नजर रखने वाली चीन समर्थक खालिदा जिया जेल से हुई रिहा

ढाका(एजेंसी)। पड़ोसी देश में तेजी से बदलते घटनाक्रमों के बीच में यह खबर निकल कर सामने आई है कि शेख हसीना के भारत के लिए उडान भरते साथ ही राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने आदेश दिया की जेल में बंद पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को जेल से रिहा कर दिया जाए। खालिदा जिया को रिहा करने का फैसला राष्ट्रपति ने विपक्षी पार्टियों के साथ हुई मीटिंग के बाद लिया।

सूत्रों के मुताबिक इस मीटिंग में तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने भी हिस्सा लिया था। इस मीटिंग में खालिदा जिया की रिहाई के साथ- साथ उन सभी लोगों की रिहाई को भी मंजूरी दे दी गई जो कि इस आंदोलन के दौरान गिरफ्तार हुए हैं। खालिदा जिया और शेख हसीना को राजनैतिक दुश्मनी विरासत में मिली थी। 1975 में शेख मुजीब की हत्या के बाद खालिदा के पति जहूर रहमान ने बांग्लादेश की सत्ता संभाली थी। बाद में जहूर रहमान की भी 1981 में हत्या कर दी गई थी। इसके बाद इन दोनों परिवारों के बीच में एक तरह की दुश्मनी पैदा हो गई, जो समय के साथ राजनैतिक दुश्मनी में बदल गई। अपने भारत में बिताए समय, पिता के रिश्तों और मॉर्डन ख्यालातों के कारण शेख हसीना का रुख भारत को लेकर नर्म रहा तो वहीं उनकी विरोधी खालिदा जिया को चीन समर्थक माना जाता है। वह पाकिस्तान की नीतियों का समर्थन करती रहीं हैं। उनके प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए भारत और बांग्लादेश के संबंध लगातार खराब ही होते रहे हैं। खालिदा जिया बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी अध्यक्ष हैं उन्हें 2018 में भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते 17 साल की सजा सुनाई गई थी। वह फिलहाल हॉस्पिटल में भर्ती हैं।खालिदा जिया बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी बी एन पी की अध्यक्ष हैं वह आवामी लीग की शेख हसीना की सबसे कट्टर विरोधी मानी जाती हैं। उन दोनों की राजनैतिक लड़ाई को बांग्लादेश में बेगमों की लड़ाई कहा जाता है। शेख हसीना 1996 में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनी थी उसके बाद शेख हसीना और खालिदा जिया एक के बाद एक प्रधानमंत्री बनती रहीं, जिससे इन दोनों की पार्टियों के बीच की कडवाहट ने बांग्लादेश की जनता को भी दो भागों में बांट दिया। आवामी लीग ने खुद को एक लोकतांत्रिक और मॉर्डन पार्टी के रूप आगे बढ़ाया तो वहीं खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी एक कट्टर इस्लामिक विचार धारा वाली पार्टी बनी।

पिछले कुछ हफ्तों से बांग्लादेश लगातार हिंसा का दौर देख रहा है। सोमवार को यह इतना भयानक हो गया कि प्रधानमंत्री आवास में लोगों ने घुस कर उत्पात मचाना शुरू कर दिया। इस आंदोलन में आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्र बाद में पीएम हसीना के इस्तीफे के लिए प्रदर्शन करने लगे। हजारों लोगों ने हसीना के घरों पर पथराव किया और साथ में बांग्लादेशी संसद को भी निशाना बनाया।यह प्रदर्शन पूरे बांग्लादेश में हिंसक रूप से फैल गए। लोगों से सरकारी संपत्ति और आवामी लीग से जुड़े नेताओं पर हमलें करना

शुरू कर दिया। जैसोर में आवामी लीग के एक नेता के होटल में आग लगा दी गई, जिसमें करीब 8 लोग जिंदा जलकर मर गए। बांग्लादेश में इस तरह की कई घटनाएं देखने को मिली हैं, जिनमें अभी तक कई सौ लोगों के मारे जाने की खबर हैं। फिलहाल सेना ने कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया है और अंतरिम सरकार गठन करने की घोषणा की है।

सोनू सूद ने बांग्लादेश में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए सरकार से की अपील

नई दिल्ली । फिल्म अभिनेता सोनू सूद ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया। जिसमें एक बांग्लादेशी हिंदु महिला मदद की गुहार लगा रही है। सोनू सूद ने ये वीडियो अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर करते हुए अपील की है कि सभी लोग बांग्लादेश में फंसे भारतीयों को वहां से निकलवाने में मदद करें। सोनू ने लिखा, अपने भारतीय भाइयों को बांग्लादेश से सुरक्षित वापस लाने के लिए हमें अपनी तरफ से हर संभव कोशिश करनी चाहिए ताकि उन्हें यहां एक बेहतर लाइफ मिल सके। यह सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं जो कि हालात संभालने की कोशिश कर रही है, बल्कि हम सभी की है। जय हिंद....

अयोध्या गैंगरेप केस में आरोपी का डीएनए टेस्ट कराएगी पुलिस

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने अयोध्या में 12 साल की बच्ची के साथ गैंग रेप में अपने मुस्लिम नेता और वहां नगर अध्यक्ष मुईन खान को बचाने के लिये काफी आपत्तिजनक तरीके से डीएनए टेस्ट कराने की जो मांग की थी, उस पर अब पुलिस ने भी अपनी मोहर लगा दी है। पुलिस ने आरोपित की डीएनए जांच कराने का निर्णय लिया है। वहीं गैंग रेप के आरोपी दुष्कर्म की शिकार किशोरी के घरवालों ने गर्भपात की सहमति दे दी है। डीएनए के संबंध में उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फोरेंसिक साइंस के संस्थापक निदेशक डा. जीके गोस्वामी ने बताया कि डीएनए टेस्ट की रिपोर्ट आने की अवधि जांच की प्रकृति पर निर्भर करता है। कपड़ों, बाल या घटनास्थल से एकत्र नमूनों के मिलाने में समय लगता है, लेकिन इस प्रकरण में पीड़िता, भ्रूण और आरोपित की जांच रिपोर्ट तीन से चार दिन में आ सकती है। इसके लिये किशोरी की प्राथमिक जांच कराई गई है, विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम भी बन गई है।

उधर, परिवार की सहमति के बाद गत दिवस सीएमओ संजय जैन किशोरी को लेकर लखनऊ रवाना हुए। दोपहर बाद तीन बजे उसे गर्भपात व बेहतर उपचार के लिए कड़ी सुरक्षा में लखनऊ के क्वीनमेरी अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपित सपा के भदरसा नगर पंचायत अध्यक्ष मोईद खान और उसके सहयोगी राजू को पहले ही जेल भेजा जा चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेकर पीड़ित परिवार से भेंटकर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया था और आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई थी। आरोपित की अतिक्रमण कर बनाई गई बेकरी पर बुलडोजर चलाया जा चुका है। अन्य संपत्तियों की भी जांच चल रही है। किशोरी के परिवार की बेहतर चिकित्सा की मांग पर उसे लखनऊ भेजा गया। गर्भपात पर निर्णय लेने के लिए बाल कल्याण समिति की ओर से नियुक्त की गई सहायक ने स्वजन की सहमति ली और रिपोर्ट समिति के अध्यक्ष सर्वेश अवस्थी को सौंप दी। उधर, एसएसपी ने कहा कि किशोरी का अश्लील वीडियों बनाने का आरोप लगा है। आरोपितों के मोबाइल भी जांच के लिए भेजे जाएंगे।

वायनाड हादसा : लापता लोगों की सूची जारी करेगी सरकार, पुनर्वास पैकेज का ऐलान

वायनाड। केरल सरकार वायनाड जिले में हुए भीषण भूस्खलन के बाद लापता लोगों की सूची जल्द जारी करेगी। यह बात राजस्व मंत्री के राजन ने पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि सरकार लापता लोगों की एक सटीक सूची तैयार कर रही है। सरकार का उद्देश्य सभी प्रभावितों का व्यापक पुनर्वास करना है। चूरलमाला और मुंडक्कई के भूस्खलन प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद उन्होंने कहा कि वायनाड में पुनर्वास पहल पूरी दुनिया के लिए एक मॉडल होगी। उन्होंने आगे कहा कि आपदा के कारण हुए विनाश और नुकसान का जायजा लेने के लिए जल्द ही कदम उठाए जाएंगे। भूस्खलन प्रभावित वायनाड जिले में तलाश अभियान मंगलवार को चालियार नदी घाटी पर जारी था। जिला प्रशासन ने बताया कि बचाव कर्मियों का एक विशेष दल हेलीकॉप्टर से नदी घाटी क्षेत्र में शवों और मानव अंगों की तलाश कर रहा है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अजित कुमार ने बताया कि चालियार नदी के किनारे कुछ दुर्गम इलाके हैं, जहां पिछले दिनों कुछ लोग फंस गए थे और उन्हें सुरक्षित निकालना पड़ा था। उन्होंने कहा कि इसलिए, हमने स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद न लेने और पुलिस के विशेष अभियान समूह व सैन्य कमांडो के दो दल बनाने का फैसला किया है, जिन्हें विमान से इन क्षेत्रों में उतारा जाएगा। केरल सरकार ने घोषणा की थी कि वह वायनाड के भूस्खलन प्रभावित लोगों के लिए एक व्यापक पुनर्वास पैकेज लागू करेगी, जहां बचाव अभियान और राहत अभियान जारी हैं। भूमि अधिग्रहण किया जाएगा, मकान बनाए जाएंगे और पुनर्वास के लिए बुनियादी सुविधाएं जल्द से जल्द स्थापित की जाएंगी। केरल के वित्त मंत्री के.एन. बालगोपाल ने भूस्खलन प्रभावित चूरलमाला का दौरा करने के बाद कहा कि दुनिया भर से कई लोगों ने पुनर्वास प्रयासों के लिए मदद करने की पेशकश की है।

लालू और तेजस्वी पर आएगा संकट... ईडी द्वारा नई पूरक चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नौकरी के बदले जमीन घोटाले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में नई पूरक चार्जशीट दाखिल की। ईडी ने नई चार्जशीट में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 8 लोगों को आरोपी बनाया है। आरोपियों में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव सहित अन्य शामिल हैं। कोर्ट 13 अगस्त को ईडी द्वारा दायर आरोप पत्र पर संज्ञान लेगा। आरोप पत्र विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने के समक्ष दायर किया गया था, जिन्होंने मामले को 13 अगस्त को विचार के लिए पोस्ट किया था। ईडी द्वारा दर्ज किया गया मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी से उपजा है। विशेष रूप से, कथित घोटाला उस समय का है जब लालू यादव यूपीए-1 सरकार में रेल मंत्री थे। आरोप है कि 2004 से 2009 तक भारतीय रेलवे के अलग-अलग जोन में ग्रुप डी के पदों पर कई लोगों की नियुक्ति की गई और बदले में इन लोगों ने उनकी जमीनें तत्कालीन रेल मंत्री लालू यादव के परिवार के सदस्यों और उनकी संबंधित कंपनी एके इंफोसिस प्राइवेट लिमिटेड के नाम कर दीं।

अब ताजमहल के मुख्य गुंबद पर पानी की बोतल नहीं ले जा सकेंगे पर्यटक

आगरा । हिंदूवादी संगठनों द्वारा ताजमहल में दो बार किए गए जलाभिषेक की घटनाओं के बाद एएसआई और सीआईएसएफ ने ताज के मुख्य गुंबद पर पानी की बोतल ले जाने पर रोक लगा दी है। अब चमेली फर्श से ऊपर पर्यटकों और गाइडों को पानी की बोतल नहीं ले जाने दी जाएगी। गौरतलब है कि, सोमवार को हिंदू महासभा की एक महिला पदाधिकारी ने ताजमहल पर जल चढ़ाते हुए भगवा झंडा भी लहराया। इससे दो दिन पहले मथुरा के दो युवकों ने भी मुख्य कब्र के तहखाने में गंगाजल चढ़ाया और ताजमहल की दीवार पर श्ओमश् का स्टिकर लगाकर गंगाजल चढ़ाया था। इन घटनाओं के बाद एएसआई और सीआईएसएफ की बैठक हुई और ताजमहल के मुख्य गुंबद पर सैलानियों द्वारा पानी की बोतल ले जाने पर रोक लगाने का फैसला किया गया। ताजमहल के वरिष्ठ संरक्षण सहायक प्रिंस वाजपेयी ने मंगलवार को बताया कि पर्यटक अब ताजमहल के मुख्य गुंबद पर पानी की बोतलें नहीं ले जा सकेंगे। गुंबद पर ज्यादा समय नहीं लगता, नीचे चमेली फर्श पर आकर पानी ले सकते हैं। फिर भी पर्यटकों की सुविधा के लिए एएसआई कर्मचारियों की टीम रहेगी, जो जरूरत पर पानी उपलब्ध कराएगी।

बांग्लादेश की जेल से भागे सैकड़ों आतंकी, भारत ने सुरक्षा एजेंसियों को किया अलर्ट

नई दिल्ली। बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन और तख्तापलट की खबरों के बीच वहां से बड़ी और चिंताजनक खबर सामने आ रही है। इसी बीच खबर मिली है कि बांग्लादेश की जेल से कई आतंकी जेल तोड़कर भाग गए हैं। इसके चलते भारत ने सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया है। यह आतंकी जमात उल मुजाहिदीन संगठन के बताए जा रहे हैं। शेरपुरा जेल से 518 कैदी भाग गए हैं। ये हथियार लेकर भागे हैं। इसके साथ ही जेल को आग के हवाले कर दिया है। भारत बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। दस्तावेजों की छानबीन के निर्देश दे दिए गए हैं। वैलिड आईडी कार्ड रहने पर ही वह अपने गांव में दाखिल हो सकेंगे। बीएसएफ को निर्देश जारी कर दिए हैं। बांग्लादेश के साथ भारत हजारों किलोमीटर का बॉर्डर शेयर करता है। बांग्लादेश की राजनीतिक अस्थिरता पर भारत नजर रख रहा है। कई आतंकी संगठन के आतंकी जो जेल में बंद थे उन्हें छुड़ा लिया है। पश्चिम बंगाल में जिस तरह से सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है लेकिन चार हजार किलोमीटर की सीमा पर हर जगह बीएसएफ को तैनात नहीं किया जा सकता है।

सांसद दुबे का राहुल गांधी पर तंज... ओबीसी आरक्षण पर ढोंग कर रहे

-ओबीसी को आरक्षण का विरोध करती थी कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद निशिकांत दुबे ने मंगलवार को कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए उस पर अपने कार्यकाल के दौरान डीबीटी यानी डालमिया, बिड़ला और टाटा जैसे कुछ व्यापारिक समूहों का पक्ष लेने का आरोप लगाया। उन्होंने बजाज को भी इस सूची में शामिल किया और इसे डीबीबीटी योजना का नाम दिया। दुबे की टिप्पणी विपक्ष के आरोपों के जवाब में की गई थी कि वर्तमान सरकार अरबपति गौतम अडानी और मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली कंपनियों का समर्थन करती है।

दुबे ने लोकसभा में वित्त विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि कांग्रेस के समय धनशोधन विरोधी कानून तथा आयकर से जुड़े कानूनों को सख्त किया गया था, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में ईमानदारी से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो भी भ्रष्टाचारी होगा, वो जेल जाएगा। दुबे ने कहा कि आज जब अन्य देशों का आकलन करेंगे तो पता चलेगा कि आज भी भारत दुनिया के लिए आशा की किरण है क्योंकि यहां विकास दर सात प्रतिशत है।

दुबे ने कुछ राजनेताओं के व्यवहार में स्पष्ट विरोधाभास की ओर भी इशारा किया। उन्होंने उल्लेख किया कि अडानी और अंबानी की आलोचना करने वाले कई लोग अनंत अंबानी की शादी में मौजूद थे, लेकिन अब संसद में उनके विरोध में मुखर हैं, जहां उद्योगपति अपना बचाव नहीं कर सकते। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह बजट को लेकर अराजकता फैला रहे हैं तथा उस पद का क्या हाल कर रहे हैं जिस पर बाबू जगजीवन राम, अटल बिहारी वाजपेयी, वाईवी चव्हाण और शरद पवार जैसे लोग आसीन रह चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ओबीसी आरक्षण के खिलाफ है और उसने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में किसी पिछड़े को मुख्यमंत्री नहीं बनाया। दुबे ने कहा, ''आज देश के प्रधानमंत्री पिछड़े वर्ग से हैं, अगर वह ओबीसी की सुरक्षा की बात करते हैं तो आप (कांग्रेस) ओबीसी-ओबीसी करने लगते हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस मुस्लिम और ईसाई समुदाय को पीछे के रास्ते से आरक्षण देना चाहती है। भाजपा सांसद का कहना था कि इस बजट में 'एंजेल टैक्स' खत्म किया गया ताकि युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिलें। उन्होंने आरोप लगाया, ''कांग्रेस देश को बदनाम करना चाहती है। वह चाहती है कि प्रधानमंत्री मोदी और देश के खिलाफ माहौल बने। लेकिन ऐसा नहीं होने दिया जाएगा।''

मछुआरों के प्रतिनिधिमंडल से मिले जयशंकर

नई दिल्ली। तमिल मछुआरों की समस्याओं और उनके साथ हो रही घटनाओं को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने तमिलनाडु के बीजेपी अध्यक्ष अन्नामलाई के साथ मछुआरों के नेताओं के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने मंगलवार को पोस्ट में मछुआरों की समस्याओं पर विचार करने का आश्वासन दिया। जयशंकर ने कहा, सोमवार को तमिलनाडु अध्यक्ष अन्नामलाई, तमिल मछुआरों के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात की। उन्होंने अपनी विभिन्न शिकायतें और चिंताएं बताईं। भारत सरकार भारतीय मछुआरों की आजीविका, कल्याण और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। आश्वासन दिया कि उनके मुद्दों पर स्थायी और सहानुभूतिपूर्ण तरीके से विचार किया जाएगा। यह मुलाकात तब हुई जब हाल ही में 1 अगस्त को श्रीलंकाई नौसेना के जहाज से भारतीय मछुआरों की नाव की टक्कर में एक भारतीय मछुआरे की मृत्यु हुई थी। घटना में दो अन्य मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा हिरासत लेकर श्रीलंका ले जाया गया था। यह घटना भारत और श्रीलंका के बीच लंबे समय से चली आ रही समुद्री विवाद को फिर से उजागर करती है। भारतीय मछुआरे अक्सर अपनी जीविका के लिए समुद्र में उतरते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय जल सीमा के विवाद के कारण उन्हें कई बार समस्याओं का सामना करना पड़ता है। विदेश मंत्री जयशंकर ने जोर दिया कि भारत सरकार मछुआरों की समस्याओं को गंभीरता से ले रही है और उनका समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मछुआरों की समस्याओं का समाधान सहानुभूतिपूर्ण और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ किया जाएगा।

8 अगस्त से घाटी के दो दिवसीय दौरे पर ईसी की टीम, सितंबर में चुनाव की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग की टीम 8 अगस्त से 2 दिवसीय दौरे पर जम्मू-कश्मीर पहुंच रही है। उम्मीद है कि घाटी में चुनाव लगभग छह साल के अंतराल के बाद सितंबर में हो सकते हैं। निर्वाचन आयोग विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करेगा। इसमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार और निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एस एस संधू भी होंगे। यह दौरा केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कराने के लिए उच्चतम न्यायालय की 30 सितंबर की समयसीमा से कुछ हफ्ते पहले होगा। आयोग दस अगस्त को कानून लागू करने वाली एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक के लिए जम्मू का दौरा करेगा। ऐसी उम्मीद है कि घाटी में चुनाव लगभग छह साल के अंतराल के बाद सितंबर में हो सकते हैं।

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) जहां पूरी ताकत के साथ जम्मू-कश्मीर में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है, वहीं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अभी भी सशंकित है। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले राजनीतिक गतिविधियों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। बीजेपी ने जम्मू में एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है और पार्टी को चुनाव की तैयारी शुरू करने का आदेश जारी किया है। नेताओं को पहुंच बढ़ाने और 15 अगस्त तक पूरी प्रक्रिया पूरी करने के लिए जिला स्तर पर टीमें बनाने के लिए कहा गया है। यह भाजपा के लक्ष्यों का रोडमैप निर्धारित करेगा, जो पार्टी के 'सबका साथ, सबका विकास' के मिशन को पूरा करेगा।

पिछले दिसंबर में उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को 30 सितंबर तक जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया था। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव जल्द कराए जाने के नये संकेत देते हुए निर्वाचन आयोग ने बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन से कहा कि वह अपने गृह जिलों में तैनात अधिकारियों का तबादला कर दे। आयोग चुनाव से पहले यह कदम उठाता रहा है। आयोग लगातार यह नीति अपनाता रहा है कि चुनाव वाले राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कराने से सीधे जुड़े अधिकारियों को उनके गृह जिलों या उन जगहों पर तैनात नहीं किया जाए, जहां वे लंबे समय से कार्यरत रहे हैं।

तिहाड़ के बाहर भाजपा का प्रदर्शन... केजरीवाल इस्तीफा दो

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को तिहाड़ जेल के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग की।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है, इसकारण दिल्ली का विकास नहीं हो पा रहा है। केजरीवाल सरकार दिल्ली को लूटने का काम कर रही है। प्रदर्शनकारियों के हाथों में तख्तियां थीं, इन पर लिखा था, दिल्ली का विकास ठप, केजरीवाल इस्तीफा दो, दिल्ली हुई बदहाल, केजरीवाल इस्तीफा दो, और दिल्ली का प्रशासन हुआ पंगु, केजरीवाल इस्तीफा दो। प्रदर्शनकारियों ने केजरीवाल सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर इस्तीफे की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के साथ ही दिल्ली की राजनीति में एक नई गर्माहट आ गई है।

बता दें, इसके पहले दिल्ली भाजपा अध्यक्ष सचदेवा ने सीएम केजरीवाल पर लोकतांत्रिक प्रशासनिक प्रक्रिया में विश्वास नहीं करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि साल 2022 से 31 जुलाई 2024 तक केजरीवाल सरकार के मंत्रिमंडल की 71 में से 56 सर्कुलेशन बैठकें हुईं थी और इन बैठकों में सीएम केजरीवाल ने अपना मनमाना निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया हर सरकार की नींव होती है। केजरीवाल सरकार संविधान की अवहेलना कर रही है।

बांग्लादेश में हालात सुधारने भारत सरकार करे हस्ताक्षेप : पप्पू यादव

-कूटनीतिक और सामरिक क्षमता दिखाए जैसी इंदिरा जी ने दिखाई थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। बांग्लादेश में बिगड़े हालात के बाद पीएम शेख हसीना इस्तीफा देकर भारत आ गईं हैं। बांग्लादेश में अब अंतरिम सरकार का गठन किया जाएगा। वहीं बांग्लादेश के हालातों को लेकर बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा है कि देश की सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में तख्तापलट से भारत को नुकसान हो सकता है। देश की सरकार इसमें हस्तक्षेप करे। उन्होंने कहा कि सरकार को सिर्फ राजनीति नहीं, दिल बड़ा करके दक्षिण एशिया के अभिभावक की तरह कूटनीतिक और सामरिक क्षमता दिखानी चाहिए। जैसा इंदिरा गांधीजी ने 1971 में पूरी दुनिया को दिखाया था। बता दें कि बांग्लादेश में सोमवार को प्रदर्शनकारी पीएम हाउस की ओर बढ़े तो पीएम शेख हसीना देश छोड़कर भारत आ गई थीं। उन्हें गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस के सेफ हाउस में ठहराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बांग्लादेश के इस आंदोलन के प्रमुख आयोजकों ने नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का मुख्य सलाहकार बनाने का प्रस्ताव भेजा है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो में आंदोलन के प्रमुख समन्वयकों में से एक नाहिद इस्लाम ने कहा कि वह पहले ही प्रोफेसर यूनुस से बात कर चुके हैं, और उन्होंने देश की वर्तमान स्थिति को देखते हुए इसकी मंजूरी दे दी है। बांग्लादेश में बिगड़े हालात के बाद बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर हाई अलर्ट जारी कर दिया है। बांग्लादेश सीमा क्षेत्रों की ओर जाने वाली यात्री और मालगाड़ियों को जाने से रोक दिया गया है। बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वेकर-उज-जमान ने कहा कि अंतरिम सरकार कार्यभार संभालेगी।

राज्यसभा में उठा रील्स बनने के नाम पर अश्लीलता को बढ़ावा का मामला

-माननीय सांसदों ने सरकार से कदम उठाने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के दौरान समाजवादी पार्टी सांसद राम गोपाल यादव ने राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान इंस्टाग्राम रील्स का मुद्दा उठाया। रील्स बनाने वालों पर भड़के प्रोफेसर यादव ने कहा कि लोग इसतरह के वस्त्र पहनते हैं, कि नजरें झुक जाती हैं। सांसद यादव ने कहा कि किसी भी समाज में न्यूडिटी और एल्कोहलिज्म बढ़ जाता है तब कई सभ्यताएं नष्ट हो जाती हैं। प्रोफेसर यादव ने मोदी सरकार से रोकने के लिए कदम उठाने की मांग की और जनसंघ के जमाने से ही भारतीय सभ्यता और संस्कृति की सुरक्षा का नारा भी याद दिलाया।

प्रोफेसर यादव ने कहा कि आज स्थिति ये है, कि कुछ प्लेटफॉर्म अश्लीलता को बढ़ावा दे रहे हैं। विशेषकर इंस्टाग्राम रील्स का नाम लेना चाहूंगा। सपा सांसद ने कहा कि अनुमानों के मुताबिक युवा हर रोज औसतन तीन घंटे इंस्टाग्राम पर रील्स देखने, भद्दे सीरियल्स और भद्दे प्रोग्राम देखने में बिता रहे हैं।

प्रोफेसर यादव ने कहा कि आए दिन ऐसी खबरें देखने को मिल रही हैं कि इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई, शादी हुई इसके बाद लड़के ने लड़की का मर्डर कर दिया। इस तरह की घटनाएं हो रही हैं।

वहीं, महाराष्ट्र से एनसीपी सांसद फौजिया खान ने ऑनलाइन गेमिंग की लत के कारण बच्चों पर पड़ रहे प्रभाव का मुद्दा उठाया। उन्होंने पुणे में एक बच्चे के सुसाइड का भी जिक्र कर इस लेकर नियम बनाने की मांग की। इसके पहले, पंजाब से आम आदमी पार्टी के सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने भी सोशल मीडिया के द्वारा नफरत फैलाने का मुद्दा उठाया। आप सांसद विक्रमजीत ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले ही सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी के लिए ऐसा कुछ लिखा था हम सदन में बोल भी नहीं सकते। उन्होंने कहा कि इससे सोसाइटी में टेंशन हो रही है।

वर्तमान सरकार मुसलमानों को मिली धार्मिक स्वतंत्रता छीनना चाहती है: मदनी

-वक्फ एक्ट में संशोधन पर जताई आपत्ति, यह संपत्तियां हमारे पुरखों की

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ बोर्ड अधिनियम में संशोधन को लेकर जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि वक्फ कानून में ऐसे किसी भी संशोधन को स्वीकार नहीं कर सकते, जिससे वक्फ की स्थिति और वक्फकर्ता का उद्देश्य ही बदल जाए। मदनी ने कहा कि ऐसा लगता है कि इन संशोधनों से सरकार वक्फ की स्थिति और स्वभाव को बदलना चाहती है ताकि उस पर क़ब्ज़ा किया जा सके।

केंद्र सरकार वक्फ एक्ट 2013 में करीब 40 संशोधनों के साथ नया वक्फ संशोधन विधेयक 2024 संसद में पेश करने जा रही है। यह संशोधन किस प्रकार के हैं, इसका अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है लेकिन मदनी ने इन संशोधनों वाले विधेयक पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद यह साफ कर देना चाहती है कि वक्फ संपत्तियां मुसलमानों के पुरखों की हुई हैं, जिन्हें धार्मिक और मुस्लिम खैराती कार्यों के लिए समर्पित किया गया है। सरकार ने उन्हें विनियमित करने के लिए वक्फ एक्ट बनाया है। जमीयत उलमा-ए-हिंद वक्फ एक्ट 2013 में कोई ऐसा संशोधन, जिससे वक्फ संपत्तियों की स्थिति और स्वभाव बदल जाए या उसे क़ब्ज़ा कर लेना सरकार या किसी व्यक्ति के लिए आसान हो जाए। कभी भी ऐसे विधेयक को स्वीकार नहीं किया जाएगा। वक्फ बोर्डों के अधिकारों को कम या सीमित करने को भी हम स्वीकार नहीं कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि जब से यह सरकार सत्ता में आई है तब से मुसलमानों को डराने के लिए ऐसे नए कानून ला रही है, जिससे शरई मामलों में खुला हस्तक्षेप होता है। हालांकि, सरकार यह बात अच्छी तरह जानती है कि मुसलमान हर नुकसान बर्दाश्त कर सकता है लेकिन अपनी शरीयत में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं कर सकता। मदनी ने साफ कहा कि मुसलमानों को दिए गए संवैधानिक अधिकारों में जानबूझकर हस्तक्षेप किया जा रहा है। संविधान ने हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता के साथ-साथ अपने धार्मिक कार्यों का पालन करने का भी अधिकार दिया है और वर्तमान सरकार संविधान द्वारा मुसलमानों को दी गई धार्मिक स्वतंत्रता छीनना चाहती है।

मौलाना मदनी ने कहा कि सरकार की नीयत खराब है। वह हमारे धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप कर मुसलमानों की अरबों-खरबों की संपत्तियों को हड़प लेना चाहती है। उसने अतीत में भी यूसीसी, तलाक या नान-नफक़ा के मुद्दे पर हस्तक्षेप किया। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने हमेशा वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए हैं। अगर इस मामले में जरूरत पड़ी तो सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे, क्योंकि हम अपने पुरखों की संपत्तियों की सरकारी और गैर-सरकारी स्तर पर जारी रहने वाली लूट पर चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार खुद दिल्ली में मस्जिदों को शहीद करा रही है। हज़रत निजामुद्दीन में सैकड़ों करोड़ के वक्फ कब्रिस्तान पर कब्ज़ा करने की कोशिश की जा रही है।